हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शुक्रवार • 11.07.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 347 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक में हेमन्त सोरेन ने मजबूती से रखा झारखंड का पक्ष

आयुष्मान से जुड़े 212 अस्पतालों की बकाया राशि का होगा भुगतान : शाह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित 27वीं पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड राज्य की समस्याओं, विकास की जरूरतों और लंबित मामलों को विस्तार से रखा। मुख्यमंत्री ने झारखंड की ओर से 31 अहम मुद्दों को उठाते हुए राज्य के विकास के लिए केंद्र सरकार से सहयोग की अपेक्षा जताई। बैठक में बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बैठक की शुरूआत भगवान बिरसा मुंडा और सिदो-कान्हू की धरती से अतिथियों का स्वागत करते हुए की। उन्होंने कहा कि बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड की साझा सांस्कृतिक विरासत हमें एकजुट करती है। हमारी सामाजिक-आर्थिक चुनौतियां भी समान हैं। ऐसे में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद राज्यों के बीच बेहतर तालमेल और सहयोग का मंच है। झारखंड ने अपने मुद्दों में आयुष्मान भारत योजना से जुड़े 212 अस्पतालों के लंबित भुगतान को उठाया। बताया गया कि कतिपय गड़बड़ियों को लेकर ईडी की छापेमारी के बाद इन अस्पतालों का भुगतान नहीं हो रहा है। इस पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ईडी को जल्द से जल्द मुकदमों को निष्पादित करने का निर्देश दिया।

खनन प्रभावितों के लिए नीति में बदलाव की मांग

सीएम सोरेन ने खनन क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी और कमजोर वर्गों पर खनन के नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए मुख्यमंत्री ने डीएमएफटी नीति में संशोधन कर खनन प्रभावितों को अधिक लाभ देने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उग्रवाद से निपटने में झारखंड सरकार ने सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किया है। उन्होंने केंद्र से मांग की कि केन्द्रीय बलों की प्रतिनियुक्ति के एवज में राज्य से राशि की मांग नहीं की जाए, क्योंकि यह संयुक्त जिम्मेदारी है।

मेडिकल कॉलेजों के निर्माण के लिए मदद की अपील

उन्होंने कहा कि झारखंड में कुपोषण की स्थिति में सुधार हो रहा है, लेकिन इसे मजबूत करने के लिए 15वें वित्त आयोग की सिफारिश के तहत 312 करोड़ रुपये की राशि शीघ्र दी जाए। इसके अलावा रिम्स-2 और छह नए मेडिकल कॉलेजों के निर्माण के लिए केंद्र से आर्थिक सहयोग की मांग की।

धार्मिक स्थलों को रामायण सर्किट में शामिल करने की मांग

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के धार्मिक स्थलों को रामायण सर्किट और बौद्ध सर्किट में शामिल किया जाए ताकि पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। साथ ही, झारखंड-बिहार के बीच लंबित परिसंपत्ति बंटवारे का मुद्दा भी उन्होंने जोरशोर से उठाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की भौगोलिक चुनौतियों और सामाजिक-आर्थिक स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार को सहकारी संघवाद की भावना के तहत सहयोग करना चाहिए।

मुख्यमंत्री द्वारा बैठक में उठाए गए प्रमुख मुद्दे

- साहिबगंज से रांची तक एक्सप्रेस-वे का निर्माण, ताकि मल्टी-मॉडल टर्मिनल की कनेक्टिविटी सुधरे।
- रांची मेट्रो रेल परियोजना को केंद्र की स्वीकृति।
- मनरेगा मजदूरी दर में वृद्धि और भुगतान में तेजी।
- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की राशि बढ़ाकर 2 लाख रुपये प्रति घर करना।
- जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए केंद्र से सहयोग।
- सिंचाई परियोजनाओं के लिए वित्तीय साझेदारी।
- झारखंड में रेलवे नेटवर्क के विस्तार और लंबित रेल परियोजनाओं को पूरा करने का आग्रह।
- साहिबगंज में एयर कार्गो हब के लिए केंद्र से 100 प्रतिशत पूंजीगत लागत का वहन।
- नमामि गंगे योजना में झारखंड के अन्य शहरों को शामिल करने का प्रस्ताव।
- कोल कंपनियों से बकाया 1.40 लाख करोड़ रुपये की वसूली में केंद्र की मदद।
- माइंस क्लोजर और अवैध खनन पर सख्ती।

श्रावणी मेला आज से, एक महीने के लिए बंद रहेगी स्पर्श पूजा

विश्व प्रसिद्ध देवघर श्रावणी मेले का वैदिक मंत्रों के साथ हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के विश्व प्रसिद्ध देवघर के श्रावणी मेला का गुरुवार को वैदिक मंत्रों के साथ विधिवत उद्घाटन हुआ। झारखंड सरकार के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार, श्रम मंत्री संजय यादव और पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काट कर उद्घाटन किया। दुम्मा द्वार का फीता काटने से पहले तीनों मंत्री समेत जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों ने मंदिर के तीर्थ पुरोहितों के साथ वैदिक मंत्रों का उच्चारण के बीच विधिवत पूजा अर्चना की। पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार, श्रम एवं उद्योग मंत्री संजय यादव ने दुम्मा द्वार से प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं के साथ बम बम भोले और बोल बम का जयकारा भी लगाया।

इस अवसर पर मंत्री सुदिव्य कुमार ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस विश्व प्रसिद्ध मेला के लिए हर वर्ष की तुलना में इस वर्ष सबसे खास इंतजाम किए गए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से श्रद्धालुओं को सुविधा मुहैया कराई जाएगी। इस मेले में दुनिया भर के लोग आते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े सफल आयोजन का संचालन तभी होता है जब समाज और स्थानीय लोगों की मदद मिले, इसलिए उन्होंने देवघर वासियों से अपील करते हुए कहा कि लोगों के साथ बेहतर व्यवहार बनाकर रखें। मंत्री सुदिव्य ने बताया कि अगले सावन को लेकर भी उनके मन में कई तैयारियों की योजना है। देवघर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अगले साल तक दो फ्लाईओवर का निर्माण करवाने को लेकर अधिकारियों से चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि इस मेले के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री को भी आना था लेकिन रांची में केंद्रीय गृह मंत्री के नेतृत्व में होने वाली बैठक में शामिल होने की वजह से वह नहीं आ पाए।

पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि श्रावणी मेले में जो इंतजाम जिला प्रशासन की ओर से किए गए हैं, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है। उन्होंने कहा कि झारखंड के सबसे बड़े आयोजनों में श्रावणी मेला का नाम आता है। इस मेले में आसपास के राज्यों के लोग ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के श्रद्धालु यहां आस्था के साथ पहुंचते हैं। इसलिए राज्य सरकार का यह प्रयास है कि बेहतर व्यवस्था के माध्यम से देश दुनिया से आए लोगों की नजर में झारखंड की अच्छी छवि बनी रहे। श्रम मंत्री संजय यादव ने कहा कि सिर्फ देवघर ही नहीं बल्कि पूरे संथाल क्षेत्र के लोग इस मेले से लाभान्वित होते हैं। इसलिए साल में एक बार आने वाले इस मेले का इंतजार पूरे क्षेत्र के लोग करते हैं। इस मेले को सफल बनाकर देवघर और आसपास के लोग अपनी सभ्यता का परिचय दें। इस वर्ष का श्रावणी मेला पूरी तरह से हाइटेक और डिजिटल स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ड्रोन निगरानी, अक्‍ आधारित कैमरे, सीसीटीवी, शटल सेवाएं, पार्किंग व्यवस्था, हेल्पलाइन और चैटबॉट सुविधा लागू की गई है।

इस मौके पर विधायक सुरेश पासवान, विधायक देवेंद्र कुंवर, विधायक उदय शंकर सिंह, डीसी नमन प्रियेश लकड़ा, एसपी एपी डुंगडुंग, सीडीओ रवि कुमार, डीडीसी पीयूष सिंहा, एनडीसी शैलेश कुमार, एसडीपीओ अशोक सिंह, पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख, जेएमएम संजय शर्मा सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि 11 जुलाई से देवघर का विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला शुरू हो रहा है। जहां अब श्रद्धालु सुल्तानगंज से लगभग 110 किलोमीटर पैदल यात्रा करते हुए दुम्मा द्वार होते हुए देवघर के बाबा धाम मंदिर में जलाभिषेक करने सीधे पहुंच सकेंगे।

एक नजर

अपराधियों ने हाइवा में लगाई आग

लातेहार : जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत टोरी रेलवे साइडिंग के पास अपराधियों ने बुधवार की देर रात एक हाइवा में आग लगा दी। अपराधियों ने इस दौरान हवाई फायरिंग भी की। घटना की जिम्मेवारी राहुल दुबे गिरोह ने ली है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी है। डीएसपी अरविंद कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात लगभग 1:00 बजे 6 से 8 की संख्या में अपराधी कोयला साइडिंग के पास पहुंचे थे। अपराधियों ने इस दौरान वहां खड़े एक हाइवा में आग लगा दी। अपराधियों ने दहशत फैलाने को लेकर हवाई फायरिंग की। इसके बाद अपराधी वहां से फरार हो गए। बताया जाता है कि अपराधियों ने रंगदारी वसूली के लिए दहशत फैलाने के इरादे से इस घटना को अंजाम दिया है। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन की। इधर इस संबंध में एसडीपीओ अरविंद कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी आरंभ कर दी है। उन्होंने कहा कि राहुल दुबे गिरोह की ओर से घटना की जिम्मेवारी ली गई है। जल्द ही पुलिस घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों में भेज देगी।

भारी बारिश से फिर उफनी भैरवी, मां छिन्नमस्तिका मंदिर में घुसा पानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भारी बारिश की वजह से रामगढ़ जिले में आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शहर से लेकर गांव तक हर नदी और नाले में पानी काफी अधिक भर गया है। सड़कों पर भी जल जमाव की वजह से आवागमन बाधित हो रहा है। झारखंड के प्रसिद्ध सिद्ध पीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर में भी भैरवी नदी का पानी समा गया है। भैरवी इतनी उफान पर है कि अपने तट पर बने दुकानों को अपने साथ बहा ले गई। कई दुकानों में भारी नुकसान हुआ है। दुकानदार अपने सामान को पहले भी हटा रहे थे। गुरुवार की सुबह मंदिर में दर्शन करने आए लोगों को मंदिर न्यास समिति और पुलिस प्रशासन के द्वारा नदी से दूर रहने की हिदायत दी गई। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर रजरप्पा मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंची हुई थी। लेकिन श्रद्धालुओं को दर्शन करने में काफी परेशानी हुई। रात में हुई झमाझम बारिश के बाद नदी उफान पर आ गया। लगातार हो रही बारिश की वजह से श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में घुसने में दिक्कत हुई।

राजनीतिक दल सभी मतदान केंद्रों पर अपने-अपने दल के बूथ लेवल एजेंट नियुक्त कर लें : के रवि कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि वे सभी मतदान केंद्रों पर अपने-अपने दल के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त कर लें। जिससे मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल जिला, विधानसभा स्तर पर बूथ लेवल एजेंट-1 एवं सभी मतदान केंद्र स्तर पर बूथ लेवल एजेंट- 2 को चयनित करते हुए उनकी सूची संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। कुमार गुरुवार को राज्य के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ निर्वाचन सदन में बैठक कर रहे थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि राजनीतिक दल बीएलए नियुक्त करते समय इस बात का ध्यान रखें कि संबंधित बीएलए उसी मतदान केंद्र का मतदाता हो। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल बीएलए की सूची संबंधित क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को उपलब्ध कराएंगे जिसे निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा संबंधित बीएलओ को उपलब्ध करा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के क्रम में एक भी मतदाता छूटे नहीं इस कार्य के लिए बीएलए एवं बीएलओ आपस में समन्वय स्थापित करते हुए काम करें। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के चयनित बीएलए को शर्तों के साथ मतदाताओं के फॉर्म जमा करने, मतदाता सूची के प्रारूप की कॉपी प्राप्त करने सहित कई अधिकार भी दिए गए हैं।

चुनाव आयोग मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम रखेगा जारी, सुप्रीम कोर्ट ने दी अनुमति

एजेंसी

नयी दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को भारतीय चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को जारी रखने की अनुमति देते हुए इसे "संवैधानिक जनादेश" कहा। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने हालांकि इस प्रक्रिया के समय पर सवाल उठाया और प्रथम दृष्टया यह राय दी कि बिहार में एसआईआर के दौरान आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड पर विचार किया जा सकता है।

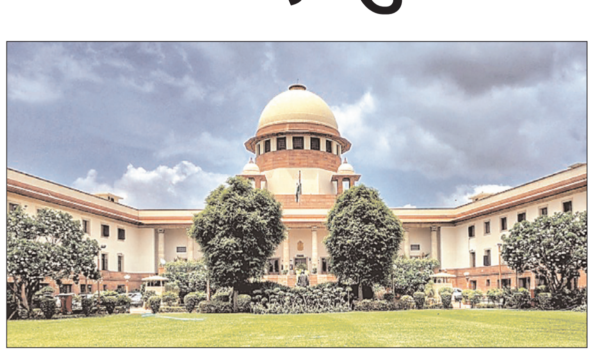

इसमें कहा गया है, हमारा प्रथम दृष्टया यह मत है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को शामिल करने की अनुमति दी जानी चाहिए। पीठ ने इस बात पर गौर किया कि 10 विपक्षी दलों के नेताओं सहित किसी भी याचिकाकर्ता ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगाने की मांग नहीं की है। पीठ ने याचिकाओं पर जवाब मांगा और सुनवाई 28 जुलाई के लिए स्थगित कर दी। पीठ ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग को 21 जुलाई तक याचिकाओं पर जवाबी हलफनामा दाखिल करना चाहिए और 28 जुलाई तक प्रत्युत्तर दाखिल करना चाहिए। पीठ ने कहा कि वह इस प्रक्रिया को करने में चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और ईमानदारी पर संदेह नहीं कर रही है, जो एक संवैधानिक दायित्व है, लेकिन प्रक्रिया का समय संदेह पैदा कर रहा है। पीठ ने चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी से कहा, हमें आपकी ईमानदारी पर संदेह नहीं है, लेकिन धारणाएं हैं। हम आपको रोकने के बारे में नहीं सोच रहे हैं, क्योंकि यह संवैधानिक जनादेश है। द्विवेदी ने कहा कि 60 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने पहचान-पत्र सत्यापित कर लिए हैं और उन्होंने अदालत को आश्वासन दिया कि किसी भी मतदाता का नाम उनकी सुनवाई किए बिना मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा।

पीठ ने कहा, हम किसी संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसे करना चाहिए। साथ ही, हम उन्हें वह भी नहीं करने देंगे जो उन्हें नहीं करना चाहिए। इससे पहले, दिन में पीठ ने चुनाव आयोग से चुनावी राज्य बिहार में एसआईआर अभियान के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह लोकतंत्र और वोट देने की शक्ति की जड़ तक जाता है। साथ ही पीठ ने इस तर्क को खारिज कर दिया कि चुनाव आयोग के पास इसे लागू करने का कोई अधिकार नहीं है।

भारत निर्वाचन आयोग ने भी इस प्रक्रिया को उचित ठहराया और कहा कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है। पीठ ने बिहार में एसआईआर अभियान में आधार कार्ड को शामिल न करने पर द्विवेदी से सवाल किया और कहा कि चुनाव आयोग का किसी व्यक्ति की नागरिकता से कोई लेना-देना नहीं है और यह गृह मंत्रालय का अधिकार क्षेत्र है।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में फर्जीवाड़ा, 172 महिलाओं पर मुकदमा दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड अंतर्गत हेंदलजुड़ी पंचायत में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में बड़े घोटाले का खुलासा हुआ है। जांच में पाया गया कि योजना की लाभुक सूची में फर्जीवाड़ा कर बिहार और पश्चिम बंगाल की 172 मुस्लिम महिलाओं ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए लाभ उठाया। प्रशासन ने इन सभी महिलाओं के खिलाफ गुरुवार को मामला दर्ज कराया है।

जानकारी के अनुसार, फर्जीवाड़ा के जरिए योजना की पहली किस्त की राशि 2500 रुपये प्रति लाभुक के हिसाब से कुल 9 लाख 57 हजार रुपये की निकासी की गई। घाटशिला प्रखंड विकास पदाधिकारी युनिका शर्मा के निर्देश पर हेंदलजुड़ी पंचायत के सचिव मंगल टुडू ने गालूडीह थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में बिहार के किशनगंज जिले के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र की 40 महिलाओं और पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा थाना क्षेत्र की 132 महिलाओं के नाम शामिल हैं। आरोप है कि इन महिलाओं ने फर्जी दस्तावेजों का उपयोग कर योजना का लाभ लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने हेंदलजुड़ी पंचायत की तत्कालीन सचिव पुष्पा कुमारी पोद्दार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस घोटाले को लेकर स्थानीय राजनीतिक दल भाजपा और झामुमो ने भी निष्पक्ष जांच की मांग की है। यह मामला प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

एक नजर

मुस्लिम समुदाय की पहल पर जर्जर छवनिया रोड की मरम्मत

बड़कागांव : बुढ़वा महादेव महुदी पहाड़ जाने वाली मार्ग छवनिया रोड की जर्जर हालत को देखते हुए छवनिया गांव के समाजसेवी जानेसार अंसारी एवं मोहम्मद अफवान के पहल पर मुस्लिम समाज के द्वारा जर्जर सड़क को मरम्मत कराया गया। जानेसार अंसारी ने बताया दो हाईवा डस्ट डालकर जेसीबी मशीन से समतलीकरण कर रोड को मरमत कराया गया। ज्ञात होगी छावनिया रोड की जर्जर हालत की खबर गुरुवार को छपने के पश्चात मुस्लिम समुदाय के लोगों ने संज्ञान में लिया और रोड को दुरुस्त कराया। मौके पर मो शहुद, मो इंतसार, अब्दुल वाहिद, मो तारिक, मो मुनाजिर, मो समजद, मो मुजाहिद, उपस्थित थे।

गुरु जीवन को दिशा देने वाले दीपक होते हैं : शेफाली गुप्ता

हजारीबाग : बाबुगांव स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर एक भव्य और भावनात्मक गुरु वंदना उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ओम आरोहणम संस्था की संस्थापिका तथा भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं। विद्यालय परिवार द्वारा उनका पारंपरिक ढंग से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया, जिससे वे भावविभोर हो गईं। कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा दसवीं के उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गुरु वंदना, भजन एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरुओं के प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट की। अपने उद्बोधन में भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने कहा आज गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर मैं उन सभी गुरुओं को वंदन करती हूँ जिन्होंने जीवन के हर मोड़ पर सही मार्ग दिखाया। गुरु केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि हमारे जीवन को दिशा देने वाले, अंधकार में प्रकाश की तरह जलने वाले दीपक होते हैं।

गुरु पूर्णिमा पर साईं मंदिर नवाबगंज में भक्ति, सेवा और समर्पण का अनुपम संगम

हजारीबाग : गुरु पूर्णिमा जैसे पावन अवसर पर गुरुवार को साईं परिवार, हजारीबाग (रजि. संख्या: 8188/19) द्वारा साईं मंदिर, नवाबगंज के प्रांगण में एक भव्य एवं भक्तिमय भंडारे का आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक रहा, बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक समरसता की मिसाल भी बना। प्रातः कालीन बेला में साईं बाबा का विधिवत पूजन और अभिषेक संपन्न हुआ। इसके पश्चात भजन-कीर्तन और आरती का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु ह्लॐ साईं रामह्व के संगीतमय जयघोष के साथ भक्ति में लीन दिखे। दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारे की शुरूआत हुई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरी, सब्जी और हलवे का स्वादिष्ट प्रसाद श्रद्धा भाव से वितरित किया गया।

भक्ति में भीगे श्रद्धालु, बारिश भी नहीं रोक सकी आस्था

रिमझिम बारिश के बीच भी भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ। भीगते हुए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और साईं बाबा के प्रति अपने अपार श्रद्धा का प्रदर्शन किया। यह दृश्य भक्तिभाव और समर्पण की जीवंत तस्वीर बन गया।

हजारीबाग में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक संपन्न

डीसी ने ग्रामीण क्षेत्रों में आधार पंजीकरण केंद्रों की सुलभता पर दिया विशेष जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त हजारीबाग शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में आधार पंजीकरण व अद्यतन केंद्रों की आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने जिला परियोजना पदाधिकारी, यूआईडी प्रवीण कुमार सुमन को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधार केंद्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करें, ताकि अधिक से अधिक लोगों को सुविधा मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि जिन नागरिकों का अब तक आधार नहीं बना है, उनकी सूची तैयार कर

आधार पंजीकरण हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जाएं। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि यदि आयुष्मान कार्ड बनवाने में आधार से संबंधित कोई समस्या आती है तो संबंधित अधिकारी यूआईडी परियोजना पदाधिकारी से संपर्क कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को निर्देशित किया कि सभी बाल विकास परियोजना कार्यालयों में उपलब्ध आधार किट/बाल आधार किट को सक्रिय करते हुए 0 से 5 वर्ष के बच्चों का आधार बनाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि समाज कल्याण पदाधिकारी इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के प्रबंधक से समन्वय कर कैंप का रोस्टर साझा करें ताकि बाल आधार पंजीकरण कार्य तेजी से किया जा सके। शिक्षा विभाग को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सरकारी व निजी विद्यालयों में अध्ययनरत सभी बच्चों का आधार पंजीकरण संकुल साधन केंद्र (बीआरसी) किट के माध्यम से शिविर लगाकर पूर्ण कराया जाए। बैठक में नजारत उप समाहर्ता, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला परियोजना पदाधिकारी यूआईडी, सीएससी मैनेजर, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मरहन्द गांव में लौटी रौशनी, मुन्ना सिंह के प्रयास से लगा नया ट्रांसफार्मर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कटकमदाग : कटकमदाग प्रखंड के मरहन्द गांव में बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को उस वक्त राहत मिली जब कांग्रेस पार्टी के सदर विधानसभा के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सह नगर निगम प्रभारी मुन्ना सिंह के प्रयासों से मंगलवार को 63 केवी का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। गांव में बीते कई दिनों से ट्रांसफारमर जलने के कारण अंधेरा पसरा था और ग्रामीणों को बिजली की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा था। स्थानीय लोगों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए मुन्ना सिंह ने मामले में त्वरित पहल की। उन्होंने अपने निजी मीडिया प्रतिनिधि विक्की कुमार धान को आवश्यक निर्देश देते हुए बिजली विभाग से समन्वय स्थापित करवाया, जिसके बाद विभागीय प्रक्रिया पूर्ण कर आज नया ट्रांसफारमर उपलब्ध कराया गया। गांव में ट्रांसफार्मर लगने के बाद बिजली की आपूर्ति पुनः बहाल हो गई है और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने मुन्ना सिंह का आभार जताते हुए कहा कि वे हमेशा क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता देते हैं और जनहित के मुद्दों पर तत्परता से कार्य करते हैं। इस अवसर पर मुन्ना ने कहा कि जनता की मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करना मेरी प्राथमिकता है।

अत्यधिक वर्षा से खरीफ फसलों की बुवाई ठप, किसानों पर मंडरा रहा आर्थिक संकट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : धान एवं हरी सब्जियों के उत्पादन में महारथ हासिल आज बड़कागांव प्रखंड के किसान परेशानियों से जूझ रहे है, किसान बेरोजगार होकर घरों में बैठे हुए हैं। लगभग डेढ़ महीने से लगभग प्रत्येक दिन अत्यधिक वर्षा होने से खरीफ फसलों की बुवाई नहीं हो पाने से किसानों में मायुषी छाई हुई है, जून जुलाई के मौसम में बोई जाने वाले मुख्यतः खरीफ फसलें मक्का, मूंगफली, अरहर, ज्वार, बाजरा, मुंग, भींडी, झिंगी-परवल, करेला, टमाटर, मिर्च इत्यादि इस वर्ष किसान अपने खेतों में नहीं लगा पाए हैं। वहीं भिंडी, मक्का, टमाटर, करैला, लौकी, बोदी, झिंगी-परवल इत्यादि सब्जियां जो किसान मार्च अप्रैल में खेतों में लगाई हुई थी, पौधा ठीक तैयार हुआ और उसमें पानी

जल जमाव होने के वजह से मर सड कर मुरझा गई। अत्यधिक वर्षा होने के कारण धान का बिचड़ा भी किसान समय पर लगा नहीं पाए और जो लगाए हैं उनका आधा से अधिक गल गया जिससे किसान निराश होकर पुनः धान का बिचड़ा लगा रहे हैं। जो किसान डायरेक्ट अपने खेतों में धान की बुवाई करते थे वह भी अभी तक नहीं कर पाए हैं और वह असमंजस की स्थिति में है। किसान की पूंजी बेवजह इस वर्ष बर्बाद हो रही है जिससे किसान कर्ज तले दबे जा रहे हैं। कोयलंग (परेवातरी) के किसान ज्ञानचंद कुमार उर्फ ज्ञानी ने झारखंड सरकार से मांग किया कि किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। क्योंकि जो खेत आजकल हरी भरी सब्जियों से लहलहाती नजर आती थी वह खेत अभी सिर्फ घांस-फुस से हरी नजर आ रही है, अत्यधिक वर्षा के कारण हुए नुकसान की वजह से आधा अकाल सरकार को घोषित कर देना चाहिए।

ओकनी तालाब को लेकर हजारीबाग को मिली बड़ी जीत एनजीटी ने दिया कायाकल्प कार्य पूरा करने का आदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हाई कोर्ट से लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में ओकनी तालाब की लड़ाई लड़ रहे हजारीबाग पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट को एक बड़ी कामयाबी बुधवार को मिल गयी, जब ट्रिब्यूनल का फैसला ओकनी तालाब को कब्जा से बचाने में लगे लोगों के पक्ष में आ गया। 199/2024 में 3.7.2025 को मामले में जस्टिस बी. अमित स्थालेकर (जुडिशल मेंबर) और एक्सपर्ट मेंबर में अरुण कुमार वर्मा ने सुनवाई करते हुए विभिन्न जांच रिपोर्ट, स्थल जांच कर सौंपा गया प्रतिवेदन और पर्यावरण ट्रस्ट की ओर से अध्यक्ष जयगोपाल राय द्वारा रखे गए तथ्यों का अवलोकन कर फैसला दिया कि ओकनी तालाब के कायाकल्प के लिए रुका पड़ा काम

पूरा कराये और इसके लिए एनजीटी ने 3.7.2026 की समय सीमा भी तय की। वहीं डीसी हजारीबाग को कहा है कि यह तालाब कैसे दूषित हो रहा है, कचरा फेंका जा रहा है, नाली का पानी गिराया जा रहा है, इसका जिम्मेवार कौन है तय करें और साथ ही इस तालाब के लिए एक्शन प्लान बने। एनजीटी के इस आदेश के बाद एक करोड़ 39 लाख का काम शुरू होने का मार्ग फिर प्रशस्त हो सकेगा। मामले में संस्था की ओर से प्रिंसिपल सेक्रेटरी झारखंड, हजारीबाग मुनिसिपल कारपोरेशन, डीसी हजारीबाग और मिनिस्ट्री ऑफ फारेस्ट को पार्टी बनाया गया था। शिकायत के बाद एनजीटी के निर्देश पर उच्चस्तरीय कमिटी ने स्थल जांचकर रिपोर्ट दी, जिसमें गंदगी के बिखरे होने, पानी के दूषित करने, नाली का पानी गिराने को लेकर रिपोर्ट किया गया। सदर सीओ ने भी एक रिपोर्ट दी, जिसमें बताया गया कि जमीन पर अपनी दावेदारी करने वाले शाहनवाज जमील के म्यूटेशन वाले आवेदन 2898/ 2024-25 को स्थल निरीक्षण और पुराने रिकॉर्ड का मुआयना करने के बाद इसे दशकों से पब्लिक उपयोग में रहने की बात कह दावा को खारिज करने की बात कही। यह सब देखने के बाद 14.62 एकड़ में फैले ओकनी तालाब को लेकर यह बड़ा फैसला आया। जिसमें कार्ययोजना का भी जिक्र हुआ कि नाली का पानी तालाब में न गिरे, कचरा और गंदगी तालाब के मेढ़ पर जमा न हो, चारों ओर डस्टबीन की व्यवस्था हो, तालाब का फेंसिंग हो, जानवरों का प्रवेश बंद हो और पानी में मौजूद गंदगी और जलकुंभी हटाये। यह आदेश आते ही हजारीबाग पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के लोग तालाब पर बारिश में जमा हुए और खुशियां मनाई।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी, उप प्रभारी तथा प्रदेश अध्यक्ष आज आएंगे हजारीबाग

हजारीबाग : संगठन सृजन 2025 के तहत कार्मल स्कूल चौक स्थित पैराडाइज बैक्वेट हॉल में 11 जूलाई दिन शुक्रवार को पूर्वाह्न 11 बजे जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में हजारीबाग, रामगढ़, चतरा, कोड़रमा जिला के प्रखंड पर्यवेक्षक प्रखंड अध्यक्ष तथा मंडल अध्यक्षों का एक प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आयोजित प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के आमंत्रित सदस्य सह झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के. राजू अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव सह झारखंड प्रदेश कांग्रेस के उप प्रभारी श्रीबेला प्रसाद तथा झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के अतिरिक्त झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कई पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे ।

गोंदलपुरा कोल परियोजना को लेकर रैयतों और प्रशासन के बीच बैठक रही बेनतीजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : गोंदलपुरा,बादम एवं मोइत्रा कोल खनन परियोजना से संबंधित बड़कागांव थाना परिसर में गोंदलपुरा के भू रैयतों एवं जिला व प्रखंड प्रशासन के बीच हजारीबाग अनुमंडल पदाधिकारी बैद्यनाथ कमती की अध्यक्षता में बुधवार को एक बैठक किया गया। बैठक का शुरूआत करते हुए अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि गोंदलपुरा गांव में सरकारी योजनाओं का विकास के लिए जिला प्रशासन एवं प्रखंड प्रशासन बैठक कर रही है, जो भी आपकी समस्या है बैठक में रख सकते हैं। तत्पश्चात बैठक में गोंदलपुरा के भू रैयतों ने कहा कि यदि सरकार विकास योजना

संचालित करती है या सरकारी अधिकारी या कर्मचारी क्षेत्र में भ्रमण करेंगे तो हम ग्रामीण उन्हें सम्मान के साथ स्वागत करते हैं लेकिन यदि कंपनी से संबंधित कोई बात होगी तो न कोई बात होगी और यदि कोई भी कंपनी के अधिकारी कंपनी से संबंधित सरकारी अधिकारी या कर्मचारी भी क्षेत्र में घुसेंगे तो हम लोग उसका पीर पुरजोर विरोध भी करेंगे। क्यों कि बादम व गोंदलपुरा में 80 प्रतिशत उपजाऊ जमीन है। यहां तीन फसली फसल उत्पादन होता है। हाथियों का भी कॉरिडोर है। हमारे जंगल क्षेत्र में विभिन्न तरह के जंगली जानवर रहते हैं।इसलिए कोयला खदान यहां नहीं खोलने देंगे। अनाज का फैक्ट्री खोलने के लिए काम हो तो ठीक है। रैयतों ने यह भी कहा कि ढाई साल से जमीन नहीं देने को लेकर धरना दे रहे हैं। लेकिन आज तक प्रखंड से लेकर राज्य तक के कोई भी पदाधिकारी सुधी लेने नहीं आए हैं। क्षेत्र में सेक्शन 9 लगाकर हम लोग को जीते जी मार दिया जा रहा है। इसी प्रखंड में पकरी बरवाडीह कोल माइंस क्षेत्र में अपने रिश्तेदारों एवं विस्थापित ग्रामीणों की दुर्दशा देख कर रूह कांप जाती है। कोल कंपनियों से विकास नहीं ,बल्कि विनाश हो रही है।सरकारी विकास योजनाओं का हम लोग बाधक नहीं है लेकिन कंपनी की विषय में एक भी बात नहीं होगी।हम लोग किसी भी हालत में 1 इंच भी जमीन किसी भी कंपनी को नहीं देना चाहते हैं। भू रैयतों ने यह भी कहा कि गोंदलपुरा बादम प्राकृतिक एवं पर्यावरण व ऐतिहासिक धरोहर है। यहां की शुद्ध वातावरण के कारण कोरोना काल में एक भी कोरोना पॉजिटिव नहीं पाया गया था। आज ऐसा शुद्ध वातावरण वाला गांव में कोयला खदान कैसे खोलने दे।कोयला खदान खुलने से प्रदूषण फैल जाएगा। जल ,जंगल ,जमीन नहीं बचेगा। और जब जल,जंगल ,जमीन नहीं बचेगा तो, विकास कैसे होगी? जिस समय बड़ी-बड़ी उग्रवादी घटनाएं हुई थी ,उस समय हम लोगों ने पुलिस चौकी की मांग किए थे। उस समय पुलिस चौकी नहीं खुली और आज कंपनी के संरक्षण में थाना खुलवाने के लिए प्रशासन जी तोड़ मेहनत कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

डॉ. अशोक कुमार ने हजारीबाग के नए सिविल सर्जन के रूप में संभाला कार्यभार

हजारीबाग : हजारीबाग के स्वास्थ्य विभाग में एक अहम परिवर्तन हुआ, डॉ. अशोक कुमार ने नए सिविल सर्जन के रूप में पदभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर डॉ. राहुल कुमार सिंह ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने डॉ. अशोक कुमार का गर्मजोशी से स्वागत किया। सभी ने आशा जताई की उनके कुशल नेतृत्व में हजारीबाग जिला स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेगा। डॉ. अशोक कुमार ने पदभार ग्रहण करने के बाद कहा की वे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और जनोपयोगी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पताल तक की सुविधाओं को और बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता होगी। हजारीबागवासियों को उनसे नई ऊर्जा और कार्यसंस्कृति की उम्मीद है।

झारखंड की खनिज संपदा और वैकल्पिक ऊर्जा पर होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी

हजारीबाग : **विनोबा** भावे विश्वविद्यालय के भूगर्भ विज्ञान विभाग के तत्वाधान में वैकल्पिक ऊर्जा हेतु झारखंड की खनिज संपदा का अन्वेषणर विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 12-13 जुलाई को किया जाएगा। बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी देते हुए भूगर्भ शास्त्र विभाग के अध्यक्ष तथा विज्ञान संकायअध्यक्ष डॉ एच एन सिन्हा ने बताया कि यह आयोजन झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित है। आयोजन विज्ञान भवन के आर्यभट्ट सभागार में किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा संगोष्ठी का उद्घाटन करेंगे। डॉ सिन्हा ने बताया कि यह संगोष्ठी पूरी तरह से झारखंड में उपलब्ध नए दौर के खनिज पदार्थ एवं इसके अन्वेषण की संभावनाओं पर केंद्रित होगा। उन्होंने बताया कि जीवाश्म ईंधन की सीमाओं तथा ग्लोबल वार्मिंग के परिणाम स्वरूप अब विश्व स्तर पर वैकल्पिक ऊर्जा का खोज जोर-शोर से प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने बताया की आने वाला दौड़ मुख्य रूप से लिथियम पदार्थ तथा 17 रेयर अर्थ मटेरियल का होने वाला है। झारखंड की भौगोलिक-रासायनिक पर्यावरण पर किए गए अध्ययन प्रतिवेदनों से जानकारी मिली है कि झारखंड में लिथियम तथा कई महत्वपूर्ण रेयर अर्थ मटेरियल अच्छी मात्रा में उपलब्ध है। अब सवाल है की इन पदार्थों का खनन आर्थिक रूप से लाभप्रद कैसे बनाया जाए। उन्होंने बताया कि झारखंड के इसी विषय को लेकर काम कर रहे विभिन्न क्षेत्र के 11 विशेषज्ञों को इस दो दिवसीय सेमिनार में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। डॉ एच एन सिन्हा, जो इस दो दिवसीय संगोष्ठी के आयोजन सचिव भी है, ने बताया कि आईआईटी आईएसएम, तथा सिएसआइआर-सिंपफर धनबाद, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी देहरादून, बीरबल सैनी इंस्टीट्यूट लखनऊ, पांडिचेरी विश्वविद्यालय पुडुचेरी, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय गयाजी, पटना विश्वविद्यालय पटना के विशेषगों के अलावे झारखंड सरकार के माइंस एवं जियोलॉजी विभाग के निदेशक, अतिरिक्त निर्देशक तथा सहायक निदेशक को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। आयोजन सचिव ने बताया कि दो दिवसीय संगोष्ठी को चार तकनीकी सत्र मे आयोजित किए जाएंगे। कुल 100 विद्यार्थी प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण कराया है।

हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ की वार्षिक आम सभा संपन्न, मनीष जायसवाल चौथी बार बने अध्यक्ष

हजारीबाग : बुधवार के देर शाम को हजारीबाग शहर के हुडहुडू स्थित होटल निमंत्रण पैलेस सभागार में हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ (एचडीसीए) की वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से कई अहम निर्णय लिए गए और नई कार्यकारिणी का चुनाव भी संपन्न हुआ। सांसद मनीष जायसवाल लगातार चौथी बार एचडीसीए के अध्यक्ष चुने गए, वहीं राजेश तिवारी उर्फ.बंटी को दूसरी बार सचिव के रूप में चुना गया। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (एचडीसीए) की तर्ज पर अब एडीसीए का कार्यकाल भी 3 साल का होगा, यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। नई कार्यकारिणी में प्रमोद कुमार को वर्किंग प्रेसिडेंट, विकास चौधरी, आशीष चौधरी, मनोहर सिंह और करण जायसवाल को वाइस प्रेसिडेंट, रणजीत सिंह एवं सिद्धार्थ सिंह को जॉइंट सेक्रेटरी, प्रवीण कुमार को असिस्टेंट सेक्रेटरी और अनिल अग्रवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया है। इस एजीएम में हजारीबाग में क्रिकेट की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने और क्रिकेटरों के विकास के लिए बेहतर कार्य करने हेतु विशेष विचार-विमर्श किया गया और कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। मौके पर एचडीसीए के नए अध्यक्ष सह सांसद मनीष जायसवाल ने एजीएम को संबोधित करते हुए कहा कि हमने क्रिकेट के क्षेत्र में खिलाड़ियों को आधारभूत संरचना और सुविधा उपलब्ध कराने में बहुत हद तक सफलता पाई है लेकिन हमें ऐसे माहौल स्थापित करने हैं जिससे आने वाले समय में हजारीबाग के क्रिकेटर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निखर कर आए। इस दिशा में हमारा प्रयास निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने यह भी घोषणा किया कि आने वाले एजीएम के बैठक में हम इस नई कमेटी से ग्राउंड से जुड़े लोगों का और उनके कार्यों का आकलन करेंगे तत्पश्चात उन्हें संघ के अहम जिम्मेदारी सौंपेंगे ताकि भावी पीढ़ी संघ को आगे ले जा सके और संघ के उद्देश्यों के पूर्ति में अपनी सहभागिता निभा सके।

महिला नेतृत्व को मिलेगा नया आयाम हजारीबाग में शुरू हुआ पंचायत नेत्री प्रशिक्षण

हजारीबाग : प्रमण्डलीय पंचायत प्रशिक्षण संस्थान, जबरा, हजारीबाग में सशक्त पंचायत नेत्री अभियान विषय पर उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल के निर्वाचित महिला मुखियाओं का तीन दिवसीय आवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ उपविकास आयुक्त हजारीबाग इस्तियाक अहमद एवं जिला पचांयत राज पदाधिकारी रजत अनूप कच्छप द्वारा सामुहिक रूप से दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस अवसर पर आज पहले दिन सौ महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उदेश्य पंचायत स्तर पर महिला जन प्रतिनिधियों की क्षमताओं का और अधिक विकास करना एवं सशक्त बनाना ताकि महिलाएँ अपनी नेतृत्व निर्णय लेने की क्षमता और जमीनी स्तर पर क्षेत्रिय शासन के कार्य में और अधिक बेहतर बनाने में योगदान दें सकें। बतौर मुख्य अतिथि उप-विकास आयुक्त ने महिला मुखियाओं का उत्साहवर्द्धन करते हुए स्वयं से निर्णय लेने हेतु प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित किए एवं प्रशिक्षण लेकर हजारीबाग जिला को पुरे राज्य एवं देश के पटल पर अग्रणी जिला के रूप में ले कर आगे आने हेतु उत्साहित किये।

एक नजर

रांची में कैंसर समिट कल

रांची : कैंसर रिसर्च एंड स्टैटिस्टिक फाउंडेशन की ओर से आगामी 12 जुलाई को होटल रेडिशन ब्लू में कैंसर समिट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। समिट में मुख्य रूप से बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी मौजूद रहेंगे। यह जानकारी आयोजन समिति के प्रमुख आंकोलाजिस्ट डॉ सतीश शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि समिट में अमेरिका की डॉ वर्षा गुप्ता, डॉ अरुण शाही, डॉ अरूज ध्यानी, डॉ आदित्य श्रीनिवास एवं डॉ मो. नशीर जैसे अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ एवं राष्ट्रीय स्तर से डॉ सेवंती लिमये, डॉ कुमार प्रभाष के अलावे 50 के करीब चिकित्सकों की भागीदारी होगी। जो कैंसर चिकित्सा के क्षेत्र में अपनाई जा रही तकनीक पर चर्चा करेंगे।

काठमांडू में होने वाले कांन्फ्रेंस में व्याख्यान देंगे डॉ लंबोदर महतो

रांची : डोटिम (दलित, ओबीसी, थारू, स्वदेशी अल्संख्यक) का अंतरराष्ट्रीय कांन्फ्रेंस 12 जुलाई को नेपाल की राजधानी काठमांडू के अमृत भोग पार्टी पैलेस में आयोजित किया गया है। इस कांन्फ्रेंस में व्याख्यान देने पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो को विशेष अतिथि के रूम में आमंत्रित किया गया है। यह जानकारी डोटिम के प्रमुख सलाहकार डॉ पीके ठाकुर ने गुरुवार को दी है।

केंद्र और राज्य के बीच संवाद का मंच है पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक : नायक

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कहा है कि रांची में हो रही पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक झारखंड के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। नायक ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि यह न केवल केंद्र और राज्य के बीच संवाद का मंच है, बल्कि झारखंड को अपनी अनूठी संभावनाओं और चुनौतियों को राष्ट्रीय पटल पर रखने का मौका भी है। इस बार, झारखंड को पारंपरिक मांगों जैसे बकाया राशि या संपत्ति बंटवारे से आगे बढ़कर उन अनछुए पहलुओं को उठाना चाहिए जो न केवल राज्य की सरकार के दिमाग से परे हैं, बल्कि दीर्घकालिक और समावेशी विकास का खाका भी खींचते हैं। ये पहल आदिवासी गौरव, पर्यावरण संरक्षण और युवा सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर झारखंड को एक नई पहचान दे सकते हैं।

डोरंडा में बटम तालाब की मेढ़ टूटी मोहल्ले में घुसा पानी

रांची : डोरंडा स्थित बटम तालाब की मेढ़ गुरुवार को अचानक ध्वस्त हो गई, जिससे बगल के मोहल्ले में भारी मात्रा में पानी भर गया। इस घटना के कारण वहां की सड़क भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। कई घरों में पानी घुस गया, जिससे लोगों के जरूरी सामान खराब हो गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रदेश कांग्रेस महासचिव और जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाह देव मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनका हाल जाना और उन्हें तुरंत राहत सामग्री उपलब्ध कराई। शाह देव ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से बात कर समस्या का शीघ्र समाधान करने और क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए ठोस और एहतियाती कदम उठाए जाएं। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

सावन के लिए पहाड़ी मंदिर सज-धज कर तैयार, उमड़ेगी भक्तों की भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पहाड़ी मंदिर में गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। सुबह से लेकर शाम तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर में उमड़ पड़ी। भक्तों ने मां काली, महाकाल और विश्वनाथ सहित पांचों मंदिरों में फूल-माला, अगरबत्ती, इलायची और बादाम के प्रसाद अर्पित किए।वहीं पहाड़ी मंदिर में स्थापित शिवलिंग और शेषनाग के ऊपर श्रद्धालुओं ने अरघा से जल अर्पित किया और फूल-माला चढ़ाकर पूजा-अर्चना की।

आज से सावन माह की शुरूआत के साथ ही पहाड़ी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। चारों ओर "हर हर महादेव" की गूंज सुनाई देगी। जहां-जहां शिव मंदिर हैं, वहां श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ेगा। पहाड़ी मंदिर में स्थापित शिवलिंग पर अरघा से जल अर्पित करने की विशेष व्यवस्था की गई है। मंदिर तक पहुंचने के लिए मुख्य द्वार के दाईं ओर नया प्रवेश मार्ग बनाया गया है। मंदिर के द्वार को फूल-मालाओं से भव्य रूप से सजाया गया है। बाबा भोलेनाथ के गर्भगृह तक जाने वाले पूजा स्थल को विभिन्न प्रकार के फूलों से सजाया गया है।

पहाड़ी मंदिर विकास समिति द्वारा मंदिर परिसर को नया स्वरूप दिया गया है। प्रवेश द्वार से लेकर मुख्य मंदिर तक कई संरचनात्मक सुधार किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चढ़ाई और उतराई के लिए अलग-अलग रास्तों का प्रबंध किया गया है।सावन के दृष्टिकोण से भीड़ नियंत्रण के लिए हरमू रोड और रातू रोड की ओर से आने वाले भक्तों के लिए दो स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाई गई है। इन रास्तों से श्रद्धालु पैदल मार्च करते हुए मंदिर परिसर में प्रवेश करेंगे।

सावन माह की शुरूआत के साथ ही शिवभक्तों में उत्साह और भक्ति की अलग ही छवि देखने को मिलेगी। श्रद्धालु सात्विक भोजन ग्रहण करेंगे और भगवा वस्त्र धारण कर माथे पर तिलक लगाए नजर आएंगे।

श्याम मंदिर में मनाया गया गुरु पूर्णिमा उत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में गुरुवार को गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। प्रातः 5:00 बजे मंदिर के पट खोले गए एवं 5:30 बजे की मंगला आरती की गई। इसके बाद मंदिर के पर्दे लगा करके नवीन पोशाक एवं विशेष श्रृंगार एवं गुरु जी का विशेष श्रृंगार किया गया। कोलकाता से मंगाए गए लाल गुलाब रजनीगंधा तुलसीदाल से सभी देवी देवताओं को सजाया गया। मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, मंत्री श्याम सुंदर शर्मा, पूर्व अध्यक्ष गोपाल मुरारका, डॉ खुशबू गर्ग, कौशल चौधरी, श्याम सुंदर जोशी, मंदिर के आचार्य एवं नियमित दर्शन करने वाले श्याम भक्तों ने गुरु जी महाराज के भजन गाकर गुरु पूजन प्रारंभ किया।

39 वां श्री शालीग्राम पूजन श्रीसत्यनारायण कथा का पूजन अनुष्ठान सुनील चौधरी - धर्मपत्नी अनीता चौधरी, संकेत चौधरी, अंकित सिंह, खुशी अग्रवाल,सुश्री निधी यादव, हर्ष मिश्रा, तुषार कुमार, ऋषभ कुमार, शिखा कुमारी, शिल्पी कुमारी, बुलबुल सिंह, ईशा बर्नवाल ने किया।

बाल कांवड़ यात्रा 27 जुलाई को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : श्री शिव बारात आयोजन महासमिति की ओर से बाल कांवड़ यात्रा 27 जुलाई को निकाली जाएगी। श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर के अध्यक्ष राजेश साहू के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री शिव बारात आयोजन महा समिति पहाड़ी मंदिर भव्य और विशाल बाल कांवर यात्रा 27 जुलाई को नक्षत्र वन, राज्यभवन के समीप से रातू रोड होते हुए पहाड़ी मंदिर में महाकाल बाबा पर जलाभिषेक करेंगे।

सभी छोटे-छोटे बच्चे गेरुआ वस्त्र धारण किये पैदल जल लेकर पहाड़ी मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। जलाभिषेक करने वाले बच्चों की उम्र 5 से 12 वर्ष के बीच होगी। इस साल कई जीवंत झांकियो का स्वरूप, ढोल नगाड़ा, डीजे ताशा के साथ बाल शिव रथ पर सवार होकर चलेंगे। महासमिति के अध्यक्ष राजेश कुमार साहू ने कहा कि इस साल का आयोजन बहुत ही विशेष और भव्य होगा।

प्रवक्ता बादल सिंह ने गुरुवार को कहा कि बाल कांवर यात्रा आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य सभी बच्चों को सनातनी धर्म के बारे में जानकारी मिले। साथ ही धर्म की मार्ग पर चलने का प्रण दे सके और पूरे शहर वासियों से अपील किया कि आप सभी लोग अपने बच्चों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल करें।

बैठक में मुख्य रूप से अध्यक्ष राजेश साहू, प्रवक्ता बादल सिंह, मीरा गुप्ता, मुरारी मंगल, राजीव वर्मा, पुजारी कबीर बाबा, मनोज मिश्रा सहित अन्य मौजूद थे।

संविधान देश की आत्मा, इसके साथ छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं : बंधु तिर्की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : संविधान देश की आत्म है और इसके साथ छेड़छाड़ या कमजोर करने की कोशिश लोकतंत्र को कमजोर करने जैसा होगा। ये बातें गुरुवार को रांची के लापुंग में दलित जागो-संविधान बचाओ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कही। दलित जागो-संविधान बचाओ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लापुंग प्रखंड के दलित समाज के लोग शामिल हुए।

इस मौके पर दलित समाज के लोगों ने संविधान बचाने का संकल्प लिया। बंधु ने कहा कि केंद्र में बैठी भाजपा सरकार और आरएसएस संविधान को कमजोर करने का षडयंत्र रच रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को इस राजनीतिक षडयंत्र को समझने की जरूरत है। खास कर दलित समाज को आगे बढ़ कर बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर के संविधान के तहत दी गई शक्तियों को बचाने के लिए संघर्ष के मैदान में उतरना होगा। अगर देश में संविधान नहीं बचेगा तो पड़हा व्यवस्था से लेकर ग्राम सभा का अधिकार भी छिन जाएगा। संविधान के तहत ही देश के हर एक नागरिक को बोलने, खाने, पहनने की तक आजादी है। लेकिन भाजपा और आरएसएस के लोग अपने औद्योगिक मित्रों को फायदा पहुंचाने के लिए संविधान को बदलने और कमजोर करने में लगी है। आज ऐसे लोगों को अपने गांव - अपने समाज में पहचानने और उनका विरोध करने की जरूरत है।

कार्यक्रम में कृष्णा नायक, बंधु नायक, खीदू नायक, आशा देवी, शोभा कुमारी, महात्मा राम, प्रकाश राम सुमन देवी, लखु नायक सहित अन्य मौजूद थे।

शिक्षा के साथ संस्कार भी देते हैं गुरु : प्राचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल, पुंदाग में गुरुवार को धूमधाम से गुरु पूर्णिमा समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल के प्राचार्य डॉ तापस घोष, मुख्य अतिथि शशि प्रकाश झा, भारतीय प्रशासनिक सेवा, अभियान निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, विशिष्ट अतिथि विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी,रांची शाखा के सम्मानित पदाधिकारी जयंत कुमार झा, विकास कुमार सिन्हा, चिराग परमार ने किया।

इसके बाद प्राचार्य ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय के बच्चों ने गुरु वंदना (भजन) प्रस्तुत करके सबका मन मोह लिया। कक्षा अष्टम और 11 वीं की छात्राओं ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत करके शमा बांध दिया। कक्षा अष्टम के विद्यार्थियों ने गुरु - शिष्य परंपरा पर हृदय स्पर्शी लघु नाटिका प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कक्षा नवम से 12 वीं तक के विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शशि प्रकाश झा ने गुरु पूर्णिमा के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु का काम केवल शिक्षा देना ही नहीं है,बल्कि वे तो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देते हैं। वे विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार भी देते हैं। प्राचार्य ने कहा कि भारत में गुरु - शिष्य परंपरा अत्यंत प्राचीन है।

रघुवर दास ने गुरु पूर्णिमा पर पहानों को किया सम्मानित, कहा- स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने रांची में आयोजित एक समारोह में पहानों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा, प्राचीन काल से ही गुरु हमारे जीवन को दिशा देते आए हैं। माता-पिता, शिक्षक और धर्मगुरु हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव डालते हैं। आज के दिन आदिवासी समाज के पहान, मानकी-मुंडा, मांझी-परगनेत जैसे लोग जो प्रकृति और संस्कृति के रक्षक हैं, उन्हें सम्मानित कर मैं स्वयं को सम्मानित अनुभव कर रहा हूं। झारखंड का आदिवासी समाज प्रकृति पूजक है, जो अपनी संस्कृति और पर्यावरण की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष कर रहा है।

वे झारखंड आदिवासी सरना विकास समिति, धुर्वा द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे कहा, पिछले 4-5 वर्षों में प्राकृतिक संसाधनों और संस्कृति पर चौतरफा हमला हो रहा है। कोयला, बालू और पत्थर की जमकर लूट मची है। स्थिति यह है कि घर बनाने के लिए आदिवासियों को भी बालू नहीं मिल पा रहा। जबकि प्रकृति ने झारखंड को भरपूर संपदा दी है। लेकिन इन संसाधनों का स्थानीय विकास के लिए उपयोग नहीं हो रहा, बल्कि सिंडिकेट के माध्यम से इन्हें लूटा जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी धर्मों के प्रभाव में हमारी संस्कृति पर भी सीधा हमला हो रहा है। राज्य में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण हो रहा है। संथाल परगना जैसे क्षेत्रों में एसपीटी जैसे सख्त कानूनों के बावजूद अवैध घुसपैठिए लव जिहाद और भूमि जिहाद को अंजाम दे रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य सरकार चुप बैठी है।

रघुवर दास ने यह भी कहा कि पढ़े-लिखे समाज को आगे आकर आदिवासी संस्कृति की रक्षा करनी होगी। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि झारखंड सरकार विदेशी धार्मिक दबाव में पेसा कानून को लागू नहीं कर रही। अगर यह कानून लागू हो गया, तो ग्राम प्रधानों का चुनाव पारंपरिक रीति से होगा, ग्राम समितियों को बालू घाट, तालाब, वनोपज जैसे संसाधनों पर नियंत्रण मिलेगा। इससे न केवल ग्राम सभा की आमदनी बढ़ेगी, बल्कि लूट पर भी रोक लगेगी। पेसा लागू होने से गांवों को 15वें वित्त आयोग से मिलनेवाले 1400 करोड़ रुपये का लाभ भी मिलेगा और जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर पहान कंचन होरो, पहनाई परनो होरो, पहनाई सुमनी, पहान अभय, तीतराम उरांव, मेघा उरांव, बलराम सिंह, उमेश यादव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

गृह मंत्री अमित शाह से बाबूलाल मरांडी और चम्पाई सोरेन ने की मुलाकात

रांची : रांची में आयोजित 27वीं पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता हेतु आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने मुलाकात की। इस दौरान झारखंड भाजपा के प्रदेश महामंत्री कर्मवीर सिंह भी उपस्थित थे। बता दें कि 9 जुलाई की रात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रांची पहुंचे थे। अगले दिन, 10 जुलाई को उन्होंने 27वीं पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक रेडिसन ब्लू होटल, रांची में आयोजित की गई थी। बैठक में झारखंड के मुख्यमंत्री हेम्न्त सोरेन, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मंत्री दीपक बिरुआ, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, उपमुख्यमंत्री पार्वती परिदा, मंत्री मुकेश महालिंग, पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य, और बिहार के दो डिप्टी सीएम विजय चौधरी और सम्राट चौधरी भी उपस्थित थे।

आपदा कार्यों में कोताही नहीं होगी बर्दाश्त : मंत्री

रांची : बीते कई दिनों से लगातार हो रही बारिश को लेकर मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने गुरूवार को आपदा प्रबंधन विभाग की आपात बैठक बुलायी। मौके पर मंत्री ने सभी अधिकारी पदाधिकारियों से कहा कि कई जगह बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। आपदा के राहत कार्य करने में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राहत कार्यों में पदाधिकारी अपने विवेक का इस्तेमाल कर तत्काल लोगों को राहत पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में विगत कई दिनों से लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। भारी बारिश के चलते अनेक क्षेत्रों में जलजमाव, आवागमन में बाधा, मकानों और फसलों को नुकसान जैसी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। यह स्थिति राज्य के नागरिकों के लिए गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। इसलिए कार्यों को गति देने की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि इस आपदा की घड़ी में राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क, संवेदनशील और प्रतिबद्ध है। बारिश से हो रही क्षति को देखते हुए राज्यवासियों को हुए नुकसान की भरपाई पहुंचाई जाए। उन्होंने जनता से अफवाहों से बचने और सतर्क रहने की अपील की। साथ ही कई दिशा-निर्देश दिया।

एसएस मेमोरियल कॉलेज में पर्यावरण सुरक्षा की दिलाई गई शपथ

रांची : गुरु पूर्णिमा के अवसर पर एसएस मेमोरियल कॉलेज, कांके रोड में पर्यावरण जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नगर निगम के बैनर तले, रिलेशंस और एनएसएस इकाई के संयुक्त प्रयास से गुरूवार को किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम की ओर से विद्यार्थियों के बीच 100 से अधिक फलदार पौधों का वितरण किया गया और पर्यावरण सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता और सतत विकास के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर रांची नगर निगम के उप प्रशासक गौतम कुमार साहू ने विद्यार्थियों से एक-एक पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ उसे बड़ा होने तक पौधा कैसे संरक्षित करें। इसपर खास ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण अब सिर्फ एक विषय नहीं, बल्कि यह जीवनशैली बननी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं, उनके समाधान और दैनिक जीवन में पर्यावरणीय दृष्टिकोण अपनाने के उपायों पर जागरूक किया गया। छात्र छात्राओं और शिक्षकों के बीच हर तरह के पौधों का वितरण हुआ। विद्यार्थियों ने न सिर्फ पौधारोपण किया, बल्कि पर्यावरण सुरक्षा की शपथ भी ली। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बीपी वर्मा ने की। जबकि इस अवसर पर सहायक अभियंता सौरभ केशरी, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, चटकपुर पंचायत की उप मुखिया नमिता देवी, समाजसेवी शुभम चौधरी, अतीन्द्र नाथ वैध, पिया बर्मन और नगर निगम हॉर्टीकल्चर सेल के सुपरवाइजर राजकुमार, डॉ रानी प्रगति, सुधाकर यादव, मनीष मुंडा, डॉ अनुपमा, डॉ सीमा सुरीन, डॉ कन्हैया लाल, डॉ रंजीत, डॉ सुभाष साहू, डॉ संगीता, डॉ लक्ष्मी कुमारी, रौशन कुमार सहित कई शिक्षक शिक्षिकाएं और छात्र मौजूद थे।

जीईएल चर्च ने मनाया 106वां ऑटोनोमी दिवस बच्चों के लिए खेल प्रतियोगिता का किया आयोजन

रांची : गोस्नर मिडिल स्कूल ग्राउंड में बुधवार को जीईएल चर्च का 106वां ऑटोनोमी दिवस मनाई गई। इस अवसर पर विशेष प्रार्थना का आयोजन किया गया। बच्चों के बीच खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें अलग-अलग आयु वर्ग के बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम की उद्घाटन कैंडल जलाकर और वृक्षारोपन कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राइट रेव्ह मॉडरेटर मार्शल केरकेट्टा ने कहा कि 10 जुलाई 1919 को जब जर्मन मिशनरी भारत को छोड़कर चले गए, तब चर्च चलाने की समस्या उत्पन्न हुई। उस दौरान चर्च का अगुवाई करने वालों ने चर्च चलाने का निश्चय किया। इस प्रकार चर्च चलाने के लिए स्वशासन घोषित किया कार्यक्रम में स्वागत गीत बेथेसदा बालिका पीटीई कॉलेज के छात्रों ने किया। रेव्ह जॉर्ज केरकेट्टा ने कार्यक्रम की शुरूआत किया। एलिक्स एक्का ने बाईबल रिडिंग किया। स्वागत भाषण रेव्ह बिशप एसएस तिर्की ने किया। 100 मीटर की दौड़ और चम्मच रेस खेल प्रतियोगिता ने लोगों को रोमांचित किया। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिता में विजेता बने बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर चर्च के पदाधिकारियों, शिक्षक, अभिभावकों और सैकड़ों बच्चे उपस्थित थे।

एक नजर

उपायुक्त ऋतुराज ने अभिलेखागार का किया निरीक्षण

कोडरमा : जिला उपायुक्त ऋतुराज ने अभिलेखागार का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने अभिलेखों के संरक्षण, रख-रखाव तथा डिजिटलीकरण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अभिलेखों की व्यवस्थापन प्रक्रिया को ध्यानपूर्वक देखा तथा संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अभिलेखों को सुव्यवस्थित ढंग से वर्गीकृत कर सुरक्षित रखा जाए, ताकि भविष्य में किसी भी जानकारी को शीघ्रतापूर्वक प्राप्त किया जा सके। इस अवसर पर अभिलेखागार प्रभारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पथलडीहा पंचायत में ग्रामीणों को मिली वित्तीय साक्षरता की सौगात

कोडरमा : अग्रणी जिला प्रबंधक, कोडरमा विमलकांत झा के मार्गदर्शन पर पथलडीहा पंचायत में ग्रामीणों को मिली वित्तीय सुरक्षा की जानकारी कोडरमा पथलडीहा पंचायत में बैंक ऑफ इंडिया, पथलडीह शाखा के सहयोग से एकदिवसीय वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन किया गया। एलडीएम विमलकांत झा के मार्गदर्शन में ग्रामीणों को प्रधानमंत्री जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना जैसी लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शाखा प्रबंधक कुमारी आर्या एवं सहायक प्रबंधक कुमार राहुल ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों का मौके पर पंजीकरण कर योजनाओं से जोड़ा। मुखिया बैजनती देवी एवं पंचायत समिति सदस्य रामी देवी की उपस्थिति में ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

नव सृजन पत्रिका संकल्प यात्रा की पाथेय : कल्याणी

बोकारो : नव सृजन पत्रिका गागर में सागर समाहित कर समाज को समाज से जोडने में महत्वपूर्ण कडी होगी। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि यह पत्रिका संकल्प सृजन के संकल्प यात्रा की पाथेय साबित होगी। उक्त बातें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कल्याणी गुप्ता ने क्रिसेंट पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 के विवेकानंद सभागार में आयोजित संकल्प सृजन की वार्षिक पत्रिका नव सृजन के प्रथम प्रकाशन के लोकार्पण समारोह के आयोजन में कहे। सर्वप्रथम अतिथियो का स्वागत तिलक एवं पुष्प भेंट से किया गया। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा सामुहिक रूप से दीप प्रज्वलन एवं भारत माता स्वरूप छाया चित्र के चरणों में पुष्पार्चन कर आयोजन का शूभारंभ किया गया। महासचिव सह पत्रिका की प्रबंध संपादक डॉ० साध्वी झा ने संस्थागत कार्य परिचय देने के साथ ही संस्था की वार्षिक पत्रिका नव सृजन के उद्देश्य को सार्वजनिक करते हुए सामाजिक कार्य का सहायक सामग्री कहा। मुख्य संपादक संदीप तिवारी जी ने सारगर्भित पत्रिका एवं विशेष रूप से संकल्प यात्रा के पाँच वर्ष विशेषांक पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2019 में निबंधित संकल्प सृजन नवोदित होते ही कोरोना काल से ही समाज के सहयोग से समाज का सहयोग करते हुए सेवा, सुरक्षा व परिवर्तन जैसे उद्देशीय शब्दों को सार्थक करता हुआ झारखंड में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। संस्था द्वारा समाज में किए जा रहे परिवर्तन के प्रयासों को लिपिबद्ध कर प्रबुद्धजनों तक पहूँचाना ही अपना लक्ष्य है। शुभकाना व आशीर्वाचक के रूप में मुख्य वक्ता राजेंद्र कुमार ने कहा कि 24 पृष्ठों की यह सारगर्भित पत्रिका संस्था द्वारा किए जा रहे क्रिया कलापों के साथ ही समसामयिक विषयों को भी स्वयं में समेटे हुए है।

बोकारो में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त
गरगा डैम के तीन फाटक खोले, बाढ़ का खतरा बढ़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो में बीते कई दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश ने शहर से लेकर गांव तक जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है। बारिश के कारण जिले की प्रमुख नदियाँ–दामोदर, कोनार और गरगा–पूरा उफान पर हैं, जिससे आसपास के इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बोकारो स्टील प्लांट के अधीन गरगा डैम के तीन फाटक खोल दिए गए हैं। इससे गरगा नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है और

नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। डैम के पास लोगों की भीड़ भी जुट रही है, जो फाटक से पानी छोड़े जाने का दृश्य देखने आ रहे हैं। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। गरगा नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि के चलते नदी किनारे रहने वाले कई लोगों के मवेशी डूब गए, हालांकि स्थानीय लोगों ने मशक्कत कर कुछ मवेशियों को बचा लिया। वहीं, चास इलाके में तेज बहाव के कारण बिजली के खंभे और ट्रांसफार्मर भी डूब गए, जिससे कई क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति काट दी गई है। बिजली गुल होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण बोकारो शहर के कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई है। सिटी सेंटर, सेक्टर 4, बारी कॉ-ऑपरेटिव, सीजेड गेट सहित कई स्थानों पर पानी भर गया है, जिससे यातायात और बाजार प्रभावित हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना है। प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना पूर्व सूचना के गरगा डैम के फाटक खोल दिए गए, जिससे नुकसान हुआ। उनका कहना है कि यदि बारिश ऐसे ही जारी रही, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

बोकारो के तीन इंस्पेक्टर बने डीएसपी सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो पुलिस विभाग के लिए गुरुवार का दिन गौरवपूर्ण रहा, जब जिले के तीन इंस्पेक्टर लेवल के अधिकारियों का प्रोन्नति कर उन्हें डीएसपी (डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस) बनाया गया। इस उपलक्ष्य में बोकारो एसपी कार्यालय में एक भव्य 'पिनिंग सेरेमनी' का आयोजन किया गया, जिसमें नव-प्रोन्नत अधिकारियों को बैच लगाकर सम्मानित किया गया। इस समारोह में बोकारो के एसपी हरविंदर सिंह, चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह समेत कई अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। एसपी हरविंदर सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा, ₹यह बोकारो पुलिस के लिए गर्व की बात है कि हमारे तीन इंस्पेक्टर अब डीएसपी बने हैं। मुझे उम्मीद है कि वे आगे भी अपने कर्तव्यों का बेहतर निर्वहन करेंगे और जिले का नाम रोशन करेंगे। एसपी ने आगे बताया कि कुछ अन्य पुलिस अधिकारियों को भी बैच लगाया गया है, और इसी उपलक्ष्य में यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उन्होंने सभी नव-प्रोन्नत अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम है।

चांपी पुल की जर्जर स्थिति बनी खतरा ग्रामीणों ने की शीघ्र मरम्मत की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गोमिया प्रखंड के चांपी गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाला चांपी पुल इन दिनों अपनी जर्जर हालत के कारण ग्रामीणों के लिए खतरे की घंटी बन गया है। पुल की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि रोजाना स्कूली बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और मरीज जान जोखिम में डालकर इस पर से गुजरने को मजबूर हैं। ग्रामीणों के अनुसार, बरसात के मौसम में पुल की हालत और भी खतरनाक हो जाती है। फिसलन और पुल के टूटे हिस्सों के कारण गिरने का खतरा हमेशा बना रहता है। कई बार लोग चोटिल भी हो चुके हैं, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। ग्रामीणों ने बताया कि पुल की मरम्मत को

लेकर कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी गई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। अब तक न तो पुल की मरम्मत कराई गई और न ही नया पुल बनाने की कोई पहल हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही पुल की मरम्मत या पुनर्निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया, तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस पुल की मरम्मत कराई जाए या नया पुल बनाया जाए, ताकि सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से अपील की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए चांपी पुल की मरम्मत या पुनर्निर्माण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाए।

तिलैया डैम बनेगा पर्यटन का केंद्र कोडरमा प्रशासन की बड़ी पहल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : तिलैया डैम उरांव क्षेत्र को पर्यटन के क्षेत्र में विकसित करने की दिशा में गुरुवार को उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नाविक समिति, झारखंड पर्यटन विकास निगम के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं विधायक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने बताया कि तिलैया डैम, उरांव में उपलब्ध परिसंपत्तियों, नौका संचालन एवं जलक्रीड़ा गतिविधियों के सफल एवं व्यवस्थित संचालन हेतु समिति का गठन किया जाएगा। साथ ही, नावों के रखरखाव के लिए बोट शेड निर्माण हेतु स्थल का चयन किया गया तथा पर्यटन सुविधा बढ़ाने के लिए कियोस्क स्थापित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। पर्यटन को बढ़ावा देने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इनमें एडवेंचर स्पोर्ट्स, इको टूरिज्म, रूरल होम स्टे आदि के लिए प्रशिक्षण शामिल हैं, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हों। इसके अतिरिक्त, एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए स्थल चयन और रूरल टूरिज्म के अंतर्गत पर्यटकों को ठहरने व स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेने जैसी सुविधाओं के विकास पर भी चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि तिलैया डैम क्षेत्र में पार्क का विस्तार, गांवों में सोलर प्लांट लगाने, साफ-सफाई एवं शौचालय के निर्माण जैसे कार्यों को भी प्राथमिकता दी जाएगी। रूरल टूरिज्म के माध्यम से स्थानीय कला, संस्कृति और व्यंजनों को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यटन विकास से जुड़े सभी कार्य जिला प्रशासन कोडरमा के निर्देशानुसार एवं नियमानुसार गठित समितियों के माध्यम से संचालित किए जाएंगे, ताकि क्षेत्र का समग्र और सुनियोजित विकास हो सके। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम, प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचलाधिकारी चंदवारा तथा कई स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

चिरा चास में नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो अभियुक्त नामजद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चिरा चास थाना क्षेत्र के नन्दुआ स्थान में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली विदेशी शराब की फैक्ट्री का पदार्फाश किया है। यह खुलासा उस वक्त हुआ जब पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि पिंटू कुमार के मकान में गोपाल सिंह नामक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से नकली शराब का निर्माण और बिक्री की जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद वरीय अधिकारियों के निर्देशानुसार एक विशेष टीम का गठन कर मौके पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में नकली शराब, निर्माण सामग्री, विदेशी ब्रांड के स्टीकर, ढक्कन, कार्टून, स्प्रिट और अन्य उपकरण बरामद किए गए। बरामद बोतलों पर स्टर्लिंग रिजर्व, रॉयल स्टैग, ब्लैक टाइगर, 7ढट, आइकॉनिक और सिग्नेचर जैसे लोकप्रिय ब्रांड्स के नकली स्टीकर और पैकिंग सामग्री पाई गई। आरोपियों द्वारा इन ब्रांड्स की हूबहू नकल कर नकली शराब तैयार की जाती थी, जिसे बाजार में असली शराब के दामों पर बेचा जाता था। पुलिस ने गोपाल सिंह और पिंटू कुमार को इस मामले में नामजद अभियुक्त बनाया है और उनके खिलाफ चिरा चास थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गोपाल सिंह पूर्व में भी इसी प्रकार के अवैध कारोबार में लिप्त रहा है। पुलिस इस पूरे नेटवर्क के पीछे अन्य संभावित सहयोगियों की तलाश कर रही है और मामला अब विस्तार से जांच के अधीन है। इस कार्रवाई को स्थानीय प्रशासन ने एक बड़ी सफलता करार दिया है।

ग्रिजली पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा धूमधाम से मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : ग्रिजली पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। महर्षि वेदव्यास जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में प्रधानाचार्या, संयोजक-संयोजिका, शिक्षकगण और बच्चों ने महर्षि वेदव्यास के छायाचित्र पर फूल अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी। विद्यालय के इस आयोजन से छात्रों में महर्षि वेदव्यास के प्रति सम्मान और आदर की भावना बढ़ी, और उन्हें उनके आदर्शों और मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रकार के आयोजनों से छात्रों को हमारी सांस्कृतिक विरासत और महान व्यक्तित्वों के बारे में जानने का अवसर मिलता है। गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें छात्रों ने अपने

गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए बच्चों के द्वारा विशेष समारोह आयोजित किया गया। अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान और आदर की भावना प्रदर्शित की, जो कि एक आदर्श छात्र के गुणों में से एक है। कक्षा आठवीं के आरव हिसारिया ने वेदव्यास की जीवनी पर भाषण दिया और अपने भाषण में वेदव्यास के जीवन और उनके योगदान को विस्तार से बताया। आरव ने वेदव्यास के महाभारत और पुराणों के रचनाकार के रूप में उनके महत्व को उजागर किया और उनके जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। वेदव्यास के जीवन के बारे में कई रोचक तथ्य शामिल थे, जैसे कि उनका जन्म और उनके गुरु, और कैसे उन्होंने महाभारत और अन्य प्राचीन ग्रंथों की रचना की। आरव के भाषण ने दर्शकों को वेदव्यास के जीवन और कार्यों के बारे में जानने का अवसर प्रदान किया और उन्हें प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्या महोदया निरजा ने कहा हमें महर्षि वेदव्यास के आदर्शों पर चलना चाहिए। शिक्षकों और बड़ों का हमेशा सम्मान करना चाहिए। हिंदू धर्म में एक पूजनीय ऋषि, जिन्हें वेदों को संकलित करने और महाभारत की रचना करने का श्रेय दिया जाता है उन्हें भगवान विष्णु का अवतार और सात चिरंजीवियों में से एक माना जाता है, जिन्हें अमर माना जाता है। सत्यवती और ऋषि पाराशर के घर जन्मे, उन्हें उनके श्याम वर्ण और एक द्वीप पर जन्म के कारण कृष्ण द्वैपायन नाम मिला। बाद में वेदों को व्यवस्थित और विभाजित करने में उनकी भूमिका के कारण उन्हें वेद व्यास के नाम से जाना गया। विद्यालय परिवार की एकजुटता और सहयोग की भावना ने इस कार्यक्रम को यादगार बना दिया। विद्यालय में वेदव्यास जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्रों और शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इनमें संयोजक-साकेंदर कुमार, संयोजिका-अर्चना चंदन, शिक्षक-काशीनाथ कुमार, प्रदीप सुरीन, रतन पांडे, सूरज कुमार, चंदन कुमार, अविनाश कुमार, मुकेश कुमार कुशवाहा, मुकेश कुमार साव, दीपक कुमार, रोहित कुमार सिंह एवं शिक्षकाएँ-रश्मि सूद, चैताली घोष, सोनी गुप्ता, अर्चना सिंहा और समस्त विद्यालय परिवार के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

संक्षिप्त खबरें

गुरु पूर्णिमा पर योग और हवन का हुआ आयोजन

कोडरमा : गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु महेश्वर, गुरु साक्षात परब्रह्मा तस्मे श्री गुरुवे नम :! पतंजलि युवा भारत हरिद्वार के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर योग और हवन का आयोजन किया गया। कोडरमा जिला में विभिन्न प्रखंडों और नगरों में नियमित योग कक्षाओं के माध्यम से इस पर्व को मनाया गया।कार्यक्रम में योगाचार्य सुषमा सुमन ने बताया कि आषाढ़ पूर्णिमा के दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, जो व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाने जाते हैं। उन्होंने वेद, पुराणों और महाभारत ग्रंथ की रचना कर सनातन धर्म को एक गहरी बौद्धिक नींव दी। उन्होंने कहा, सनातन परंपरा में गुरु का दर्जा ईश्वर से भी ऊँचा है। झारखंड प्रांत के युवा भारत पतंजलि परिवार के राज्य कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप कुमार सुमन ने बताया कि सभी को अपने माता-पिता और शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने गुरु स्वामी रामदेव महाराज जी और आचार्य बालकृष्ण जी को नमन करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से लाखों योग शिक्षक निशुल्क सेवा प्रदान कर रहे हैं। सुषमा सुमन ने सभी योग शिक्षकों का धन्यवाद किया जो निस्वार्थ भाव से समाज के प्रति सेवा दे रहे हैं। इस अवसर पर कई योग शिक्षकों और चिकित्सकों का भी सम्मान किया गया।समारोह में प्रदीप कुमार सुमन ने युवाओं को निस्वार्थ सेवा का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा, राष्ट्र और समाज की सेवा करना मेरा कर्तव्य है, और मैं हर दिन योग करूंगा और दूसरों को भी प्रेरित करूंगा। गुरु पूर्णिमा के इस अवसर पर कोडरमा जिले में अगस्त महीने में 100 नए सह योग शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का संदेश फैलाने का संकल्प लिया गया। करें योग, रहे निरोग का नारा गूंज रहा था, जो लोगों को योग की महत्ता के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री श्याम सेवा मंडल का आठवां अरदास कीर्तन भक्तिमय उल्लास के साथ संपन्न

झुमरीतिलैया : श्री श्याम सेवा मंडल के तत्वधान में माहुरी भवन में आठवाँ अरदास कीर्तन बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुआ। भक्तों ने कीर्तन का आनंद लिया। वही रांची से चल कर आई तत्शा गुप्ता, बिहार के शानू कुमार एवं झुमरी तिलैया के धीरज पांडे,राकेश सिंह राजपूत, आराध्या सिंह,साक्षी भदानी, सुरेश यादव,पंकज केसरी ने दरबार मे अपनी हाजरी लगाई। कार्यक्रम का संचालन मंडल के बबलू सिंह ने किया। वहीं बाबा श्याम का भव्य दरबार, अलौकिक श्रृंगार, इत्र वर्षा की गई। रांची से आये कलाकार तत्शा गुप्ता ने गजब का समा बांध और भजनों पर सभी को झूमने करने पर मजबूर कर दिया। श्री श्याम सेवा मंडल का नवमं कीर्तन वीर कुमार गुप्ता स्थान हैप्पी बर्थडे रेस्टुरेंट के पंजाब नेशनल बैंक के दूसरे तल्ला में होगा। मंडल के अध्यक्ष जोशी कुमार ने बताया कि 2025 दिसंबर तक का कीर्तन बुक हो चुका है। मंडल का उद्देश्य श्याम बाबा का प्रचार-प्रसार करना और स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित करना है। जजमान के रूप में सीताराम केशरी और सुजाता देवी थे। कार्यक्रम में पूजा अर्चना गौतम पांडेय ने करवाया। कीर्तन के पश्चात सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में रांची के तत्शा गुप्ता ने मेरे सर पे सदा तेरा हाथ रहे,खाटु वाले तू हमेशा मेरे साथ रहे... धीरज पांडे ने आ जा रे कन्हैया आ जा रे ....राकेश सिंह राजपूत ने बाबा कृपा मनाने लगा है सब को खाटू बुलाने लगा है ...आराध्या सिन्हा ने इतनी सेवा सांवरे बनाए रखना मरते दम तक सेवा में लगाए रखना......सुरेश यादव ने हारे के सहारे आजा हारे के सहारे आजा......पंकज केसरी ने बाबा मेरी लाज बचाने आएगा पूरा है विश्वास जीतने आएगा .... जैसे भजनों से भक्तों ने खूब झूमा। कार्यक्रम में काफी संख्या में भक्तों ने हाजरी लगाई।कार्यक्रम के पश्चात बाबा का भोग लगाया गया जिसके बाद सभी भक्तों ने ग्रहण किया। मौके पर मंडल के अध्यक्ष जोशी कुमार, धर्मेंद्र कुमार भगत, मनीष पहाड़ी, वीर कुमार गुप्ता, विनीत पहाड़ी, बबलू पहाड़ी, बबलू मोदी,उत्सर्ग भदानी, बिट्टू पहाड़ी, चीकू कुमार, शिव शंकर प्रसाद, दीपक पटेल, दीपक चंद्रवंशी, दीपेश जेठवा, रणधीर कप्सीमे, आयुष कुमार, गोरी भगत, संजय सूद,कमल सोनकर,जयकांत कान्ते, बबलू पांडेय, संगीता जेठवाल, सीमा सहल सहित मंडल के कई सदस्य उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर राज इंटरनेशनल स्कूल में हुआ भव्य आयोजन

कोडरमा : कोडरमा स्थित राज इंटरनेशनल स्कूल में गुरु पूर्णिमा दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के छात्र ने भाषण, नृत्य, संगीत, सुविचार, श्लोक आदि की सुंदर प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विद्यालय की प्रचार्य राहुल घोष ने बताया कि गुरु पूर्णिमा गुरुओं के सम्मान में उनके वंदन और उनके प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए मनाया जाने वाला पर्व है। विद्यार्थियों की ओर से गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया गया। विद्यार्थियों ने अपने अध्यापकों और माता-पिता के लिए फूलों के गुलदस्ते, पोस्टर, कार्ड, छोटी-छोटी वीडियो बनाई। विद्यार्थियों ने अपने माता पिता और शिक्षक से आशीर्वाद लिया। विद्यार्थियों ने कहा कि गुरु विद्यार्थियों को दुनिया में चलना और आगे बढ़ना सिखाते हैं। हर व्यक्ति की जिंदगी में गुरु का विशेष ही महत्व होता है। इस दौरान विद्यार्थी भगवान के सामने भी नतमस्तक हुए और उन्हें खूबसूरत जिदंगी देने के लिए धन्यवाद किया। अध्यापकों ने बच्चों को गुरु पूर्णिमा के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत में प्राचीन काल से ही इसका बड़ा महत्व है। विद्यार्थी जब गुरु के आश्रम में शिक्षा हासिल करने के लिए जाते थे तो इस दिन को बड़े श्रद्धा से मनाया जाता था। विद्यालय की निदेशक संपा सिंह ने अपने संदेश में कहा कि समाज में ऐसे गुरु की जरूरत है जो शिष्य के विकारों को दूर कर सके। इसलिए हमेशा अपने गुरु की शिक्षाओं को याद रखना चाहिए तथा उनका सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर कक्षा 5 की पायल किशोर और साक्षी प्रिया ने भाषण तथा सुंदर कविता की प्रस्तुति दी । कार्यक्रम में विद्यालय के सारे शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहें।

ए.आर मोबाइल एंड बुक सेंटर का हुआ उद्घाटन

डोमचांच : जिले के डोमचांच नगर क्षेत्र के अंतर्गत शिवसागर छठ तालाब के पास दिन गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर सुबह 11:00 बजे ए. आर मोबाइल एंड बुक सेंटर दुकान का विधिवत उद्घाटन पूजा पाठ करके किया गया। बता दे कि दुकान में मोबाइल ,चार्जर, ब्लूटूथ, पेन किताब कॉपी के साथ अन्य सामान उपलब्ध है। इस संबंध में दुकान के प्रोपराइटर दयानंद मुखर्जी ने बताया कि दुकान में फाइनेंस पर मोबाइल लेने का ग्राहकों को विशेष सुविधा दी गई है। इसके साथ ही हमारे दुकान में पढ़ने वाले छात्रों के लिए किताब कॉपी, पेंसिल, रबर, स्केच पेन कलम, मार्कर पेन, कलर पेंसिल इत्यादि उपलब्ध है। मौके पर कल्याणी मुखर्जी, महानंद मुखर्जी, अदिति मुखर्जी, सुमन चंद्रवंशी, किशोर कुमार के अलावे अन्य लोग मौजूद रहे।

एक नजर

श्रावणी मेला को लेकर आरपीएफ मुरी पोस्ट में समन्वय बैठक आयोजित

मुरी : मुरी श्रावणी मेला के दृष्टिगत विधि–व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने हेतु आरपीएफ पोस्ट मुरी के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में रेलवे क्षेत्र एवं ट्रेनों में संभावित भीड़भाड़ की स्थिति, नशाखुरानी, पाकेटमारी तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु संयुक्त कार्ययोजना पर चर्चा की गई। यात्रियों की सुरक्षा एवं सुचारु आवागमन सुनिश्चित करने के लिए रेल प्रशासन एवं सुरक्षा बलों के बीच समन्वय स्थापित किया गया। बैठक मे संजीव कुमार प्रभारी निरीक्षक, पवन कुमार उप निरीक्षक, बसंत मलिक उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक अजीत कुमार, सहायक उप निरीक्षक सेवइयां, सहायक उप निरीक्षक मंटू जायसवाल, सहायक उप निरीक्षक संतोष कुमार तथा राजकीय रेल पुलिस की तरफ से मुरी प्रभारी उपनिरीक्षक संतोष कुमार सिंह उप निरीक्षक करीमुल्ला खान सहायक उप निरीक्षक गिरी कश्यप आदि उपस्थित थे।

चौपारण में बिजली तार के साथ पेड़ गिरा बड़ा हादसा टला

चौपारण : प्रखंड में बृहस्पतिवार को सुबह से लगातार बारिश होने के कारण चतरा मोड के डोमादाढ़ी पुल के समीप एक बड़ा पेड़ टूटकर बीच सड़क पर गिर गया। स्थिति और गंभीर तब हो गई जब वह पेड़ बिजली के तार के साथ गिरा, जिससे इलाके में कुछ घंटे के लिए बिजली आपूर्ति ठप हो गई। गनीमत रही कि उस समय सड़क पर गुजरते वाहन पेड़ में नही सटे, अन्यथा बड़ी अनहोनी हो सकती थी। जिसकी सूचना वन विभाग को मिलते ही तार के साथ गिरे पेड़ को रोड से हटाया गया और आवागमन को सुगम बनाया गया। बताते चले कुछ दिन पहले भी इसी मार्ग पर दादपुर के पास पेड़ गिरा था, जिसमें स्कूली बच्चों से भरी एक गाड़ी बाल–बाल बच गई थी। लगातार हो रही इस तरह की घटनाओं ने पेड़ों की देख–रेख को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

डुमरी के प्रवासी मजदूर की चेन्नई में मौत

बोकारो : डुमरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत भरखर निवासी भोला महतो के 32 वर्षीय पुत्र सुरेश महतो की चेन्नई में बुधवार को मौत हो गई। परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। सुरेश महतो घर का इकलौता कमाऊ व्यक्ति था। वह अपने पीछे पत्नी मालो देवी, पुत्री खुशबू कुमारी (10) नीतू कुमारी (06) और पुत्र सुभाष कुमार (02) समेत बुजुर्ग माता–पिता को छोड़ गया। सुरेश महतो चेन्नई में श्रीनिवास इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में काम करता था। बीते 5 जुलाई को सुरेश महतो कंपनी की लापरवाही कारण हाई टेंशन टावर में करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिन्हें स्थानीय सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान बुधवार को उसकी मौत हो गई।

रोज हो रही बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त

बोकारो : गत 16 जून से रोज दिन रात हो रही बारिश के कारण तुपकाडीह का जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। बाजार के दुकान तो खुले रहते हैं लेकिन ग्राहक नदारद। दैनिक मजदूरों को काम नहीं मिलने के कारण भुखमरी की हालत हो गई है। तुपकाडीह मेन चौक , स्टेशन रोड तथा नहर चौक जल मगन हो गया है। बीएसएल के टीसी गेट कूलिंग पोंड के रास्ते सेक्टर जाने वाली सड़क में बड़े बड़े गड्ढे और जल जमाव से प्लांट जाने वाले मजदूर और राहगीर परेशान हो रहे हैं। दामोदर नदी का पानी उफान पर है। जैनामोड़ फुसरो मेनरोड पूरी तरह से जर्जर हो गया है। लगातार बारिश के कारण मकई की खेती करने वाले किसान दुखी हो रहे हैं।

पलायन रोकना और रोजगार देना मेरी प्राथमिकता : जगत मांझी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिम सिंहभूम : जिला स्थित मनोहरपुर प्रखंड के नन्दपुर पंचायत सचिवालय में गुरुवार को को पत्तल-दोना उत्पादन इकाई का शुभारंभ विधायक जगत मांझी ने किया। यह इकाई सारंडा वन प्रमंडल और जेएसएलपीएस के संयुक्त प्रयास से स्थापित की गई है। इस अवसर पर पहले चरण में 16 महिला स्वयं सहायता समूहों के बीच पत्तल-दोना निर्माण की मशीनों का वितरण किया गया। वहीं आगामी दिनों में और 40 मशीनों के वितरण की योजना है। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता क्षेत्र के प्रत्येक परिवार को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराना है।

ताकि पलायन पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ेंगी तो न केवल उनका परिवार, बल्कि पूरा समाज सशक्त होगा। गांव में ही रोजगार के साधन उपलब्ध कराना समय की जरूरत है। महिला समूहों ने मौके पर मशीन से पत्तल और दोना बनाकर इसका प्रदर्शन भी किया। विधायक माझी ने इस प्रयास को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने जंगलों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा, हमें जंगल से रोजगार मिल सकता है, लेकिन इसके लिए जंगल को कटने और जलने से बचाना होगा। मौके पर विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार होर्डिंग्स और जनसंपर्क माध्यमों के जरिए किया जाए। ताकि आमजन को योजनाओं की जानकारी मिल सके। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी शक्ति कुंज, कोयना वन क्षेत्र पदाधिकारी रामनंदन राम, पत्तल मशीन के आविष्कारक जोगिंदर पात्रा, झामुमो नेता अकबर खान, बंधना उरांव, बहादुर मुर्मू, विक्रम सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

विधायक ने बर्षों से बंद पुलिया को खोलने का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली: सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो ने सिल्ली अंचलाधिकारी अरुणिमा एक्का को सिंगपुर मुरी में बर्षों से बंद पुलिया को खोलने का निर्देश दिया एवं जल्द से जल्द लोगों को परेशानियों से दूर करने की बात कही। ज्ञात हो की लगातार हो रही वर्षा से सिंगपुर मुरी में कई इलाके में पानी भर गया है। लोगों को घरों से निकलना भी मुश्किल हो रहा है। यह समस्या सिंगपुर चौक से कांटाडीह गांव तक बने सड़क के सिंगपुर में गांवों के पानी निकालने के लिए कई जगहों पर पुलिया बनाया गया था उससे स्थानीय लोगों ने निजी स्वार्थ के कारण उन पुलिया को बंद कर दिया गया। जिससे आसपास के घरों में पानी भरने लगा था जिसकी समाचार प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। इस पर संज्ञान लेते हुए विधायक अमित कुमार महतो महतो सिंगपुर पहुंचे एवं निरीक्षण करते हुए सीओ अरुणिमा एक्का को तुरंत इस पर पहल करने का निर्देश दिया।

हेसल जरा में सड़क निर्माण शुरू न होने पर ग्रामीणों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : खिजरी विधानसभा क्षेत्र अनगडा प्रखंड हेसल पंचायत अंतर्गत हेसल जरा का मुख्य सड़क जो की पुरूलिया सड़क से गुजरती है। यह सड़क विगत कई महीनों पहले शिलान्यास विधायक राजेश कच्छप द्वारा किया गया था। लेकिन दुर्भाग्य की बात है अभी तक सड़क का निर्माण कार्य सुरु नही किया गया है। आगे बता दें कि सड़क की स्थिति इतनी बत्तर हो गई है कि लोगो का आगमन बाधित हो रहा। यही नहीं स्कूली बच्चों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है। एक मजे कि बात दे कि झारखंड अलग राज्य होने से पहले से ही लोग हेसल जरा में लोग निवास कर रहे हैं। झारखंड अलग राज्य तो मिला लेकिन आज भी लोग सड़क नाली बिजली को लेकर परेशान है। इस परिस्थिति को देख ते हूं पंचायत के मुखिया कविता देवी पंचायत सदस्य शीला देवी और ग्रामीणों संग मिलकर सड़क निर्माण कार्य को जल्द कराने को लेकर विधायक से मिलकर एक ज्ञापन दिया।

पिपराडीह के लापता युवक की लाश कुएं में मिली, आरोपी के पिता की पीट-पीट कर हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : 6 जुलाई को लापता पिपराडीह गांव निवासी 27 वर्षीय दिनेश प्रजापति की लाश विश्रामपुर शनिवार बाजार के बगल में कुम्हरडीहा गांव के श्मशान घाट मंगरदहा के एक कुएं से बरामद की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़कागांव थाना प्रभारी नेमधारी रजक सशस्त्र पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति से अवगत हुए। इस दौरान पिपराडीह गांव के गुस्साए ग्रामीणों ने आवेदन में नाम आरोपी सुभाष प्रजापति के कुमहरडीहा गांव जाकर सुभाष के पिता 65 वर्षीय महेश प्रजापति को बेरहमी से पीट पीट कर मार डाला। तत्पश्चात इस दौरान ग्रामीणों ने सुभाष के मकान एवं मोटरसाइकिल को भी आग के हवाले कर दिया। पुलिस

ने दोनों लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई के लिए थाना लाई।बताते चलें कि पिपराडीह गांव निवासी 27 वर्षीय दिनेश प्रजापति की गुमशुदगी को लेकर पत्नी संगीता देवी के द्वारा बड़कागांव थाने में 7 जून को आवेदन देकर पुलिस से कार्रवाई करने की मांग की गई थी। इसी दरमियान ग्रामीणों ने कुमहरडीहा गांव निवासी सुभाष प्रजापति को पकड़ कर 7 जून को पुलिस के हवाले कर कार्रवाई की मांग की थी। सुभाष ने अपनी तबीयत खराब होने का पुलिस जानकारी दी। तत्पश्चात पुलिस ने उसे इलाज कराने के लिए छोड़ दिया। जिसके कारण ग्रामीणों ने पुलिस के प्रति नाराजगी व्यक्त की एवं गुस्सा जाहिर किया। गुस्साए ग्रामीणों ने 8 जून को 5:30 बजे शाम को डेढ़ घंटे तक थाने का घेरे रखा और पुलिस से सुभाष प्रजापति को त्वरित गिरफ्तार कर कार्रवाई की मांग की थी। मृतक दिनेश के पत्नी ने 8 जुलाई कोई इसी दरमियान दूसरा आवेदन भी पुलिस को दिया जिसमें पैसे की लेनदेन मामले को लेकर सुभाष प्रजापति के ऊपर पति दिनेश की अपहरण कर लेने की आशंका जताई थी। दो-दो लोगों की हत्या मामले को लेकर बड़कागांव पुलिस ने सभी बिंदुओं पर जांच पड़ताल में जुट गई है।

बिरसा मुंडा की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों ने किया क्षतिग्रस्त, लोगों में आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली पिस्का मार्ग बिरसा चौक खोचाबेड़ा में स्थापित बिरसा मुंडा की प्रतिमा को तोड़ दिया गया, जिससे लोगों में आक्रोश है। यह प्रतिमा एक साल पहले स्थापित की गई थी। शहीद बिरसा मुंडा स्मारक स्मृति संचालन समिति ने मेल के माध्यम से इसकी शिकायत विधायक अमित कुमार महतो से करते हुए दोषियों को चिह्नित कर कार्रवाई की मांग की है। वही गुरुवार को अचानक लोगों की नजर बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पड़ी तो देखा कि एक हिस्सा टूटा हुआ है। आसपास वह हिस्सा गिरा हुआ नहीं था, इससे लोगों को लगा कि किसी असामाजिक तत्वों ने ही इसे तोड़कर वहां से हटा दिया है। प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने की खबर सुनकर शहीद बिरसा मुंडा स्मारक स्मृति संचालन समिति के संयोजक मुखिया लालू उरांव वहां पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही

गंभीर मामला है। भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करना बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। मुरी ओपी में इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इस मौके पर सिल्ली मुखिया भरत मुंडा, अमर महली, जितेंद्र महतो, भवानी मुंडा,राहुल महतो,आदि उपस्थित थे।

राजकीय श्रावणी मेला का बासुकीनाथ धाम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दुमका : सुप्रसिद्ध तीर्थ नगरी बासुकीनाथ धाम स्थित मयूराक्षी कला मंच पर राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव का वैदिक मंत्रोचार के बीच दीप प्रज्वलित एवं नारियल फोड़कर उद्घाटन किया गया। समारोह के दौरान विशिष्ट अतिथि जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुँवर ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्था की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बासुकीनाथ को लेकर श्रद्धालुओं में गहरी आस्था है। इस अटूट आस्था के कारण ही देशभर के लाखों श्रद्धालु फौजदारीनाथ पर जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने मासव्यापी श्रावणी मेला में श्रद्धालुओं के लिए विशेष ध्यान केंद्रित करने के लिए स्थानीय लोगों से अपील किया। कांवड़ यात्रियों

को कोई असुविधा और कठिनाई नहीं हो इसके लिए स्थानीय लोगों को सजग रहने के साथ सेवा भावना के साथ कार्य करने को प्रेरित किया। कार्यक्रम में जामा विधायक डॉ लुईस मरांडी ने देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए तमाम सुविधा मुहैया करने के साथ स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने को प्राथमिकता देने की बात कही। स्वच्छता पर चर्चा करते हुए डॉ मरांडी ने बताया कि इस बार कई बदलाव किए गए हैं। जिसका असर टेंट सिटी में डिस्पोजल बेडशीट की व्यवस्था के रूप में देखने को मिल रहा है। कुल मिलाकर यहां आने वाले अन्य राज्यों के श्रद्धालु राज्य की सकारात्मक छवि लेकर अपने प्रदेश लौटे इस बात पर बल देने की जरूरत है। स्वागत भाषण में डीसी अभिजीत सिन्हा ने कहा कि एक माह तक चलने वाले मेला के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो इसे लेकर प्रशासन वचनबद्ध है। जिला प्रशासन श्रद्धालुओं को बेहतर और सर्वोत्तम सुविधा देने के लिए तत्पर रहेगी। इसके लिए सभी प्रकार की आवश्यक व्यवस्था कर ली गई है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण मेला क्षेत्र में 12 टेंट सिटी श्रद्धालुओं के विश्राम के लिए होगी। कांवरिया के स्वास्थ्य सुविधा के लिए 20 एम्बुलेंस 24 घंटा सातों दिन एक्टिव मोड में रहेंगे। इसके अलावा मेला क्षेत्र में टेंट अस्पताल के साथ स्वास्थ्य केंद्र में जरूरी दवाइयां के साथ डॉक्टर की सेवा बहाल रहेगी। वही 750 सीसीटीवी कैमरा, ड्रोन कैमरा के साथ एआई कैमरा से मेला क्षेत्र पर पैनी नजर रहेगी। जिला प्रशासन मेला क्षेत्र की फूल प्रूफ सुरक्षा के लिए आतंकवादी निरोधक दस्ता एवं बम डिस्पोजल स्क्वाड की प्रतिनियुक्ति की है।

संक्षिप्त खबरें

अनुमंडल स्तरीय विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

सरिया : गुरुवार को सरिया एसडीएम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निदेर्शानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदान केंद्र के बीएलओ का प्रशिक्षण का कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत बगोदर विधान सभा क्षेत्र के कुल 454 बीएलओ को बेहतर ढंग से प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है । यह विशेष पुनरीक्षण का कार्य झारखंड में 2003 के बाद 22 वर्ष के बाद किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में तहत बीएलओ सभी मतदाता का डोर टू डोर जा कर सभी मतदाता का पूरा ब्यौरा लेकर नए सिरे से मतदाता सूची तैयार करेंगे। वहीं आगे बताया कि इस कार्यक्रम के तहत पिछले 7 जुलाई से 10 जुलाई तक बिरनी में सहायक निर्वाचन निबंधक अधिकारी सह अंचल अधिकारी संदीप मधेशिया के द्वारा 3 दिनों में 160 बीएलओ को प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को सम्पन्न किया गया । वहीं शुक्रवार 11 जुलाई से 14 जुलाई तक कुल 137 बीएलओ को सरिया सीओ सह सहायक निवार्चन निबंधक प्रभारी संतोष कुमार के द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा । वहीं बगोदर प्रखंड में भी 157 बीएलओ का प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 जुलाई से 17 जुलाई तक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह सीओ मुरारी नायक के द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के तत्वाधान में धूमधाम से मोहर्रम संपन्न

अनगड़ा : अनगड़ा हेसल गांव में सेंट्रल मोहर्रम कमिटी के तत्वाधान में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हर्ष उल्लास के साथ आपसी सौहार्द के साथ बुधवार को धूम धाम से मोहर्रम का जुलूस अध्याच मिनहाज अंसारी सचिव महमूद अंसारी अंसारी के नेतृत्व में निकाला गया मोहर्रम अखाड़ा के मुख्य अतिथि खिजरी विधायक राजेश कच्छप विशिष्ट अतिथि मजीद अंसारी थे आगे बता दें कि जुलूस हेसल गांव से या हुसैन या ली का नरा लगाते हुए गोंदली पोखर तक पहुंचा जन्हा अस्त्र शास्त्र खेल का प्रदर्शन किया गया मेले में तरह तरह की दुकानें बच्चो के लिए खेलावने की भी दुकानें लगी थी मोहर्रम जुलूस में अगल बगल गांव से भी लोग पहुंचे थे मौके पर अतिथि के रूप में डॉ अमर कुमार चौधरी थाना प्रभारी हीरा लाल साह प्रखंड प्रमुख दीपा समाज सेवी मुस्तफा अंसारी अब्दुल इमाम अंसारी उरांव हेसल मुखिया कविता देवी किस्टो कुजूर रमेश कुमार वनमाली महतो सिकेंदर अंसारी परवेज खान सिद्दीकी अंसारी रब्बानी अंसारी फारुक अंसारी सलीम अंसारी रजाक अंसारी आलम अंसारी अमानत अंसारी महबूब अंसारी आदि शामिल थे।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया

अनगड़ा : गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सरला बिरला विश्वविद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में विवि के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने गुरु के महत्व के विषय में बताते हुए कई उदाहरणों के माध्यम से व्यक्ति विशेष के जीवन में उनकी अपरिहार्यता पर प्रकाश डाला। माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन ने बच्चों को गुरु के माहात्म्य के विषय में बताए जाने पर जोर दिया। साथ ही व्यक्ति की सत्संगति की भी बात की, जिससे अच्छे गुणों का विकास हो। डीन प्रो नीलिमा पाठक ने भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र में अपने संबोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरू की महिमा एवं जीवन में गुरु के बताए हुए सन्मार्ग पर चलते हुए सुखी, संपन्न एवं सफल जीवन जिया जा सकता है। डॉ आर एम झा ने वर्तमान समय में व्याप्त विभिन्न समस्याओं एवं उन समस्याओं से मुक्ति की प्रक्रिया में गुरु की महत्ता को समझाया। इस कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो एस बी डांडिन, डॉ अर्चना मौर्या, डॉ संदीप कुमार, डॉ विश्वजीत वर्मा, पंकज केसरी, डॉ स्वातिलेखा महतो, सुजीत सेनगुप्ता, स्पर्श उपाध्याय तथा अन्यान्य शिक्षकों ने भाग लिया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने सभी गुरुजनों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

कार्यालय नगर पंचायत, खूँटी

पत्रांक.....................खूँटी, दिनांक..................

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना सं० KNP/03/2025-26

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :–कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, खूँटी।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– 22.07.2025 को पूर्वाहन 10.00 बजे से अपराहन 3.00 बजे तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 23.07.2025 को 2.00 बजे अपराहन तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 23.07.2025 को 3.00 बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– कार्यालय नगर पंचायत, खूँटी।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– कार्यालय नगर पंचायत, खूँटी।
7. निविदा खोलने का स्थान :– कार्यालय नगर पंचायत, खूँटी।

कार्य का विवरण

क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0. पै0)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0. पै0)	अग्रधन की राशि (रू0. पै0)	कार्यादेश निर्गत होने से कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	Repairing of Urban Health Centre at Ward no 7 Under Nagar Panchayat Khunti 2025-26	9,99,381/-	5,000/-	प्राक्कलित राशि का 2%	120 Days

निविदा के शर्त्त कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

प्रशासक,
नगर पंचायत, खूँटी

PR 356961 (Urban Development)25-26*D

कार्यालय जिला परिषद, हजारीबाग

अतिः अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या :– 14/2025–26

दिनांक 10/07/2025

मद का नाम :– 15वें वित्त आयोग मद।

क्र0	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	योजना पूर्ण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	कटकमसाण्डी	पेलावल उ0	पेलावल उ0	ग्राम पेलावल उत्तरी में असहाय व्यक्तियों के लिए रोटी बैंक का निर्माण।	2199900.00	5000.00	44000.00	छः माह

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि 18.07.2025
2. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय 19.07.25 से 27.07.2025 अपराहन् 5:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने का स्थान– जिला परिषद, हजारीबाग।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 29.07.2025 पूर्वाहन् 10:00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता – जिला अभियंता, जिला परिषद, हजारीबाग।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0–06546 261406 ई–मेल – districtboardhazaribag@gmail.com
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
9. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट या www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, हजारीबाग

PR 357026 District(25-26)#D

कट्टरपंथ के खिलाफ पढ़े-लिखे मुसलमानों की खामोशी के मायने

भारत में धार्मिक सहिष्णुता की परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है, लेकिन पिछले कुछ दशकों में लव जेहाद, आतंकवाद, धर्मांतरण और गजवा-ए-हिन्द जैसे मुद्दों ने इस सामाजिक ताने-बाने को गंभीर चुनौती दी है। विशेषकर हिंदू समाज और बेटियों के माता-पिता के मन में भय गहरा होता जा रहा है। लव जेहाद शब्द सबसे पहले 2009 में केरल और कर्नाटका पुलिस की जांच में सामने आया। बाद में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश ने ऐसे मामलों को रोकने के लिए कानून भी बनाए। 2020 में उत्तर प्रदेश में बना कानून कहता है कि अगर कोई व्यक्ति शादी के नाम पर जबरन धर्मांतरण करता है तो उसे 10 साल तक की जेल हो सकती है। यूपी के बलरामपुर में ऐसा ही एक मौलाना पकड़ा गया, जो हिन्दू लड़कियों को मुस्लिम लड़कों के सहारे बरगलाने का सिंडिकेट चला रहा था। इसने हिन्दू लड़कियों के धर्मांतरण के लिये उनकी जाति के अनुसार रेट तक फिक्स कर रखे थे। धर्मांतरण का मुद्दा ऐतिहासिक रूप से भी विवादास्पद रहा है। 1920 में आर्य समाज ने शुद्धि आंदोलन चलाया, ताकि जबरन या धोखे से धर्मांतरण करने वालों को फिर से हिंदू धर्म में लाया जा सके। संविधान के अनुच्छेद 25 में सभी को धर्म की स्वतंत्रता दी गई है, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि यह स्वतंत्रता जबरन या धोखे से किए गए परिवर्तन पर लागू नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट ने 1977 में रतन लाल केस में कहा था कि धर्म परिवर्तन तभी वैध है जब वह पूरी तरह स्वेच्छा से हो। बात गजवा-ए-हिन्द की कि जाए तो इसकी अवधारणा का जिक्र 13वीं सदी की इस्लामी किताबों में मिलता है। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने 2003 में एक इंटरव्यू में कहा था, भारत को कमजोर करने के लिए कश्मीर से शुरू करके पूरे भारत में जिहाद फैलाना हमारी रणनीति का हिस्सा है। इसी तरह, हाफिज सईद ने भी कई बार सार्वजनिक रूप से कहा है कि हमारा अंतिम लक्ष्य गजवा-ए-हिन्द है। केरल के प्रसिद्ध इस्लामी विद्वान मौलाना कनीमैय्यून ने 2020 में एक टीवी डिबेट में कहा था, इस्लाम में किसी भी तरह का जबरन धर्मांतरण हराम है। लेकिन समाज के भीतर कट्टरपंथी सोच इतनी गहरी हो गई है कि लोग खुलकर बोलने से डरते हैं। इसी तरह, पूर्व केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान ने एक इंटरव्यू में कहा था, हमारे समाज में सुधार की सबसे बड़ी जरूरत है। जब तक हम कट्टरपंथ के खिलाफ नहीं बोलेंगे, तब तक मुसलमानों की छवि सुधर नहीं सकती। सुप्रसिद्ध लेखिका तस्लीमा नसरीन ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था, मुस्लिम समाज के भीतर सुधार की आवाज उठाने वालों को गद्दार कहकर चुप कराया जाता है। जब तक मुस्लिम समाज खुद सामने आकर कट्टरपंथ को नकारेगा नहीं, तब तक महिलाएं और लड़कियां सबसे ज्यादा पीड़ित रहेंगी। कई सर्वे और रिपोर्ट बताते हैं कि 2021 में हुए एक सर्वे में लगभग 60 फीसदी हिंदू माता-पिता ने कहा कि वे अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर भेजने से डरते हैं। वजह यह कि कहीं उनकी बेटियाँ कथित प्रेमजाल में फँसकर जबरन धर्म परिवर्तन न कर लें। धर्मांतरण के मामलों में भी कई दर्दनाक उदाहरण सामने आए हैं। 2017 में केरल की हदिया केस में जबरन धर्मांतरण और शादी का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुँचा। हदिया ने बाद में अदालत में कहा कि उसने अपनी मर्जी से धर्म बदला, लेकिन एनआईए की रिपोर्ट में कई संदिग्ध नेटवर्क के लिंक सामने आए। इस तरह की वारदातों पर मुस्लिम समाज के पढ़े-लिखे वर्ग की खामोशी पर दिल्ली के मौलाना वहीदुद्दीन खान ने कहा था, मुसलमानों को चाहिए कि वे साफ-साफ कहें कि वे कट्टरपंथ के साथ नहीं खड़े हैं। अगर आप चुप रहते हैं, तो इसका मतलब है कि आप अप्रत्यक्ष समर्थन दे रहे हैं। इतिहास में भी इस तरह के उदाहरण मिलते हैं। औरंगजेब के काल में हिंदुओं पर जजिया कर लगाया गया और हजारों मंदिर तोड़े गए। जबकि अकबर ने दीन-ए-इलाही जैसी नई धार्मिक विचारधारा के जरिए सहिष्णुता का संदेश दिया।

आतंकवाद में डिजिटल तकनीकों का बढ़ता उपयोग चिन्ताजनक

ललित गर्ग

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नॉलजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है।

एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनैशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान को छुपाती है। जब कोई व्यक्ति वीपीएन का उपयोग करता है, तो उसका इंटरनेट ट्रैफिक एक एन्क्रिप्टेड सुरंग के माध्यम से किसी अन्य देश के सर्वर से होकर गुजरता है। इससे उसकी वास्तविक पहचान छिप जाती है और वह सेंसरशिप, ट्रैकिंग और जियो-रिस्ट्रिक्शन से बच सकता है।

2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूजर्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूजर्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के जरिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमला करते हैं। दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। भारत इस लिस्ट में फिलहाल सातवें नंबर पर है। लेकिन सवाल यह है कि इस डेटा के बीच अगर कुछ संदिग्ध लोग कुछ हजार डॉलर की खरीददारी करते हैं, जिसका इस्तेमाल आगे जाकर किसी आतंकी हमले में होता है, तो उसे चिह्नित कैसे किया जाए? एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। वे इंटरनेट की दुनिया की ओट ले रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है।

एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों ने अब पारंपरिक धन स्त्रोतों के साथ-साथ क्रिप्टोकरेंसी जैसे डिजिटल वित्तीय माध्यमों का भी उपयोग करना शुरू कर दिया है। ये माध्यम उन्हें सरकार की नजरों से बचाते हुए सीमाओं के पार फंडिंग जुटाने की सहूलियत देते हैं। साथ ही, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स, फेक सोशल मीडिया अकाउंट्स, और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर वे अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर भले हो गया हो, लेकिन उसके खिलाफ लगे आरोपों में कोई कमी नहीं आई है। अनेक ग्लोबल इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स और एफएटीएफ ऑब्जर्वेशन्स इस बात की पुष्टि करती हैं कि पाकिस्तान में आतंकी गुटों को डिजिटल इकोसिस्टम का खुले तौर पर उपयोग करने दिया जा रहा है, या कभी-कभी सरकार की मौन सहमति से। उदाहरण के रूप में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने बिटकॉइन और अन्य डिजिटल टोकन के जरिए फंड जुटाने की नई तरकीबें अपनाई हैं। कई मामलों में आतंकी फंडिंग के लिए फर्जी चैरिटेबल ट्रस्ट और सामाजिक मीडिया अभियानों का सहारा लिया गया है। ह्यगजवा-ए-हिंदह्व जैसे डिजिटल प्रोपेगेंडा प्लेटफॉर्म्स पाकिस्तानी जमीन से संचालित होकर भारत में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने में लगे हैं। भारत के विरुद्ध हाइब्रिड वारफेयर और साइबर जिहाद की रणनीति पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की नीति का हिस्सा बन चुकी है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि दक्षिण एशिया में भारत सबसे अधिक प्रभावित देश है, जहां डिजिटल माध्यम से न केवल फंडिंग, बल्कि ब्रेनवॉशिंग और भर्ती का कार्य भी तेजी से हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को आतंकी संगठनों की ओर आकर्षित किया जाता है। उत्तर पूर्व में उग्रवादी संगठनों को डिजिटल भुगतान और चैनलों के माध्यम से सहायता मिलती रही है। एफएटीएफ ने पाकिस्तान समेत उन सभी देशों से अपेक्षा की है कि वे डिजिटल वित्तीय निगरानी तंत्र को मजबूत करें। क्रिप्टो ट्रांजैक्शन पर नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। आतंकी संगठनों के ऑनलाइन अस्तित्व को समाप्त करने के लिए तकनीकी टूल्स विकसित करें। एफएटीएफ का चेतावनी के स्वरों में यह भी कहना है कि यदि आतंक के गढ़ एवं आतंकवाद को पोषित करने वाले इन देशों ने इन सिफारिशों पर अमल नहीं किया तो उन्हें ह्यहाई रिस्क जॉनह्व की सूची में डाला जा सकता है। भारत को इस डिजिटल आतंकी खतरे से निपटने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से एक संयुक्त रणनीति बनानी चाहिए-क्रिप्टो ट्रांजैक्शन की रियल-टाइम निगरानी, साइबर आतंकवाद पर विशेष फोर्स का गठन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से आतंकी कंटेंट की पहचान और हटाने के लिए मजबूत कानून, डार्क वेब और फेक डोनेशन चैनलों की सतत निगरानी आदि कदम उठाने चाहिए।

डिजिटल तकनीक ने जहां मानव जीवन को सरल और तेज किया है, वहीं इसका दुरुपयोग करके आतंकवाद को नया चेहरा देने की कोशिशें चिंता का विषय हैं। एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीरता से लेने और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाना होगा ताकि वे अपनी धरती पर पनप रहे आतंकवाद एवं डिजिटल आतंकवाद के अड्डों को समाप्त करें। तभी एक सुरक्षित डिजिटल विश्व और शांतिपूर्ण वैश्विक समाज की कल्पना की जा सकती है। एफएटीएफ रिपोर्ट विश्लेषण करती है कि आतंकवादियों ने अपने आतंकवादी उद्देश्यों के लिए वैश्विक दर्शकों से धन जुटाने के लिए सोशल मीडिया पर धन उगाहने वाले प्लेटफॉर्म और क्राउडफंडिंग माध्यमों से आतंकवाद के वित्तपोषण प्राप्त किया है। आतंकवादी संगठन पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ डिजिटल तरीकों से भी धन जुटाकर आतंकवाद को अंजाम दे रहे हैं।

भारत ने एफएटीएफ रिपोर्ट को अपने रुख के समर्थन में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, जिसमें पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों पर कार्रवाई की मांग की गई है। यह रिपोर्ट आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। यह रिपोर्ट आतंकवाद के वित्तपोषण और संचालन में शामिल देशों और व्यक्तियों पर दबाव बढ़ाने और आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए नीतियों और रणनीतियों को विकसित करने में सहायक हो सकती है।

शिव को साधने का माह है सावन

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

सावन का महीना भारतीय जीवन एवं लोक परंपरा में अत्यंत पवित्र एवं उल्लासकारी है। यह लोक मंगल का आधार अन्नोत्पादन का आधार माह तो है ही लोकोत्तर की प्राप्ति एवं परम लौकिक देवता देवों के देव महादेव की उपासना का भी महीना है। वर्षा ऋतु का मध्य काल जब हिन्दू धर्मशास्त्र यात्रा का निषेध करते हैं यहां तक कि बौद्ध मत भी इस महीने में वर्षावास का आदेश देता है। उस काल विशेष में गेरुआ या केसरिया कपड़े पहने, कंधे पर कांवर लिए पवित्र नदी या तालाब से जल भरकर शिव का अभिषेक करने के लिए आकुल नर नारी हर शिवालय की ओर दिखने लगते हैं। यह प्रत्येक व्यक्ति के मन में सवाल तो खड़ा करता ही हैं कि कारण क्या है कि इस महीने में धान की रोपाई और निराई का काम छोड़कर कृषक समाज नंगे पांव निकल पड़ता है बोल-बम बोल-बम। का निवाद करते हुए। एक ऐसा दृश्य जिसमें कंटक, कंकड़, कीचड़ और बरसात ये सब भी मानो स्वागती हों इस शिव साधना में बौराए हुए जन समूह के।

सावन को शिव का प्रिय मास माना जाता है। अर्धनारीश्वर को, प्रकृति का श्रेष्ठ श्रृंगार करने वाला यह महीना अपनी नैसर्गिक हरीतिमा के कारण प्रिय तो है ही, इसलिए भी अत्यंत प्रिय है कि सती के दाह के बाद उन्मत्त क्रुद्ध योगी और वैरागी शिव को पार्वती ने इसी महीने में तपपूर्वक पाया था। कहा जाता है कि श्रावण भगवान शिव का अत्यंत प्रिय महीना होता है। इसके पीछे की मान्यता यह है कि प्रजापति दक्ष की पुत्री माता सती ने अपने जीवन को त्याग दिया था और कई वर्षों तक शापित जीवन व्यतीत किया। इसके बाद उन्होंने पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में जन्म लिया। पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए पूरे श्रावण महीने में कठोर तप किया, जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उनकी मनोकामना पूरी की। अपनी भार्या से पुनर्मिलन के कारण भगवान शिव को श्रावण का यह महीना अत्यंत प्रिय है।

श्रावण मास में ही महायोगी शिव का महादेवी से साक्षात्कार हुआ था। इसी माह में योगनिद्रा त्याग कर महायोगी धूर्जटि शिव महागौरी के तप के प्रभाव से नटराज बने थे। यही कारण है कि प्रकृति भी सावनके महीने में नर्तन करती है। अपने चारों ओर हरितिमा का आवरण लपेट विरागी मन में भी राग उत्पन्न करती हैं। धान में रस आता है और इस रस का परिपाक होकर वह धान्य बनता है। इसीलिए शिव को भाता है। यह महीना रस के परिपाक का महीना है इसलिए भी सावन रसेश्वर शिव को प्रिय है।

हिन्दू मन मिथकों को नहीं मानता है। वह तो भगवान का भी लौकिकीकरण करता है। इसीलिए हर ऋतु और हर माह का कोई न कोई देवता है। श्रावण के देवता शिव हैं। त्रिपथगा गंगा के स्त्रोत हैं, अर्थात जल के स्त्रोत हैं, हिम से भी शीतल है पर अंदर छिपा रखा है कालकूट हलाहल। इस हलाहल के कारण शिव को चंद्रमा की शीतलता भी कम पड़ती है। निरंतर प्रवाहित जल धारा से ही सुख मिलता है और जलधार चढ़ाने वालों पर उनका प्रसन्न होना स्वाभाविक है।

यही कारण है कि सावन में जब स्वयं प्रकृति आदिपुरुष महायोगी विषपायी वैरागी महादेव का जलधारा से अभिषेक करती है तो वैरागी भोले नाथ भी रसासिक्त हो जाते हैं। यह भी मान्यता है कि श्रावण के महीने में भगवान शिव धरती पर अपने ससुराल आए थे, जहाँ उनका अभिषेक कर स्वागत हुआ था। इसलिए इस माह में शिव अभिषेक का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, श्रावण मास में ही समुद्र मंथन हुआ था, जिसमें निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने ग्रहण किया, जिसके चलते उन्हें नीलकंठ का नाम मिला। इस प्रकार उन्होंने सृष्टि को उस विष से बचाया। सभी देवताओं ने विषाग्नि को शांत करने के लिए उन पर जल डाला, इसी कारण शिव अभिषेक में जल का विशेष स्थान है।

इस रसबोध का कारण मूल प्रकृति आदि शक्ति देवी पार्वती का अपर्णा रूप है। जब हरे भरे सावन में देवी ने शिव के लिए पत्तों का भी त्याग कर दिया और तब शिव को आना ही पड़ा। भगवान शंकर दो अतियों के बीच के देवता है। क्रोधातिरेक में वे संपूर्ण संसार का संहार करते हैं। तो करुणातिरेक में भोले भंडारी भस्मासुर भी बना देते हैं। इन दोनों अतियों के बीच जो कल्याण का भाव मन में लेकर धूनी रमाता है वही शिव है। सावन शिव से शोभन के सायुज्य का महीना है। शिव और शोभन अर्थात आदि पुरुष और मूल प्रकृति के मिलन का महीना है। इसलिए इस महीने में आकुल-माकुल हो वैरागी बन जाना बौराया हुआ वैरागी बन जाना सहज है।

सावन सत के भास्वर रूप शिव और सौंदर्य की एकाकारिता का महीना है। इसलिए इस महीने में मन का वैरागी हो जाना और जन का बौराया हुआ बैरागी बन जाना सहज है। सावन अपनी फुहारों से प्रकृति को संवारता है। सत्य को शिवमय बनाता है शिव और सुंदर दोनों को सरस करता है। इसीलिए सावन शिव को प्रिय है। अपर्णा को भी प्रिय है क्योंकि इसी महीने में महागौरी कर्पुरगौरांग शिव को प्राप्त करती है। इसलिए सावन अपर्णा व अपर्णेश दोनों का महीना है। यह अपर्णेश में पर्णोदय का मास है। यह पर्णोदय है मूल प्रकृति में सृष्टि के विस्तार का अव्यक्त प्रजातंतु को व्यक्त रूप देने का।

धर्मशास्त्रीय मान्यता यह भी है कि वर्षा ऋतु के चौमासे (चार माह) में भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं, और हरि के शयन से हरि के जागरण या प्रबोधन तक पूरी सृष्टि भगवान शिव के अधीन हो जाती है। अतः चौमासे में भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए मानव जाति कई प्रकार के धार्मिक कार्य, दान, उपवास आदि करती है। पर विशेष है कीचड़ से लथपथ कंटकाकीर्ण ऊबड़ खाबड़ रास्तों से बोल-बम बोल-बम का निनाद करते हुए भीगते हुए जलधार से।

(लेखक, तुलनात्मक धर्म दर्शन के आचार्य एवं पूर्व कुलगुरु हैं।)

सूडोकु नवताल- 7487

✶✶✶✶✩ मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7486 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

जनसंख्या नीति नहीं, जन-जागरुकता है असली समाधान

योगेश कुमार गोयल

जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वास्तविकता यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी। आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्नस्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 प्रतिशत आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है।

देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिये से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता।

चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार ने ऐसा क्यों किया, इसके कारणों को समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है।

जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा। 1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी वन चाइल्ड पॉलिसी को जिम्मेदार माना जाता है। विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा।

जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 3.4 थी, जो घटकर 2015 में 2.2 रह गई थी यानी सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक बढ़ने के बाद से गिरनी शुरू हो जाएगी और 2100 तक पहुंचते-पहुंचते सामान्य प्रजनन दर केवल 1.3 ही रह जाएगी। इसका अर्थ है कि तब अधिकांश परिवारों में केवल एक ही बच्चा होगा और भारत उसी स्थिति में खड़ा होगा, जिसमें वन चाइल्ड पॉलिसी के बाद चीन खड़ा हुआ और उसे विगत सात वर्षों में दो बार अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। इसलिए टू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिये जनसंख्या नियंत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरुकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है। बगैर कड़े कानूनों के देश के ऐसे राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, जहां साक्षरता दर ज्यादा है।

दैनिक पंचांग

11 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.49 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	08.06 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.17 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.28 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.43 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.59 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.04 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.50 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.23 बजे से
राहुकाल		मेष	23.54 बजे से
10.30 से		वृष	01.34 बजे से
12.00 बजे तक		मिथुन	03.32 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 192 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 02.09 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 05.56 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 20.44 बजे को समाप्त। **करण** बालव 14.11 बजे तदनन्तर कौलव 02.09 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 06' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872402 **जूलियन दिन** 2460867.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 15

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

उर्दू मध्य विद्यालय के दो किशोर खेलने के दौरान हुए घायल

साहिबगंज: शहर की स्टेडियम रोड स्थित उर्दू मध्य विद्यालय स्कूल में किशोर पढ़ रहा था और टिफिन होने के दौरान किशोर खेलने लगा, इस दौरान दो किशोर गिरकर घायल हो गया दोनों घायल किशोर को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। अस्पताल में चिकित्सक के द्वारा दोनों घायल किशोर का इलाज किया गया। मिली जानकारी के अनुसार अंजुमन नगर निवासी बालक मो. रेहान 8 वर्षीय व इकरा कॉलोनी निवासी बालक मो. आकिब 10 वर्षीय दोनों किशोर घायल हो गया। दोनों घायल के पैर कट जाने से खून से लहू लोहान हो गया बरहाल दोनों किशोर का इलाज किया गया।

चाकू से चूड़ी तोड़ने के दरमियान किशोरी का हाथ हुआ जख्मी

साहिबगंज: बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत सोलमनी गांव में हाथ की कलाई के चूड़ी फोड़ने के दौरान किशोरी की हाथ कट कर जख्मी हो गई। जिससे किशोरी घायल हो गई, घायल किशोरी को परिजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया। मिली जानकारी के अनुसार बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत सोलमनी गांव निवासी लाल बिहारी शाह के 13 वर्षीया पुत्री चंचला कुमारी हाथ के कलाई के चूड़ी, चाकू से तोड़ रही थी। इस दौरान किशोरी का हाथ चाकू से कट जाने से घायल हो गई। बरहाल किशोरी का इलाज सदर अस्पताल में डॉक्टर के देखरेख में किया गया।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में दो किशोर हुआ घायल

साहिबगंज: बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत सड़क दुर्घटना में दो किशोर घायल हो गया। दोनों घायल किशोर को इलाज के लिए बुधवार की बीते रात सदर अस्पताल साहिबगंज लाया गया। जहां अस्पताल में चिकित्सक चंदन कुमार के द्वारा इलाज किया गया। मिली जानकारी के अनुसार बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत कांडू बाषा गांव निवासी संतोष माल्टो के 16 वर्षीय पुत्र व माजीस माल्टो के 15 वर्षीय पुत्र दोनों एक मोटरसाइकिल में सवार होकर जमरी पहाड़ शादी समारोह में जा रहा था। उसी दौरान बोरियो पुल के पीछे मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो कर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दोनों किशोर घायल हो गया। बरहाल दोनों घायल किशोर का इलाज सदर अस्पताल में डॉक्टर के देखरेख में चल रहा है।

50 वर्षीय व्यक्ति के गिरने से इलाज के दौरान मौत

साहिबगंज: बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत एक व्यक्ति गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार कुसमा निवासी स्वर्गीय मधुआ ठाकुर का 50 वर्षीय पुत्र रामदयाल ठाकुर घर के बाहर खड़ा था, इसी बीच सर में चक्कर आने से सर के बल गिरने से बुरी तरह सर फट कर घायल हो गया। वहीं परिजनों की मदद से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट लाया गया। जहां डॉक्टर के द्वारा प्राथमिक इलाज करने के उपरांत गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर साहिबगंज रेफर कर दिया गया। एंबुलेंस के मदद से उक्त घायल को सदर अस्पताल साहिबगंज लाया गया। जहां ड्यूटी में तैनात डॉक्टर मुकेश कुमार ने जांच करने के उपरांत घायल रामदयाल ठाकुर को मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने पीछे पांच बच्चा में से तीन लड़का, दो लड़की व पत्नी पीछे छोड़ गया है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

तालझारी में नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का डीसी ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : तालझारी प्रखंडवासियों के लिए स्वास्थ्य सुविधा के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात के रूप में नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) तालझारी का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर डीसी हेमंत सती ने विधिवत रूप से फिता काटकर भवन का उद्घाटन किया और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।उद्घाटन समारोह के पश्चात डीसी ने नवनिर्मित भवन के सभी वार्डोंझ्पुरुष, महिला, प्रसव कक्ष, आपातकालीन सेवा कक्ष, ओपीडी व औषधि वितरण केंद्रझ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की स्वच्छता, दवा की उपलब्धता, चिकित्सा उपकरणों की स्थिति, रोगियों की सुविधा एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवा जनहित का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। इसमें किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान डीसी ने डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं को भी सुना। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएचसी तालझारी में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को समुचित चिकित्सा सुविधा सुलभ हो सके। इसके अतिरिक्त डीसी हेमंत सती ने तालझारी प्रखंड में स्थित बाल संरक्षण कार्यालय का भी दौरा किया। कार्यक्रम के अंत में डीसी ने स्वास्थ्य केंद्र में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उनका यह दौरा प्रशासनिक तत्परता और जनसरोकार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, स्वास्थ्य केंद्र के समस्त चिकित्सक, नर्स, पारा मेडिकल स्टाफ सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद थे। सभी ने स्वास्थ्य केंद्र की शुरूआत को तालझारी के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया और डीसी का आभार प्रकट किया।

हस्तिपाड़ा गांव में 45 वर्षीय बिजली मिस्त्री को करंट लगने से मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के हस्तीपाड़ा गाँव निवासी 45 वर्षीय बिजली मिस्त्री शरीफूल इस्लाम की करंट लगने से मौत हो गई। वे बिजली विभाग के अधीन कार्यरत एक निजी कंपनी गीतराज इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड में लाइन मैन के रूप में कार्यरत थे। घटना उस समय हुई जब वे श्रीकुंड में 440 एलटी वायर की मरम्मत कर रहे थे।जानकारी के अनुसार, मरम्मत कार्य के दौरान अचानक उन्हें करंट लग गया। उन्हें तुरंत श्रीकुंड स्थित आलशिफा अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिजनों को गहरा सदमा लगा। शव घर पहुँचते ही गाँव में मातमी माहौल पसर गया। मृतक शरीफूल इस्लाम अपने पीछे पत्नी, दो बेटे और चार बेटियों को छोड़ गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, वे बेहद ईमानदार और कर्मठ मिस्त्री थे और क्षेत्र में उनकी अच्छी पहचान थी। इस घटना के बाद गुमानी क्षेत्र में शोक की लहर है। शरीफूल इस्लाम की मौत ने एक बार फिर बिजली विभाग और उससे जुड़ी निजी ठेका कंपनियों की लापरवाही को उजागर कर दिया है। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड द्वारा ठेके पर नियुक्त कंपनियों को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी जाती है कि बिजली मिस्त्री को उचित प्रशिक्षण और सभी आवश्यक सुरक्षा उपकरण मुहैया कराए जाएं। लेकिन जमीनी हकीकत इससे एकदम उलट है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में अधिकांश लाइन मैन बिना सुरक्षा बेल्ट, दस्ताने, हेलमेट और अन्य जरूरी उपकरणों के बगैर काम करने को मजबूर हैं। यही नहीं, बिजली ट्रांसफार्मरों पर एबी स्विच जैसी बुनियादी सुरक्षा व्यवस्था भी अक्सर या तो नदारद रहती है या खराब पड़ी होती है। श्रीकुंड में जहाँ हादसा हुआ, वहाँ भी ट्रांसफार्मर पर एबी स्विच नहीं लगा था। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि जब विभाग की ओर से सुरक्षा मानकों को लेकर दिशा-निर्देश पहले से तय हैं, तो फिर उन पर अमल क्यों नहीं हो रहा? क्या सिर्फ मुआवजा देकर विभाग और कंपनियाँ अपनी जिम्मेदारियों से बच सकती हैं? स्थानीय लोगों ने माँग की है कि मृतक के परिजनों को समुचित मुआवजा दिया जाए, दोषी अधिकारियों और कंपनी के खिलाफ जाँच कर कड़ी कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में किसी भी बिजली मिस्त्री के साथ ऐसा दुर्घटना ना हो।

किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए धान रोपने खेत में उतरे डीएओ और बीडीओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लिट्टीपाड़ा : ज़िले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड में बारिश शुरू होने के साथ किसानों के चेहरे से मायूसी हटी है। किसानों ने खेतों में धान रोपाई शुरू कर दी है। किसानों के बीच धान उत्पादन की उन्नत तकनीक विधि को प्रोत्साहित करने के लिए जिला कृषि पदाधिकारी मृत्युजंय कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी लिट्टीपाड़ा संजय कुमार ने खेतों में उतरकर धान रोपनी की। एनएफएसएनएम (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन) योजना के अंतर्गत गत माह धान प्रभेद सेवा 7301 धान बीज सूरजबेड़ा पंचायत के मोहनपुर ग्राम के किसानों के बीच वितरण किया गया था। उन्हीं किसानों के खेत में आज श्री विधि से धान रोपाई की गई जिसमें जिला कृषि पदाधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी ने धान रोपनी कर किसानों को प्रोत्साहित किया। मौके पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी के.सी.दास, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक रामेश्वर मुर्मू, एनएफएसएम के तकनीकी सहायक चित्तरंजन कुमार, आशा संस्था के मोहन साहा और साबित्री टुडू ने भी धान रोपनी किया। धान रोपनी में काफी संख्या में किसान मौजूद थे।

बोरिया पुलिस ने दो वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत दो वारंटी को बोरियो पुलिस ने हत्या करने की कोशिश में गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार बोरियो थाना कांड संख्या 54/25, दिनांक 8 जुलाई 2025, धारा 115(2)/118(1)/109/352/351(2)/3(5) बीएनएस प्राथमिक अभियुक्त चोपय हांसदा उम्र 51 वर्षीय, पिता मारी हांसदा उर्फ बुधराय हांसदा, व हथिया हांसदा उर्फ काबुज हांसदा उम्र 42 वर्षीय, पिता मारी हांसदा उर्फ बुधराय हांसदा, दोनों का साकिन बॉसजोरी रामपुर को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर कागजी प्रक्रिया करने के उपरांत चिकित्सा जांच कराने के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी पर डॉ मुकेश कुमार ने तुरंत चिकित्सा जांच करने में लग गए। जांच के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

गलत आधार जोड़ने से हुई राशन कार्ड में गड़बड़ी, शिकायत के बाद हुआ समाधान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : प्रखंड मुख्यालय के पोआल पंचायत के तारापुर गांव निवासी दिनेश मुर्मू ने अपनी बहन बीटी मुर्मू का राशन कार्ड में गलत आधार संख्या जोड़ देने ओर फिर ई केवाईसी नहीं होने को लेकर शिकायत दर्ज कराया था। शिकायत में बताया गया था कि बीटी मुर्मू का आधार कार्ड राशन कार्ड में नहीं जोड़कर किसी और का आधार कार्ड जोड़ दिया गया है, जिस वजह से ई केवाईसी नहीं हो रही है। शिकायत भारत सरकार के पीजी पोर्टल में जनवरी माह में दर्ज कराई गई थी। जिसके बाद गुरूवार को केंद्र सरकार के भारत खाद्य निगम विभाग की टीम मामले की जांच पड़ताल करने पहुंची। जांच के क्रम में पाया गया कि शिकायतकर्ता के समस्या का समाधान हो गया है। प्रखंड मुख्यालय बोरियो में जांच टीम द्वारा शिकायतकर्ता से सभी समस्याओं को लेकर सवाल जवाब लिया गया। हालांकि सुधार हो जाने के कारण जांच टीम भी संतुष्ट दिखी।

मामले पर शिकायत कर्ता ने बताया कि उनकी बहन के आधार संख्या को राशन कार्ड से नहीं जोड़कर किसी और का आधार संख्या जोड़ दिया गया था, जिस कारण ई केवाईसी के दौरान उन्हें काफी परेशानी हुई थी। जिसके बाद पीजी पोर्टल में शिकायत दर्ज कराया गया था, जिसका समाधान हो चूका है। जांच के क्रम में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य मौजूद थे।

अबूआ आवास में भारी अनियमितता, बिना कार्य, बिना जिओ टैग के मिला दो किस्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सदर प्रखंड क्षेत्र के रूमनी बीबी पति शेख सुफन, साकिन गंगा प्रसाद पश्चिम, वार्ड नंबर 1 प्रखंड साहिबगंज में अबूआ आवास का पहला किस्त 30 हजार आया था, जिसमें लाभुक द्वारा एक भी ईट नहीं जोड़ा गया फिर भी गलत तरीके से जिओ टेक कर दूसरा किस्त 50 हजार रुपए डाल दिया गया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी से व्हाट्सएप के द्वारा बताया गया तो प्रखंड विकास पदाधिकारी के आदेशानुसार स्वयंसेवक/पंचायत सहायक रमेश टुडू द्वारा जांच किया गया। जांच करने के उपरांत पाया गया कि लाभुक द्वारा स्थल में कहीं भी एक ईट नहीं जोड़ा गया ना कोई कंस्ट्रक्शन का काम कराया गया है,इससे साफ पता चलता है कि ब्लॉक कर्मी द्वारा सरकारी पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसमें कई बार आवेदन देने पर भी कोई कार्रवाई नहीं किया जाता है और ब्लॉक कर्मी द्वारा बोला जाता है जो करना है करो ऐसा ही होता है। कंप्यूटर ऑपरेटर राजेश कुमार, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर वंदना कुमारी, आवास मित्र सुजाता कुमारी, द्वारा पैसों का बंदर बांट किया जा रहा है जांच कर भ्रष्ट कर्मी के ऊपर उचित कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। पूर्व में भी अबूआ आवास में अनियमितता को लेकर उपायुक्त ने जांच करने का आदेश दिया था।

क्या कहते हैं सदर प्रखंड बीडियो सह सीओ

साहिबगंज सदर प्रखंड बीडियो सह सीओ बासुकीनाथ टुडू से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि यह बात संज्ञान में आया है। बिना जिओ टैग, बिना कार्य के ही दो किस्त लाभुक को मिल गया है और कैसे मिला है संबंधित पंचायत सेवक से स्पष्टीकरण मांगा गया है। आगे उन्होंने ने बताया कि संबंधित पंचायत सेवक जांच करने के उपरांत स्पष्टीकरण आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

बरहेट के सब्जी मंडी और बर्तन पट्टी के दुकानदार हटा रहे अतिक्रमण

बरहेट: गुरुवार को बरहेट प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी अंशु कुमार पांडे बड़ी दुर्गा मंदिर बरहेट के समीप पहुंचकर सब्जी मंडी सड़क और बर्तन पट्टी की सड़क के दुकानदारों को अबिलंब अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया। मालूम हो कि इससे पूर्व भी प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी अंशु कुमार पांडे ने मौके पर पहुंचकर दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिए थे। वहीं गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी द्वारा दिए गए अंतिम निर्देश के बाद कई दुकानदार सड़क से अतिक्रमण हटाते नजर आए।

सदर अस्पताल में मासिक दिव्यांगता जांच शिविर में दो दर्जन से अधिक लोगों का किया गया स्वास्थ्य जांच

साहिबगंज: जिला मुख्यालय के सबसे बड़े सदर अस्पताल स्थित वेयर हाउस सभागार में गुरुवार को मासिक दिव्यांगता जांच शिविर आयोजित किया गया। जहां इस जांच शिविर में नेत्र रोग, अस्थि रोग, ईएनटी रोग व मानसिक रोगों से ग्रसित दो दर्जन से अधिक लोगों का स्वास्थ्य जांच उपस्थित चिकित्सकों ने किया। हालांकि जिले में रुक रुककर हो रही बारिश के कारण दूरदराज इलाकों के मरीज नहीं पहुंच पाए थे। इस मासिक दिव्यांगता जांच शिविर के मौके पर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल वर्मा, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. सचिन कुमार, ईएनटी रोग विशेषज्ञ डॉ. सत्य प्रकाश समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी मुख्य रूप से मौजूद थे।

बाबू पुस्तकालय एवं हरिणडंगा में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

पाकुड़ : ज़िले में इंटीग्रेटेड एक्टिव केस सर्च अभियान के अंतर्गत पाकुड़ शहर के वार्ड नंबर 16 एवं बाबू पुस्तकालय में स्वास्थ्य विभाग की ओर से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ० आदित्य रंजन, चिकित्सा पदाधिकारी, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़ के द्वारा सामान्य एवं गंभीर बीमारियों की जांच किया गया। गंभीर बीमारियों की जांच के साथ साथ रोगी को सलाह देते हुए सदर अस्पताल पाकुड़ रेफर किया गया तथा सामान्य बीमारियां जैसे हाइपरटेंशन, सुगर, सर्दी, खांसी, बुखार, हाथ, पैर का फूलना, कमजोरी, एनीमिया इत्यादि जैसे बीमारियों को शिविर में ही जांच करते हुए उपचार किया गया। जिला आर सी एच पदाधिकारी डॉ० एस के झा एवं जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉक्टर के.के सिंह के द्वारा शिविर का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान डॉ एस के झा एवं डॉ के के सिंह के द्वारा भी मरीजों का डायग्नोस किया गया। डॉ झा ने बताया कि आज मौसम खराब होने के बावजूद भी कैंप में कुल 80 मरीजों की जॉच किया गया। शिविर में जीएनएम रोशा एरिस टीगा, एएनएम, पॉलिना प्रमिला मुर्मू, कुमकुम पाल, रूमी मंडल, लैब टेक्नीशियन मधुसूदन मंडल, एमपीडब्ल्यू रवि मरांडी, लोक स्वास्थ्य प्रबंधक मोहम्मद फहीम अख्तर, संजीव कुमार एवं सहिया इंद्राणी, रीता देवी, फरीदा बेगम का योगदान सराहनीय रहा।

जिला स्तरीय स्क्रीनिंग समिति के बैठक में कुल 54 कर्मियों को एमएसीपी का लाभ मिला

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय स्क्रीनिंग समिति की बैठक की। बैठक में कुल 54 कर्मियों को एमएसीपी का लाभ प्रदान करने का निर्णय लिया गया।जिसमें प्रधान सहायक, लिपिक,ग्राम सेविका व अनुसेवक शामिल हैं। विदित हो कि एमएसीपी का लाभ वैसे कर्मियों को दिया जाता है जिनकी संतोषप्रद सेवाकाल दस वर्ष पूरा हो चुका है। बैठक के दौरान जिन कर्मियों का संतोषप्रद सेवा 10 वर्ष पूरा हो गया था,उन्हें प्रथम एमएसीपी का लाभ,जिनका सेवा 20 वर्ष उन्हें द्वितीय एमएसीपी और जिनकी सेवा 30 वर्ष पूरा हो चुका था,उन्हें तृतीय एमएसीपी का लाभ प्रदान किया गया हैं। साथ ही सेवा संपुष्टि के कुल 11 मामलों में 8 कर्मियो की सेवा संपुष्टि की गई। बैठक में अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, स्थापना उप समाहर्ता मनीष कुमार उपस्थित रहे।

बिजली तार पर झूलता पेड़ मुख्य सड़क पर गिरा, प्रशासन की तत्परता से टला बड़ा हादसा

पटमदा : गुरुवार को टाटा - पटमदा मुख्य मार्ग किनारे जलडहर पेट्रोल पंप के पास एक पेड़ एलटी लाइन के तार के सहारे लटक रही थी।जो एक बड़े हादसे को न्यौता दे रही थी। इसकी सूचना मिलने पर पटमदा थाना प्रभारी करमपाल भगत ने सक्रियता दिखाई और अंचलाधिकारी एवं बिजली विभाग को जानकारी दी। इसके बाद थाना प्रभारी के साथ अंचलाधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमार दास, ग्राम प्रधान बृंदावन दास व बिजली विभाग के कर्मचारी मोहम्मद महमूद पहुंचे दोपहर को सड़क पर गिरे पेड़ को काटकर लाइन को क्लियर कर दिया। इससे संभावित खतरा टल गया।इस संबंध में थाना प्रभारी करमपाल भगत ने बताया कि आज सुबह साढ़े 10 बजे सूचना मिली कि भारी बारिश के कारण टाटा-पटमदा मुख्य सड़क के किनारे जलडहर में एक पेड़ बिजली तार के ऊपर सटा हुआ है। इस घटना में केबल तार भी क्षतिग्रस्त हुआ है। अगर त्वरित कार्रवाई नहीं की जाती तो कभी भी यह पेड़ बिजली के तार समेत मुख्य सड़क पर गिरने से राहगीरों को दिक्कत होती ।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 85.70 पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.56 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये ने उतार-चढ़ाव के बाद सीमित दायरे में कारोबार किया। अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता में मामूली प्रगति और भारतीय निर्यातों पर शुल्क की समय सीमा बढ़ाए जाने से बाजारों को अल्पकालिक राहत मिली है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.62 पर खुला। फिर 85.56 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.73 पर स्थिर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ 97.37 पर आ गया।

आईडीबीआई बैंक की बिक्री अक्तूबर तक

नई दिल्ली । आईडीबीआई बैंक की रणनीतिक बिक्री अक्तूबर तक पूरी होने की संभावना है। एक अधिकारी ने बताया कि सरकार ने शेयर खरीद समझौते पर चर्चा की है, जो वित्तीय बोली लगाने वाले बोलीदाताओं को दिया जाएगा। आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया पिछले तीन साल से चल रही है। सरकार ने अक्तूबर, 2022 में सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी के साथ मिलकर आईडीबीआई बैंक के निजीकरण के लिए निवेशकों से कुल 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने को रुचि पत्र मांगे थे। इसमें भारत सरकार की 30.48 प्रतिशत और एलआईसी की 30.24 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है।

दिग्गज ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने निफ्टी के लिए 30,000 का टारगेट तय किया

मुंबई । दिग्गज ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने गुरुवार को निफ्टी के लिए 30,000 का टारगेट तय कर दिया और कहा कि वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही से भारतीय कॉरपोरेट्स की आय में रिकवरी शुरू हो जाएगी, जिसका इंतजार लंबे समय से हो रहा है। ब्रोकरेज फर्म की ओर से जारी की गई इंडिया इक्विटी स्ट्रेटजी रिपोर्ट में कहा गया कि अगले छह से नौ महीनों में बुल केस में निफ्टी 30,000 के लक्ष्य तक पहुंच सकता है। वहीं, बेस केस के लिए लक्ष्य 26,500 दिया। इसके अलावा ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने कहा, हमारा मानना है कि यह तिमाही आय में सुधार के लिए आधार तैयार करेगी, जो निम्न आधार और आर्थिक गति में पुनरुद्धार से प्रेरित होगी। ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक हेल्थकेयर का प्रदर्शन इस तिमाही में सबसे बेहतर रहा है। वित्त वर्ष 26 की अप्रैल-जून अवधि में हमारे द्वारा कवर होने वाली कंपनियों की आय वृद्धि दर 15 प्रतिशत और ईबीआईटीडीए वृद्धि दर 19 प्रतिशत रह सकती है। इसकी वजह क्षमता विस्तार, अधिक टैरिफ और निम्न आधार होना है। इसके अलावा ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि निजी जीवन बीमा कंपनियों द्वारा सालाना आधार पर 8 प्रतिशत से अधिक की वीएनबी (वैल्यू ऑफ न्यू बिजनेस) वृद्धि दर्ज होने की संभावना है, जिसका मुख्य कारण अधिक बिक्री होना है। ब्रोकरेज फर्म के अनुसार, सीमेंट कंपनियों से स्थिर आय की उम्मीद है, इसकी वजह कीमतों में बढ़ोतरी होना है। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर बिक्री कमजोर हो सकती है, लेकिन कीमतों में बढ़ोतरी से ईबीआईटीडीए/टन चौथी तिमाही के दायरे में रहेगा। उन्होंने कहा कि मौसमी प्रतिकूलताएं और साल के अंत में क्षमता में बड़े पैमाने पर वृद्धि, दीर्घकालिक मूल्यांकन में वृद्धि को सीमित कर सकती है।

एलपीजी पर नुकसान की भरपाई को लेकर तेल कंपनियों को मिलेगी सब्सिडी

- 30,000 से 35,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की लागत से कम कीमत पर बिक्री की वजह से हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों इंडियन ऑयल (आईओसी), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) को 30,000 से 35,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने पर विचार कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार वित्त मंत्रालय वर्तमान में वास्तविक घाटे का आकलन कर रहा है और इसकी भरपाई के लिए तंत्र विकसित किया जा रहा है। हालांकि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में एलपीजी सब्सिडी के लिए कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं किया गया है, लेकिन सरकार ने अप्रैल 2025 में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर करीब 32,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व जुटाया है। संभावना है कि इसी अतिरिक्त राजस्व से तेल कंपनियों को हुए घाटे की भरपाई की जाएगी। घरेलू एलपीजी की कीमतें अंतरराष्ट्रीय मानक सऊदी सीपी की तुलना में काफी कम रखी जाती हैं ताकि आम जनता को राहत मिल सके। चूंकि देश में एलपीजी का उत्पादन स्थानीय मांग के अनुरूप नहीं है, इसलिए आयात पर निर्भरता बनी हुई है। इससे तेल कंपनियों को नुकसान होता है। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-25 में इन्हें एलपीजी बिक्री से लगभग 40,500 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। सरकार द्वारा नुकसान की भरपाई के बाद, कंपनियां इस राशि का उपयोग पूंजीगत व्यय सहित अन्य जरूरतों में कर सकेंगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि तेल कंपनियां सरकारी स्वामित्व वाली हैं, इसलिए उनके नुकसान की भरपाई की जाएगी।

रूस में मजदूरों की कमी, भारत से 10 लाख श्रमिक बुलाने की तैयारी

- मेटल फैक्ट्रियों, मशीन निर्माण इकाइयों और कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स में श्रमिकों की जरुरत

नई दिल्ली । रूस इस समय गंभीर श्रमिक संकट का सामना कर रहा है। यूक्रेन युद्ध के चलते लाखों रूसी युवा सेना में भर्ती हो चुके हैं, जिससे निर्माण और औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की भारी कमी हो गई है। इस कमी को पूरा करने के लिए रूस ने भारत की ओर रुख किया है। रूसी योजना के अनुसार, वर्ष 2025 के अंत तक भारत से करीब 10 लाख श्रमिकों को बुलाया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस की बड़ी कंपनियां चाहती हैं कि भारतीय मजदूर उनकी मेटल फैक्ट्रियों, मशीन निर्माण इकाइयों और कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स में काम करें। ये कार्य शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन इनकी मजदूरी अच्छी होगी। रूस, भारतीय श्रमिकों के लिए वीजा और दस्तावेजी प्रक्रिया को आसान बनाने हेतु भारत में एक नई व्यवस्था तैयार कर रहा है, ताकि मजदूर बिना ज्यादा परेशानी के वहां काम करने जा सकें। हालांकि, भारतीय मजदूरों के सामने कुछ चुनौतियाँ भी होंगी। रूस की सर्दियाँ बेहद कठोर होती हैं, जहां तापमान -15 से -20 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। इसके अलावा, भाषा, संस्कृति और खानपान में भी बड़ा अंतर है। फिर भी रूसी कंपनियों का कहना है कि वे भारतीय श्रमिकों को गर्म कपड़े, उचित आवास और भोजन की पूरी सुविधा देंगी। इस योजना से भारत में बेरोजगारी कम होने की संभावना है, लेकिन साथ ही यह जरूरी होगा कि भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा, अधिकार और शोषण से रक्षा सुनिश्चित की जाए।

स्टारलिंक की भारत में धमाकेदार एंट्री, क्या अब बिना नेटवर्क के भी होगी कॉलिंग, चलेगा इंटरनेट

नई दिल्ली । दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू करने की अंतिम नियामक मंजूरी मिल गई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से ये दावा किया कि अंतरिक्ष नियामक एजेंसी इन-स्पेस ने हरी झंडी दे दी है। स्टारलिंक तीसरी कंपनी है, जिसे भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस ऑपरेट करने का लाइसेंस मिला है। इससे पहले ईयूटेलसेट वनवेब और रिलायंस जियो को मंजूरी मिली थी। यह सेवा मंजूरी आठ अप्रैल से पांच साल की अवधि के लिए या जनरेशन 1 समूह के परिचालन जीवन की समाप्ति तक, जो भी पहले हो, के लिए वैध है।

स्टारलिंक जेन1 कॉन्स्टेलेशन

सेवाओं का क्रियान्वयन निर्धारित नियामकीय प्रावधानों और संबंधित सरकारी विभागों से अपेक्षित मंजूरी, अनुमोदन और लाइसेंस के अधीन है। स्टारलिंक जेन1 कॉन्स्टेलेशन एक वैश्विक मंडल है जिसमें 4,408 उपग्रह 540 किलोमीटर से 570 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी का चक्कर लगा रहे हैं। यह भारत में लगभग 600 गीगावाट प्रति सेंकंड 'जीबीपीएस' की क्षमता प्रदान करने में सक्षम है। स्टारलिंक 2022 से ही वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने के लिए भारतीय बाजार पर नजर गड़ाए हुए थी। स्टारलिंक पिछले महीने, यूटेलसैट वनवेब और जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस के बाद भारत में उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए दूरसंचार विभाग (डीओटी) से लाइसेंस प्राप्त करने वाली तीसरी कंपनी बन गई। हालांकि, जिन कंपनियों को लाइसेंस मिल चुका है, उन्हें वाणिज्यिक उपग्रह संचार स्पेक्ट्रम के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा, क्योंकि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने हाल ही में मूल्य निर्धारण और नियम व शर्तों पर अपनी सिफारिशें सरकार को विचार करने के लिए भेजी हैं। स्पेक्ट्रम के आवंटन के बाद कंपनियां अपनी सेवाएं शुरू कर सकेंगी।

स्टारलिंक क्या है और यह कैसे काम करता है?

स्टारलिंक एक सैटेलाइट-बेस्ड इंटरनेट सर्विस है, जो लो अर्थ आर्बिट (एलईओ) सैटेलाइट्स के नेटवर्क के जरिए तेज़ इंटरनेट पहुंचाने का काम करती है। पारंपरिक ब्रॉडबैंड या मोबाइल नेटवर्क की तरह, जहां इंटरनेट केबल या टावरों के जरिए मिलता है। वहीं स्टारलिंक का इंटरनेट सीधा सैटेलाइट से यूजर के घर तक आता है। यूजर्स को स्टारलिंक डिश और स्टारलिंक राउटर्स की जरूरत होगी। जो सैटेलाइट से कम्युनिकेट करेगा।

सोना 96,600 के पार, चांदी भी लगभग 1.07 लाख रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली । स्थानीय बाजार में गुरुवार के कारोबारी दिन सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। घरेलू बाजार में सोने के भाव 96,600 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,07,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी गिरावट के साथ खुलने के बाद सुधर गई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 87 रुपये की तेजी के साथ 96,548 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,461 रुपये था। फिलहाल यह 164 रुपये की तेजी के साथ 96,625 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 55 रुपये की तेजी के साथ 1,07,320 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,07,265 रुपये था। फिलहाल यह 190 रुपये की तेजी के साथ 1,07,455 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,322.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,321 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.60 डॉलर की तेजी के साथ 3,326.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.60 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.63 डॉलर था। इस समय यह 0.04 डॉलर की तेजी के साथ 36.67 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

आसियान के साथ व्यापार समझौते की समीक्षा वार्ता में तेजी के प्रयास: गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत-आसियान वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा को लेकर बातचीत जारी है और भारत चाहता है कि यह प्रक्रिया तेज़ हो। यह बात उन्होंने मलेशिया के निवेश, व्यापार एवं उद्योग मंत्री टी. जफरुल अजीज के साथ एक बैठक के बाद कही। गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि मलेशिया, जो आसियान में भारत का स्थायी समन्वयक है, के साथ व्यापार और निवेश के मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने भारत-आसियान वस्तु व्यापार समझौते की वर्तमान समीक्षा प्रक्रिया और उससे जुड़ी चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। गोयल ने कहा कि भारत आसियान सदस्य देशों के साथ निष्पक्ष व्यापार और संतुलित वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए त्वरित बातचीत की अपेक्षा करता है। इसके साथ ही, भारत और मलेशिया के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते को भी आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। भारत-आसियान वस्तु व्यापार समझौते पर 2009 में हस्ताक्षर किए गए थे और यह जनवरी 2010 से लागू हुआ। अगस्त 2023 में भारत और आसियान ने तय किया था कि 2025 तक समझौते की पूरी समीक्षा की जाएगी। लेकिन अब तक वार्ता धीमी गति से चल रही है। भारतीय उद्योग जगत लंबे समय से इस समझौते की समीक्षा की मांग करता रहा है ताकि व्यापार में असंतुलन दूर हो और समझौता अधिक लाभकारी और टिकाऊ बन सके। आसियान में 10 देश शामिल हैं- ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलीपीन, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम।

पेट्रोल-डीजल के भाव में यूपी से बिहार हुआ बदलाव

– ब्रेंट क्रूड का भाव 70.00 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार सुबह देशभर में पेट्रोल और डीजल के खुदरा भाव में बदलाव कर दिया है। गुरुवार को यूपी से लेकर बिहार तक कई शहरों में तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव दिख रहा है। वैश्विक बाजार में क्रूड का भाव 70 डॉलर के पार जाने के बावजूद तेल कंपनियों ने ज्यादातर शहरों में तेल की कीमतों को सस्ता किया है। इतना ही नहीं दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 8 पैसे महंगा होकर 94.85 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 9 पैसे चढ़ा और 87.98 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96 पैसे गिरकर 94.44 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 1.09 पैसे नीचे आकर 87.51 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 18 पैसे गिरावट के साथ 105.23 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 17 पैसे गिरकर 91.49 रुपये लीटर बिक रहा है। कच?चे तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। ब्रेंट क्रूड का भाव 70.00 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर बना हुआ है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी बढ़त के साथ 68.13 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर ही बना हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

देश की चार बड़ी ब्रोकिंग कंपनियों ने करीब 20 लाख निवेशक गंवाए

– जून महीने में चारों ब्रोकिंपि कंपनियों ने लगभग 6 लाख क्लाइंट्स खोए

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस वर्ष की शुरुआत में शेयर बाजार से अच्छा रिटर्न मिलने के बावजूद देश की चार बड़ी ब्रोकिंग कंपनियों ग्रो, जेरोधा, एंजल वन और अपस्टाक्स ने कुल मिलाकर करीब 20 लाख एक्टिव इनवेस्टर्स गंवा दिए हैं। अकेले जून महीने में इन चारों ने लगभग 6 लाख क्लाइंट्स खोए हैं। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह है एफएंडओ (फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस) से रिटेल निवेशकों की घटती दिलचस्पी। सेबी द्वारा 2024 में लागू किए गए सख्त नियम - जैसे अधिक मार्जिन ज़रूरत, टैक्स का बोझ, साप्ताहिक एक्सपायरी कम होना और ट्रेडिंग की पूंजी सीमा बढ़ना, के कारण एफएंडओ ट्रेडिंग अब कम आकर्षक हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशकों को लगातार मुनाफा नहीं हो पा रहा और वोलटाइल मार्केट में रिसर्च और गाइडेंस की कमी से नुकसान झेलने के बाद वे ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म्स छोड़ रहे हैं। कई नए निवेशक अब म्यूचुअल फंड्स, पीएमएस और एआईएफएस जैसे सुरक्षित और प्रोफेशनल इनवेस्टमेंट विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। ग्रो ने हाल ही में आईपीओ के लिए सेबी के पास आवेदन किया है, लेकिन निवेशकों के नुकसान का असर इसकी छवि पर पड़ सकता है।

चालू वित्त वर्ष में आईपीओ बाजार में उछाल

– कंपनियों ने सेबी के पास 1.60 लाख करोड़ के प्रस्ताव जमा किए

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। चालू वित्त वर्ष 2025 में भारतीय आईपीओ बाजार में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। अब तक 70 कंपनियों ने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास मसौदा प्रस्ताव (डीआरएचपी) जमा कराया है। जबकि जनवरी 2025 से अब तक यह संख्या 120 तक पहुंच चुकी है। ये सभी कंपनियां मिलकर 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाने की योजना बना रही हैं। सेबी के नियमों के अनुसार कंपनियों को मसौदा जमा कराने के एक वर्ष के भीतर आईपीओ लाना होता है। इस वित्त वर्ष में अप्रैल में 24, मई में 17, जून में 18 और जुलाई में अब तक 14 कंपनियों ने अपने प्रस्ताव दाखिल किए हैं। कुछ प्रमुख आईपीओ में मीशो 4,250 करोड़, पाइन लैब्स 6,000 करोड़, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड 10,000 करोड़ और क्रेडिला 5,000 करोड़ जुटाने की योजना में हैं। अब तक 26 कंपनियां बाजार से 48,234 करोड़ रुपए जुटा चुकी हैं। गुजरात की क्रायोजनिक ओजीएस कंपनी के आईपीओ को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। कंपनी ने 17.77 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा था लेकिन निवेशकों ने 8,220 करोड़ की बोलियां लगाईं। कंपनी का शेयर 245 के इश्यू मूल्य पर 15 फीसदी की बढ़त के साथ 280 रुपए पर लिस्ट हुआ। आगामी आईपीओ में स्मार्टवर्क्स 407 और एंथम बायोसाइंसेस 570 के भाव पर बाजार में उतरेंगी। रक्षा उपकरण निर्माता एसएमपीपी 4,000 करोड़ रुपए जुटाएगी और भारतीय सेना को 300 करोड़ के दो ऑर्डर के तहत जैकेट्स और हेलमेट्स की आपूर्ति करेगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

– सेंसेक्स 346 और निफ्टी 121 अंक गिरा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 345.80 अंकों की गिरावट के साथ ही 83,190.28 अंकों पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 120.85 अंक फिसलकर 25,355.25 अंकों पर बंद हुआ। आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी से हुई पर कुछ समय बाद ही बिकवाली के कारण इसमें गिरावट आने लगी।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 22 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। वहीं केवल 8 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ बंद हुए। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से केवल 12 कंपनियों के शेयर ही बढ़कर बंद हुए जबकि 38 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल मारुति सुजुकी के शेयर सबसे ज्यादा 1.36 फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए जबकि भारती एयरटेल के शेयर 2.63 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की बाकी कंपनियों में आज टाटा स्टील के शेयर 1.01 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.69 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.66 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.41 फीसदी, टीसीएस 0.38 फीसदी, ट्रेंट 0.24 फीसदीबढ़त के साथ बंद हुए।

सरी तरफ एशियन पेंट्स के शेयर 1.92 फीसदी, बीईएल 1.05फीसदी , टेक महिंद्रा 0.94 फीसदी, इंफोसिस 0.82फीसदी, एचसीएल टेक 0.74 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.67 फीसदी, आईटीसी 0.66 फीसदी, एनटीपीसी 0.64 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.63 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.60 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.55 फीसदी , महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.51 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.43 फीसदी, की गिरावट के साथ बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार की लाल निशान के साथ ही शुरुआत हुई पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों और जून तिमाही के नतीजों से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे थे। सुबह सेंसेक्स 122 अंक की बढ़त लेकर 83,658.20 पर खुला। हालांकि, कुछ ही देर में यह लाल निशान में फिसलकर 51.59 अंक की गिरावट लेकर 83,484.49 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ हरे निशान पर खुला पर कुछ समय बाद ही यह लाल निशान में फिसल गया जो 20.15 अंक की गिरावट के साथ 25,455.95 पर कारोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.39 फीसदी और टोपिक्स 0.48 फीसदी नीचे रहे। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.91 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.65 फीसदी की तेजी में रहा। दूसरी ओर अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान पर बंद हुए। नेस्डेक इंडेक्स 0.94 फीसदी की बढ़त के साथ 20,611.34 पर बंद हुआ, जो रिकॉर्ड स्तर है। एसएंडपी 500 में 0.61 फीसदी की तेजी आई और यह 6,263.26 पर बंद हुआ। डॉओ जोंस इंडेक्स भी 0.49 फीसदी की बढ़त के साथ 44,458.30 पर बंद हुआ।

राष्ट्रपति ट्रंप ने दिया मौका... व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने भारतीय दल फिर जाएगा अमेरिका

-ट्रंप प्रशासन से मिली राहत से भारत का पक्ष होगा मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय वाणिज्य मंत्रालय का एक दल जल्द फिर से अमेरिका जाने वाला है। यह यात्रा तब हो रही है, जब अमेरिका ने भारत सहित कई देशों पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ को 1 अगस्त तक के लिए निलंबित किया है।

हालिया घटनाक्रम में भारतीय दल ने 26 जून से 2 जुलाई तक वाशिंगटन का दौरा किया था, जहाँ उन्होंने एक अंतरिम व्यापार समझौते (मिनी ट्रेड डील) को अंतिम रूप देने का प्रयास किया। हालाँकि, कृषि, डेयरी और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में कुछ मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी।

वहं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को भारत सहित कई देशों पर 26 प्रतिशत का जवाबी टैरिफ लगाया था, लेकिन बाद में 9 जुलाई तक 90 दिनों के लिए निलंबित किया था। इस निलंबन को हाल ही में 1 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है, जिससे भारतीय निर्यातकों को अस्थायी राहत मिली है और दोनों देशों को व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अधिक समय मिला है।

भारत की अमेरिका से माँगें- भारत श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे कपड़ा, रत्न और आभूषण, चमड़ा, परिधान, प्लास्टिक और रसायन में टैरिफ रियायतों की माँग कर रहा है। इसके अलावा, भारत फार्मास्यूटिकल्स जैसे महत्वपूर्ण निर्यात क्षेत्रों पर अतिरिक्त टैरिफ से छूट चाहता है, क्योंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा दवा निर्यात बाजार है। जहां भारत ट्रंप प्रशासन से मिलने वाली छूट का पूरी तरह से भूनना चाहता है। भारत किसी भी हालात में इन सेक्टर में टैरिफ छूट की उम्मीद कर रहा है। ताकि देश को दुनिया की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने में कोई दिक्कत नहीं आए।

मतभेद वाले क्षेत्र- कृषि और डेयरी जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों में मतभेद बने हुए हैं। अमेरिका आनुवंशिक रूप से संशोधित (जेनेटिकली मॉडिफाइड) फसलों जैसे मक्का और सोयाबीन के लिए भारत से अपने बाजार खोलने की माँग कर रहा है, इस मांग को भारत ने अपनी स्थानीय कृषि और किसानों के हितों को देखकर अस्वीकार कर दिया है।

वहीं ट्रंप प्रशासन ने जापान, दक्षिण कोरिया, ब्राजील और फिलीपींस सहित 20 देशों को टैरिफ पत्र जारी किए हैं, जिन पर 20 से 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए गए हैं। हालाँकि, भारत को अभी तक ऐसा कोई पत्र नहीं मिला है, जो व्यापार वार्ता में भारत की मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

आगे की योजना- भारतीय दल अगले सप्ताह वाशिंगटन में होने वाली वार्ता में भाग ले सकता है, हालाँकि सटीक तारीखों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। दोनों पक्ष सितंबर या अक्टूबर तक प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण को अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप द्वारा टैरिफ कार्यान्वयन की समय सीमा को बढ़ाने से भारत को अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका मिला है।

जनसुराज नेता ने गिरिराज के कहने पर तोड़ा अनशन

केंद्रीय मंत्री बोलेः पप्पू यादव का हुआ अपमान, संविधान की रक्षा करेंगे पीएम मोदी

बेगूसराय। गंगा नदी पर मटिहानी-शाम्हो पुल की मांग को लेकर जन सुराज के नेता डॉ. रंजन चौधरी आमरण अनशन कर रहे थे। उनके अनशन के आज तीसरे दिन केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने उन्हें आश्वासन दिया। इसके बाद उनका अनशन खत्म हुआ है। यहां पहुंचे गिरिराज सिंह ने कहा है कि पप्पू यादव का अपमान हुआ है। राहुल गांधी खुद डमी है, इसलिए वो डमी संविधान लेकर घूमते है। संविधान की रक्षा पीएम मोदी करेंगे।

डॉ. रंजन चौधरी बहुप्रतिक्षित मटिहानी-शाम्हो के बीच गंगा नदी पर पुल बनाने की मांग को लेकर 8 जुलाई से बैठे थे। अनशन की सूचना पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पहुंचे। गिरिराज सिंह ने कहा है कि डॉ. रंजन चौधरी जिले के एक प्रतिष्ठित डॉक्टर है। ये 2 दिनों से अपने पुल के मांग के साथ अनशन कर रहे थे। इसमें समय लगता है। इनको जानकारी नहीं थी। इसलिए ये अनशन कर रहे थे। मटिहानी-शाम्हो के बीच हर हाल में पुल बनेगा। यह रक्सौल हल्दिया एक्सप्रेस-वे का हिस्सा है। इसी प्रोजेक्ट के तहत पुल बनेगा। इसकी प्रक्रिया तेजी से चल रही है। दो लेन के बदले चार लेन का पुल बनेगा, लेकिन उसमें समय लगता है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि सब कुछ हो गया है, पुल बनेगा। इन्हें जानकारी नहीं थी। इसलिए अनशन पर बैठना पड़ा। क्लीनिक में लोगों की जान बचाना इनका काम है, इसलिए हम लोगों ने इनकी जान की सुरक्षा के लिए सबसे आग्रह किया। मैं पार्टी नहीं देखता हूं, सामाजिक कार्यकर्ता हूं। सामाजिक काम को देखता हूं। इन्होंने डॉक्टर एके राय की बात मानी और अनशन तोड़ा। राहुल गांधी को लेकर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता ने गलत किया है। ये प्रदेश के बड़े नेता है। सामाजिक जीवन में इससे बड़ा कोई अपमान नहीं हो सकता है। पप्पू यादव को अपमानित किया गया है। राहुल गांधी खुद डमी है। इसलिए डमी संविधान लेकर चलते है। असली संविधान की रक्षा नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। आगे भी प्रधानमंत्री संविधान की रक्षा करते रहेंगे। इन डमी लोगों से इस संविधान को छुटकारा दिलाएंगे। बता दें कि कलेक्ट्रेट के दक्षिणी द्वार पर जनसुराज नेता रंजन चौधरी अनशन पर बैठे हुए थे। इन्होंने कहा कि लगातार घोषणा के बाद भी पुल नहीं बन रहा है। जबकि, साल 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में जब यह मांग उठा था, तो मंच से घोषणा की गई थी। लेकिन, साल 2025 आने के बाद भी इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। आज गिरिराज सिंह ने आश्वासन दिया है, तो अनशन समाप्त कर रहे हैं। अगर प्रक्रिया जल्द शुरू नहीं हुई, तो हमारा आंदोलन फिर आगे बढ़ेगा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर योग संस्थान में नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया है। मौके पर उन्होंने कहा कि मुंगेर में जिस तरह से योग शिक्षा दी जाती है। उसी तरह से यहां छात्रावास सहित अन्य सामान हो, इसके लिए बृहद पैमाने पर काम करने का हम लोगों ने संकल्प लिया है। भौतिकवादी जगत में योग का 80 बिलियन डॉलर का मार्केट है, 2040 तक यह ढाई सौ मिलियन डॉलर का मार्केट हो जाएगा। योग संस्थान से जो भी निकल रहे हैं, वह दुनिया में भारत का पताका लहरा रहे हैं। अपने आप को भी भौतिकवादी पताका के साथ जोड़ रहे हैं। बेगूसराय के लिए योग उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना की मेडिकल कॉलेज और आयुर्वैदिक कॉलेज का निर्माण करना है। इसके विकास के लिए डीएम तुषार सिंगला, एमएलसी सर्वेश कुमार, एमएलए कुंदन कुमार प्रयास कर रहे हैं। यह योग संस्थान नई ऊंचाई पर जाएगा। उद्घाटन के बाद मीडिया से बातचीत में गिरिराज सिंह ने कहा कि देश सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही है। लेकिन विपक्ष नकारात्मक ऊर्जा का इस्तेमाल कर अपनी बुद्धि-विवेक को खो रहा है। राजद विधायक बिहार को 1990 की दशक में ले जाने की बात कहते हैं। उनकी विनाश काले विपरीत बुद्धि हो चली है। शुरू से ही सत्य और असत्य की लड़ाई, देव-दानव की लड़ाई चलती रही है। गिरिराज सिंह ने कहा कि विपक्ष 90 के दशक में ले जाने की कोशिश भी करेगा तो, बिहार नहीं जाएगा। फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। बिहार बंदी को जनता ने नकार दिया है। 8 करोड़ 90 लाख टोटल मतदाता बिहार में हैं और सभी लोग सहमति के साथ सूचना दे रहे हैं। लेकिन किशनगंज, अररिया, कटिहार, पूर्णिया में पांच लाख आवासीय प्रमाण पत्र को जमा कर चुके हैं। बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान को बचाने का काम राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने किया है, जिसे बिहार की जनता स्वीकार नहीं करेगी। बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों को बचाने के लिए राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने जो हंगामा करने की कोशिश किया, वह हंगामा बेकार गया। कुछ लोग अपने आप को तीसमार खां समझते थे, उनको रथ स्टेज पर जगह नहीं मिला, यह आपसी खींचातानी का नतीजा है। गिरिराज सिंह ने ये भी कहा कि कल का हंगामा बेकार गया है।

पप्पू यादव और कन्हैया को राहुल गांधी के मंच पर चढ़ने नहीं देना उनका काम है। लेकिन सामाजिक जीवन में इससे बड़ा अपमान कुछ नहीं हो सकता है। सामाजिक मान्यता थी की यह लोग प्रदेश के बड़े नेता हैं। लेकिन राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने इन लोगों को अपमानित किया।

तेजस्वी यादव को मिला कौशल, पूर्णिमा और सलमान का साथ

2 दर्जन नेताओं ने थामा लालू का लालटेन

नवादा। नवादा शहर के आईटीआई मैदान में बुधवार को आयोजित मिलन समारोह को संबोधित करने पहुंचे नेता प्रतिपक्ष और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार की सरकार ठीक से काम नहीं कर रही है। आम जनता महंगाई, युवा, मजदूर बेरोजगारी और लोग बढ़ते हुए अपराध से परेशान हैं। समारोह में पहुंचे हजारों उत्साहित युवाओं को अपने सामने पाकर तेजस्वी ने कहा कि बिहार में परिवर्तन लाना है तो सभी को एकजुट होना होगा। समारोह में नवादा के पूर्व विधायक कौशल यादव, गोविंदपुर की पूर्व विधायक पुर्णिमा यादव, नवादा के पूर्व एमएलसी सलमान रागिव ने राजद की सदस्यता ले ली। पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने इन तीनों नेताओं को राजद की सदस्यता वाली रसीद दी। इस दौरान पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष मगनी लाल मंडल, उदय नारायण चौधरी, शक्ति सिंह यादव समेत कई सीनियर नेता मंच पर मौजूद थे।इसी समारोह में जदयू के पूर्व संगठन से जुड़े रहे सैकड़ों नेता व कार्यकर्ता, कौशल यादव समर्थकों ने भी राजद ज्वाइन कर ली। करीब दो दर्जन बड़े नेताओं का नाम मंच से घोषित किया गया। इस आयोजन में राजद के प्रदेश सचिव श्रवण कुशवाहा, जिलाध्यक्ष उदय यादव, अशोक महतो, पूर्व विधायक प्रदीप कुमार, विनय यादव, नारायण स्वामी मोहन, पिंकी भारती, प्रेमा चौधरी, अनवर भट्ट, पूनम चंद्रवंशी, संजय यादव समेत अन्य नेता मौजूद थे। इससे पहले तेजस्वी यादव को मंच पर सोने का मुकूट, चांदी का लालटेन भेंट किया गया। फूलों की बड़ी माला पहनाई गई। समारोह में राजद के प्रांतीय अध्यक्ष मगनी लाल मंडल ने राजद ज्वाइन करने पर नवादा जिले के कद्दावर नेता कौशल यादव, पुर्णिमा यादव, सलमान रागिव को अपनी शुभकामनाएं दी। कहा कि इनके आने से राजद संगठन और अधिक मजबूत होगा। बिहार में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में नई सरकार गठित होने में इन नेताओं के पूर्ण सहयोग की बात कही। बिहार में महागठबंधन द्वारा चक्का जाम को लेकर कहा कि भाजपा नेताओं को अहसास हो गया है कि हवा तेजस्वी के पक्ष में बह रही है। राजद नेता उदय नारायण चौधरी ने कहा कि कौशल यादव ने इस समारोह के जरिए सभी अतिपिछड़ा, अनुसूचित, पिछड़ा, अकीलियत, गरीब-गुरबा को जोड़ने का काम किया है। ये बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। इनके आने से राजद को मजबूती मिली है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने भाषण के प्रारंभ में ही पूरे उत्साहित नजर आए। उन्होंने अपने भाषण का प्रारंभ जय नवादा-विजय नवादा-नया नवादा का नारा बुलंद कर पूरे युवाओं में जोश भर दिया। आईटीआई मैदान में हजारों की भीड़ सुबह से ही तेजस्वी का भाषण सुनने को लालायित थी। बीते एक सप्ताह से मैदान में तैयारी चल रही थी। तेजस्वी को सुनने के लिए हर उम्र के लोग जुटे थे। जिले की विभिन्न पंचायतों व प्रखंडों से कई नेता अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ नवादा आए थे।

मसान नदी का कटाव तेज, खतरे में 20 गांव

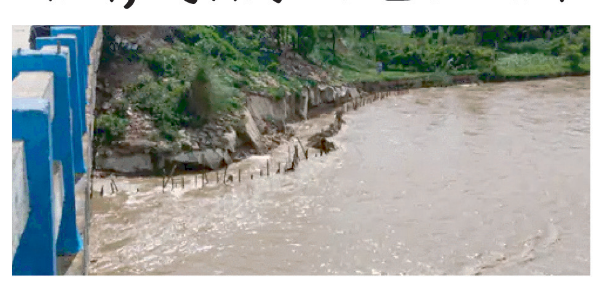

बगहा। पश्चिम चंपारण के बहुरी गांव में मसान नदी का कटाव ग्रामीणों के लिए बड़ा संकट बनता जा रहा है। कटाव की रफ्तार इतनी तेज है कि कभी भी पुल का एप्रोच ध्वस्त हो सकता है। यदि ऐसा हुआ तो जोगिया, बहुरी, इनारबरवा और गोनौली सहित 20 से अधिक गांवों का संपर्क कट जाएगा। ग्रामीणों के अनुसार, गांव और मसान नदी के बीच की दूरी अब महज 100 मीटर रह गई है। बरसात में नदी का जलस्तर अचानक बढ़ जाता है, जिससे रातभर ग्रामीण जागकर घरों की रखवाली करते हैं। घर छोड़ने का डर हर समय बना रहता है। बहुरी गांव के पास का पुल पिछले दो साल से क्षतिग्रस्त है। कभी-कभी मरम्मत होती भी है तो आधा-अधूरा काम छोड़ दिया जाता है। इस पुल से दर्जनों गांवों के लोग अनुमंडल मुख्यालय तक पहुंचते हैं। पुल के टूटने से न केवल आवागमन बाधित होगा बल्कि बाढ़ के समय राहत और बचाव कार्य भी ठप हो सकते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारी कई बार मुआयना कर सिर्फ आश्वासन देकर लौट जाते हैं, लेकिन ना कटाव रोकने के उपाय किए गए हैं, ना ही पुल निर्माण में कोई ठोस पहल हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि, जब तक मसान नदी गांव में घुस नहीं जाएगी, प्रशासन जागेगा नहीं।

अब गांव के लोग आंदोलन की तैयारी में हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे प्रखंड कार्यालय से लेकर जिला मुख्यालय तक सड़क जाम करेंगे।

संक्षिप्त डायरी

महाबोधि मंदिर में कांवरियों की भीड़ आने की संभावना को लेकर बढ़ाई गई सुरक्षा, सुरक्षा एजेंसी अलर्ट

गया। आगामी 11 जुलाई 2025 से पवित्र सावन का महीना शुरू होने वाला है। सावन का महीना शुरू होते ही बोधगया के महाबोधि मंदिर और गया के विष्णुपद मंदिर में कांवरियों का पूजा-दर्शन करने के लिए आने जाने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। महाबोधि मंदिर और विष्णुपद मंदिर में पूजा और दर्शन के लिए आने वाले कांवरिया ज्यादातर गया जिले के सटे हुए जिले से आते है। जैसे औरंगाबाद, सासाराम, नवादा, नालंदा तथा झारखंड राज्य के चतरा, पलामू सहित कई जिले के कांवरिया महाबोधि मंदिर और विष्णुपद मंदिर में दर्शन और पूजा करने के लिए आते है। इन कांवरियों की भीड़ बहुत अधिक होती है। वहीं सुरक्षा एजेंसियों के द्वारा अलर्ट भी किया गया है कि महाबोधि मंदिर को नुकसान पहुंचाने के लिए कांवरिया के भेष में कोई भी पहुंच सकता है। सुरक्षा एजेंसियों के अलर्ट के बाद महाबोधि मंदिर की सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। इस संबंध में गया के सिटी एसपी रामानंद कुमार कौशल ने बताया कि सावन के महीने में भारी भीड़ को देखते हुए गया जिले के प्रमुख स्थानों के सुरक्षा को लेकर कई सारे निर्देश दिए गए है। हमलोग पहले से ही अलर्ट हैं। मगर आगामी भीड़ को देखते हुए सभी महत्वपूर्ण स्थानों चाहे विष्णुपद मंदिर हो या महाबोधि मंदिर हो सभी स्थानों पर व्यापक सुरक्षा के इंतजाम किये गए हैं। आवश्यक सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। वहीं कांवरियों के भेष में उपद्रवी को शामिल होने के सवाल पर कहा कि इतना भीड़ में तो हमेशा एक चांसेज रहता है। मगर इस संबंध में अगर कोई सूचना प्राप्त होती है तो आवश्यक जाँच कर उचित कार्रवाई करेंगे। मालूम हो कि हर बार महाबोधि मंदिर आतंकियों के निशाने पर हैं। पहले भी आतंकी महाबोधि मंदिर में बम ब्लास्ट कर नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर चुकी है। वहीं बीते दिनों महाबोधि मंदिर को बौद्ध भिक्षुओं को सौंपने को लेकर भी जमकर हंगामा हुआ था। इस सभी पहलुओं को देखते हुए गया पुलिस ने महाबोधि मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी है। साथ ही विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने भी अलर्ट जारी किया है।

10 साल की बच्ची से दुष्कर्म

वैशाली। 10 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। आरोपी युवक ने आम देने का लालच देकर बच्ची को झाड़ियों में ले जाकर यह घिनौनी हरकत की। यह घटना पातेपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की है। बुधवार सुबह करीब 8 बजे की है। बच्ची अपने घर के पास ही आम चुनने गई थी। इसी दौरान आरोपी उसे आम देने की बात कहकर करीब डेढ़ किलोमीटर दूर झाड़ी की ओर ले गया, जहां उसने दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता बदहवासी की हालत में घर पहुंची और अपनी मां को पूरी आपबीती सुनाई। इसके बाद परिवार में हड़कंप मच गया। पीड़िता की मां ने बताया कि, बच्ची घर आई और मुझे पकड़ कर रोने लगी। जब उससे पूछे तो कहा कि गांव के ही लड़के ने उसे इकड़ी में ले जाकर गलत किया है। इसके बाद हमारे देवर ने बाइक से आरोपी को बगीचे से पकड़ कर घर लाए। उसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई। खबर लगते ही पीड़िता के चाचा ने तुरंत बाइक से आरोपी की तलाश शुरू की और उसे बगीचे से पकड़ लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के तुरंत बाद कुछ मुखिया और सरपंच मामले को गांव में ही सुलझाने की कोशिश करने लगे। जब बात नहीं बनी और दोनों पक्षों में तनाव बढ़ा, तब पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पातेपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पातेपुर थाना अध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया, नाबालिक लड़की से दुष्कर्म की सूचना मिली है। पीड़िता का मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेजा गया है। इसके अलावा फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटना स्थल की जांच पड़ताल की जा रही है। आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है, उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया है।

शराब मामले में नाबालिग को 30 पेड़ लगाने की सजा

गोपालगंज। किशोर न्याय बोर्ड ने शराब मामले में पकड़े गए नाबालिग को 30 पेड़ लगाने की सजा सुनाई है। यह पेड़ एक स्कूल परिसर में लगाना है और 30 दिनों तक उसकी देखभाल भी करना है। किशोर न्याय बोर्ड के प्रधान मजिस्ट्रेट नीलेश भारद्वाज की कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान नाबालिग ने कहा-मुझे माफ करते हुए सुधरने का मौका दिया जाए। इस पर कोर्ट ने कहा कि स्कूल में 30 पेड़ लगाए, जिसकी निगरानी प्रिंसिपल करेंगे। 13 अप्रैल 2025 को भोरे थाना क्षेत्र में एक नाबालिग 135 बोतल शराब और एक बाइक के साथ पकड़ा गया था। मामला किशोर न्याय बोर्ड की अदालत में पहुंचा। सुनवाई के दौरान नाबालिग ने अपनी गलती स्वीकार की और सुधरने का मौका मांगा। नाबालिग के बयान को कोर्ट ने गंभीरता से लिया। किशोर न्याय बोर्ड के प्रधान मजिस्ट्रेट नीलेश भारद्वाज ने सामाजिक दायित्वों से जोड़ने वाली सजा सुनाई।

रामदयालु आरओबी के लिए लोगों को करना होगा और इंतजार

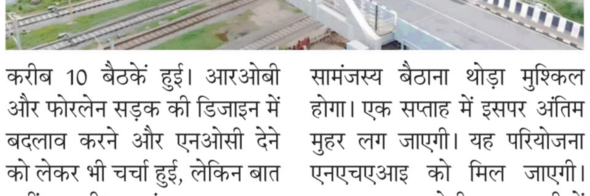

मुजफ्फरपुर। रामदयालु आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) का निर्माण अब पुल निर्माण निगम लिमिटेड नहीं एनएचएआइ करेगा। दरअसल, एनएचएआइ द्वारा मुजफ्फरपुर-बरौनी फोरलेन का निर्माण किया जाना है और आरओबी का संरेखन (एलाइनमेंट) इसके आड़े आ रहा था। इस अलावा आरओबी का एक रैंप भी एनएचएआइ के सड़क में मिलता। इस कारण से मुजफ्फरपुर-बरौनी फोरलेन के डिजाइन में बदलाव करना पड़ता। इसके अलावा पूर्व से निर्मित रामदयालु पुल को भी फोरलेन किया जाना है। आरओबी का जो डिजाइन पुल निर्माण निगम ने बनाया था, उससे रामदयालु पुल का डिजाइन प्रभावित हो रहा था। इसके लिए एनएचएआइ से एनओसी भी नहीं ली गई थी। पुल निर्माण विभाग और एनएचएआइ के पदाधिकारियों के बीच मुजफ्फरपुर से पटना तक करीब 10 बैठकें हुई। आरओबी और फोरलेन सड़क की डिजाइन में बदलाव करने और एनओसी देने को लेकर भी चर्चा हुई, लेकिन बात नहीं बनी। अंतत : अब एनएचएआइ ही रामदयालु आरओबी का निर्माण करेगा। एनएचएआइ के परियोजना निदेशक ने बताया कि मुजफ्फरपुर-बरौनी फोरलेन का निर्माण हम लोग करा ही रहे हैं और यह आरओबी भी उसी का एक हिस्सा होगा तो अलग-अलग विभाग निर्माण क्यों कराएगा। हम अपने अनुसार ही इसका निर्माण कराएंगे, क्योंकि दोनों विभाग अगर निर्माण करेंगे तो सामंजस्य बैठाना थोड़ा मुश्किल होगा। एक सप्ताह में इसपर अंतिम मुहर लग जाएगी। यह परियोजना एनएचएआइ को मिल जाएगी। रामदयालु आरओबी का जनवरी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिले की प्रगति यात्रा के दौरान अवलोकन किया था। इसके बाद राज्य कैबिनेट की बैठक में प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई। 187 करोड़ रुपये से इसका निर्माण होना था। राशि आवंटित होने के साथ टेंडर भी फाइनल कर लिया गया था। रेलवे की ओर से भी पुल निर्माण निगम द्वारा बनाए गए आरओबी के डिजाइन को स्वीकृति प्रदान कर दी गई थी।

अपराधियों ने किराना दुकानदार को लूट के दौरान मारी गोली, सड़कों पर उतरे लोग

सीवान। अपराधियों ने लूटपाट के दौरान एक किराना दूकानदार को गोली मार दी। इस घटना में दुकानदार घायल हो गया। आननफानन में उसे स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। घटना बसंतपुर थाना क्षेत्र के बसंतपुर बाजार की है। दुकानदार चुटकुला प्रसाद को पहले सीवान सदर अस्पताल लाया गया, जहां से उनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें पटना रेफर कर दिया गया।

अब घटना से आक्रोशित लोग सड़क पर उतर गये और आगजनी कर घटना का विरोध कर रहे हैं।घटना के संबंध में किराना दुकानदार चुटकुला प्रसाद ने बताया कि बीती देर रात वह अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। उनके थैले में दिन भर की कमाई थी। जैसे ही वह बसंतपुर स्थित स्टेट बैंक के पास पहुँचे, तभी दो बाइक पर सवार चार अपराधियों ने उनका पीछा कर थैला लूटने की कोशिश की। जब दुकानदार ने लूट का विरोध किया और शोर सुनकर आसपास के लोग जमा होने लगे, तो अपराधियों ने उनके पैर में गोली मार दी और मौके से फरार हो गए। इस घटना के विरोध में गुरुवार सुबह से ही बसंतपुर बाजार में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने सीवान-पटना-छपरा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और सड़क पर आगजनी कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारी पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं और अपराधियों की 72 घंटे के भीतर गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। जाम के चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं और यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है।वहीं बाजार के सभी दुकानदारों ने एकजुट होकर अपनी दुकानें बंद रखी हैं। व्यापारियों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि जब तक दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक वे आंदोलन जारी रखेंगे। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इलाके में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और पुलिस प्रशासन पूरी तरह से निष्क्रिय बना हुआ है। हालांकि पुलिस प्रशासन की ओर से लोगों को शांत कराने की कोशिश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल बसंतपुर बाजार में भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। लोगों में भय और असुरक्षा की भावना व्याप्त है, और वे जल्द से जल्द न्याय की मांग कर रहे हैं।

खाने-पीने की इन चीजों का सेवन करने से बचें

कम हो जाएगा लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा

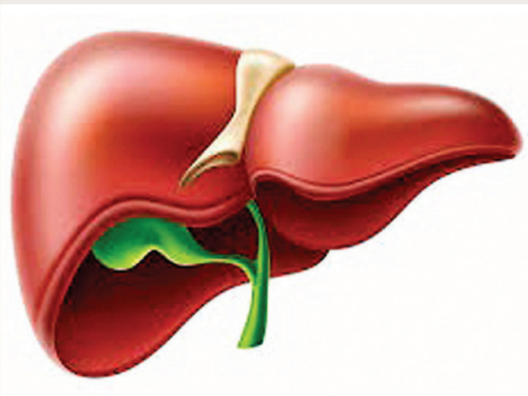

अगर आप अपने लिवर की सेहत को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आपको अपने खान-पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अनहेल्दी खान-पान की वजह से आपका लिवर बुरी तरह से डैमेज हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लिवर खून को साफ करने का काम करता है और अगर आपका लिवर हेल्दी नहीं रहेगा तो आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

फ्राइड फूड्स से परहेज करने की कोशिश करें

जो लोग अक्सर फ्राइड फूड्स खाते हैं, उन्हें लिवर से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तला-भुना खाना लिवर में सूजन पैदा कर सकता है। लिवर से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए फ्राइड फूड्स से परहेज करने में ही समझदारी है।

शुगरी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए

क्या आप अक्सर शुगरी ड्रिंक्स पीते हैं? अगर हां, तो आपकी इस आदत की वजह से लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। फैटी लिवर समेत दूसरी लिवर से जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए शुगरी ड्रिंक्स को अपने डाइट प्लान में शामिल न करें।

नुकसान पहुंचा सकता है प्रोसेस्ड मीट

अगर आप भी अक्सर प्रोसेस्ड मीट का सेवन करते हैं, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रोसेस्ड मीट आपके लिवर की सेहत को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि आपको लिमिट में रहकर ही प्रोसेस्ड मीट को कंज्यूम करना चाहिए।

घातक साबित हो सकती है शराब पीने की आदत

अगर आप शराब पीते हैं, तो न केवल आपका लिवर बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। सेहत से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आपको शराब पीना छोड़ देना चाहिए।

दूध के साथ करें इन चीजों का सेवन

दूर हो जाएगी विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी12 की कमी आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। इसलिए आपको इस जरूरी पोषक तत्व की कमी को जल्द से जल्द दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए आप अपने डाइट प्लान में थोड़े बहुत बदलाव कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दूध के साथ कुछ चीजों को कंज्यूम करके आपको विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा मिल सकता है।

खा सकते हैं खजूर – विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए खजूर का सेवन किया जा सकता है। रात में सोने से पहले दो से चार खजूर को गुनगुने दूध के साथ कंज्यूम करने से जल्द ही विटामिन बी12 की कमी दूर हो सकती है। इसके अलावा इस तरह से खजूर का सेवन करके आप अपनी स्लीप क्वॉलिटी को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

दूध के साथ पनीर खाएं – पनीर में विटामिन बी12 की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। सोने से पहले गुनगुने दूध के साथ थोड़ा सा पनीर खाएं और विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा पाएं। अगर आप अंडा खा लेते हैं, तो दूध के साथ बॉइल्ड एग को भी कंज्यूम कर सकते हैं। दूध के साथ पनीर या फिर अंडे का सेवन करके आप अपनी ओवरऑल हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

फायदेमंद साबित होगा मेथी दाना 9

अमरूद के पत्तों में छिपा है सेहत का खजाना

जानें इससे मिलते हैं कौन से फायदे और सेवन का सही तरीका

अमरूद का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं अमरुद के पत्तों भी आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होते हैं। अमरुद के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनिरल्स होते हैं जो समग्र स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं अमरुद का सेवन करने से सेहत को कौन से फायदे होते हैं और इसका इस्तेमाल कैसे करें?

अमरुद के पत्तों से मिलते हैं ये फायदे:

पाचन होता है बेहतर: अमरूद के पत्ते एसिडिटी को कम करके और पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को बढ़ावा देकर दस्त और सूजन जैसी पाचन समस्याओं में मदद कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है मजबूत: अमरूद के पत्तों में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट के उच्च स्तर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

स्किन से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर: अमरूद के पत्तों का उपयोग उनके विरोधी भड़काऊ और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण मुँहासे, काले धब्बे और उम्र बढ़ने के संकेतों सहित विभिन्न त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है।

दांतों के लिए फायदेमंद: अमरूद के पत्तों को चबाने से दांत दर्द और मसूड़ों की समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें मौजूद जीवाणुरोधी गुण मसूड़ों की बीमारी, दांत दर्द और सांसों की बदबू को रोकने में मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी: अमरूद के पत्ते खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके और संभावित रूप से रक्तचाप विनियमन का समर्थन करके हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकते हैं।

रक्त शर्करा नियंत्रण: अमरूद के पत्ते रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, संभावित रूप से मधुमेह वाले व्यक्तियों या जोखिम वाले लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं।

पीरियड्स के दर्द में फायदेमंद: अमरूद के पत्ते मासिक धर्म में ऐंठन के लिए भी लाभ प्रदान कर सकते हैं, संभावित रूप से दर्द की तीव्रता को कम करने के साथ-साथ वजन घटाने में भी सहायता कर सकते हैं।

कैसे करें अमरुद के पत्तों का इस्तेमाल?

ताजे या सूखे अमरूद के पत्तों को 5-10 मिनट तक पानी में उबालें फिर उसे छानकर पिएं। आप स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं। अमरूद के पत्तों को पानी में उबालकर ठंडा होने दें। शैम्पू करने के बाद ठंडे पानी से बालों को धोएँ, इससे बाल मजबूत होंगे और बालों का झड़ना कम होगा। आराम और सुगंधित स्नान के लिए अपने नहाने के पानी में अमरूद के पत्ते डालें।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए अंजीर का पानी

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अंजीर के पानी में पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन के, फाइबर, प्रोटीन, आयरन और जिंक समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस ड्राई फ्रूट के पानी को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको सुबह-सुबह खाली पेट अंजीर का पानी पीना चाहिए।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अगर आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अंजीर का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा फाइबर रिच अंजीर का पानी पीकर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

क्या आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको अंजीर के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। अंजीर के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके दिल की सेहत को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। अंजीर का पानी आपकी बोन हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

मिलेंगे एक से बढ़कर एक फायदे

जो लोग कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, उन्हें अंजीर का पानी पीने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए भी इस ड्राई फ्रूट के पानी को कंज्यूम किया जा सकता है। सेहत से जुड़ी इन समस्याओं से छुटकारा पाने और शरीर को फौलादी बनाने के लिए हर रोज सुबह-सुबह अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए और महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखिए।

कितनी देर में खराब हो जाती है चाय?

कई लोगों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि सर्दियों का मौसम चल रहा है या फिर गर्मियों का, उन्हें दिन में एक से दो बार चाय तो पीनी ही होती है। कुछ लोग अपने दिन की शुरुआत चाय से करते हैं, तो वहीं कुछ लोग अपनी थकावट को दूर करने के लिए चाय का सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पीना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है?

कितनी देर में हो जाती है खराब?

दूध वाली चाय को ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। एक बार आपने चाय को पका लिया, तो आपको चाय को ठंडा होने से पहले पी लेना चाहिए। चाय को आधे घंटे से पहले ही पी लेना चाहिए। दूध वाली चाय हर्बल टी की तुलना में जल्दी खराब हो जाती है। हर्बल टी को आप कुछ घंटों तक फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

डाइजेस्टिव सिस्टम पर पड़ सकता है बुरा असर

अगर आपने ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पिया, तो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ सकता है। छोटी सी लगने वाली इस गलती की वजह से एसिडिटी, कब्ज और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा चाय को ज्यादा देर तक रखने के कारण उसके अंदर मौजूद पोषक तत्व भी कम होते चले जाते हैं।

सुबह खाली पेट पिएं ये देसी ड्रिंक्स, वजन होगा तेजी से कम

अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है तो उसे कम करने के लिए अपनी डाइट में इन कुछ देसी ड्रिंक्स को शामिल करें। इन ड्रिंक्स को खाली पेट पीने से न केवल वजन कम होता है बल्कि सेहत से जुड़े अन्य कई फायदे मिलते हैं। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के साथ अपनी सुबह की दिनचर्या में इन ड्रिंक्स को शामिल करने से मेटाबॉलिज़्म तेज होता है जिससे वजन कम करना आसान हो जाता है। चलिए जानते हैं किन ड्रिंक्स के सेवन से बढ़ते मोटापे पर लगाम लगाया जा सकता है।

इन देसी ड्रिंक्स से करें दिन की शुरुआत:

नींबू पानी: नींबू पानी विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। खाली पेट सेवन करने से शरीर को डिटॉक्स करने, पाचन में सुधार करने और पेट भरा होने का एहसास दिलाती है। एक गिलास गर्म पानी में आधा नींबू का रस निचोड़ें। अच्छी तरह से हिलाएँ और इसे खाली पेट पिएँ।

जीरा पानी: जीरा रसोई का एक मुख्य हिस्सा है। जीरा पानी वजन कम करने के साथ आपका पाचन भी दुरुस्त करता है। साथ ही यह जीरा पानी पाचन एंजाइमों को एक्टिव करता है, जिससे खाना आसानी से पच जाता है। जीरा पानी पेट फूलना, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। एक कप पानी में 1 चम्मच जीरा रात भर भिगोएँ। सुबह इसे उबालें, छान लें और इसे गर्म-गर्म पीएँ। नाश्ते से कम से कम 20 मिनट पहले इसे पिएँ।

आंवला का जूस: आंवला विटामिन सी से भरपूर होता है और बेहतर पाचन को बढ़ाता है, वजन को कम करता है, मेटाबॉलिज़्म बढ़ाता है और बॉडी को डिटॉक्सफाई करता है। एक गिलास गर्म पानी में 2 बड़े चम्मच ताजा आंवला का जूस मिलाएँ। इसे खाली पेट पिएँ। इसे चाय या कॉफ़ी के साथ पीने से बचें।

दालचीनी का पानी: अगर आप वजन तेजी से कम करना चाहते हैं तो दालचीनी के पानी से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। दालचीनी का पानी चयापचय को तेज़ करने और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकता है, जिससे वजन प्रबंधन में सहायता मिलती है। एक कप पानी उबालें और उसमें एक चम्मच दालचीनी पाउडर या दालचीनी की एक छड़ी डालें। इसे 10 मिनट तक भीगने दें। छान लें और गरम-गरम पी लें।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी20 सीरीज पर जमाया कब्जा, इंग्लैंड में रचा इतिहास

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में छह विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ भारत ने इंग्लैंड की सरजमीं पर इतिहास रच दिया है। भारतीय महिला टीम ने पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ उन्हीं के घर में दो या उससे अधिक मुकाबलों की टी20 सीरीज अपने नाम की है।

भारत ने इंग्लैंड में पहली बार साल 2006 में टी20 क्रिकेट खेला था। इस दौरान सिर्फ एक ही टी20 मैच खेला गया, जिसमें भारत ने आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। भारत-इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज का यह मुकाबला मैनचेस्टर में खेला गया, जिसमें इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया।

इंग्लैंड को अपना ही निर्णय भारी पड़ गया। टीम ने 21 के स्कोर पर डेनियल व्याट-हॉज (5) का विकेट खो दिया। इसके बाद टीम ने निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाए। मेजबान टीम निर्धारित ओवरों तक सात विकेट खोकर महज 126 रन बना सकी। इस टीम के लिए सोफिया डंकले ने 19 गेंदों में सर्वाधिक 22 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान टैमी ब्यूमोंट ने 19 गेंदों में 20 रन बनाए। भारत की ओर से श्री चरणी और राधा यादव को दो-दो विकेट हाथ लगे, जबकि अमनजोत कौर और दीप्ति शर्मा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में भारतीय टीम ने तीन ओवर शेष रहते मुकाबला जीत लिया। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के बीच सात ओवरों में 56 रन की साझेदारी हुई। शेफाली ने 19 गेंदों में 31 रन बनाए, जबकि मंधाना ने 31 गेंदों में 32 रन टीम के खाते में जोड़े। भारत 69 के स्कोर तक अपनी सलामी जोड़ी गंवा चुका था। यहां से जेमिमा रोड्रिगेज ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 रन जोड़कर टीम को जीत की दहलीज पर ला दिया। हरमनप्रीत कौर ने 25 गेंदों में 26 रन की पारी खेली, जिसमें तीन चौके शामिल रहे, जबकि जेमिमा ने 22 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से चार्लोट डीन, सोफी एक्लेस्टोन और ईसी वोंग ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। भारत पांच मुकाबलों की सीरीज में 3-1 से अजेय बढ़त बना चुका है। सीरीज का आखिरी मुकाबला 12 जुलाई को एजबेस्टन में खेला जाएगा।

लॉर्ड्स टेस्ट की शुरुआत में सचिन तेंदुलकर ने पांच मिनट तक बजाई 'ऐतिहासिक घंटी'

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार से लॉर्ड्स में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट की शुरुआत हुई। सचिन तेंदुलकर ने लॉर्ड्स टेस्ट की शुरुआत से पहले पांच मिनट तक प्रतिष्ठित घंटी बजाई।

सचिन तेंदुलकर अपनी पत्नी अंजली तेंदुलकर के साथ स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद दर्शकों को नमस्ते करने और फिर उनका अभिवादन स्वीकार करने के बाद पांच मिनट तक घंटी बजाई। इसके बाद सचिन तेंदुलकर ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के साथ बातचीत करते नजर आए।

लॉर्ड्स में किसी भी टेस्ट से पहले घंटी बजाने की परंपरा 2007 से शुरू हुई थी। सचिन से पहले सुनील गावस्कर, सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गज भारतीय इस परंपरा को निभा चुके हैं। मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने कहा था कि तेंदुलकर लॉर्ड्स में पहली बार उसी दिन घंटी बजाएंगे, जिस दिन एमसीसी संग्रहालय में कलाकार स्टुअर्ट पियर्सन राइट द्वारा बनाए गए उनके चित्र अनावरण किया जाएगा। इसके बाद संस्था ने कहा कि ब्रिटिश कलाकार स्टुअर्ट पियर्सन राइट द्वारा बनाया गया तेंदुलकर का चित्र संग्रहालय में ही रहेगा और इस साल के अंत में उसे पवेलियन में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। साल 2013 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले तेंदुलकर को सर्वकालिक महानतम बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। मुंबई के इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तीनों प्रारूपों में 34,357 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने वाले वह एकमात्र बल्लेबाज हैं। लॉर्ड्स टेस्ट की बात करें तो दोनों ही टीमें गेंदबाजी में बड़े बदलाव के साथ उतरी हैं। इंग्लैंड ने जोफ्रा आर्चर को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। आर्चर ने चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी की है। इंग्लैंड ने जोश टंग को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा है।

वैभव से मिलने 6 घंटे गाड़ी चलाकर पहुंचीं दो किशोरियां

लंदन (एजेंसी)। आजकल इंग्लैंड में अंडर-10 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे भारतीय अंडर-19 टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी छाये हुए हैं। वैभव के प्रशंसकों की तादाद लगातार बढ़ रही है। 14 साल के वैभव आईपीएल में शानदार प्रदर्शन

के बाद से ही सभी की नजरों में आये हैं। इस उभरते क्रिकेटर की आक्रामक बल्लेबाजी शैली से प्रभावित दो लड़कियां 6 घंटे गाड़ी चलाकर उससे मिलने पहुंची।

अन्या और रीवा नाम की दो किशोरियां इस इस क्रिकेट स्टार से मिलने के लिए वॉर्सेस्टर तक छह घंटे गाड़ी चलाकर पहुंचीं। राजस्थान रॉयल्स की जर्सी पहने और उत्साह से भरी इन लड़कियों का सपना तब पूरा हुआ जब वैभव ने इनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। राजस्थान रॉयल्स ने इससे सोशल मीडिया में भी साझा किया है। साथ ही लिखा, सबूत है कि हमारे पास सबसे अच्छे प्रशंसक क्यों हैं। वॉर्सेस्टर तक 6 घंटे गाड़ी चलाई। अपनी गुलाबी जर्सी पहनी। वैभव और टीम इंडिया का उत्साहवर्धन किया। आन्या और रीवा के लिए यह दिन यादगार रहा।

वैभव ने आईपीएल 2025 के दौरान गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 35 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वह पुरुषों के टी20 इतिहास में सबसे कम उम्र के शतक लगाने वाले और आईपीएल का दूसरा सबसे तेज शतक बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में उन्होंने 5 एकदिवसीय मैचों में 355 रन बनाए जिसमें 143 रनों की आक्रामक पारी भी शामिल है।

लॉर्ड्स टेस्ट: लंच तक इंग्लैंड के 83/2, एक ही ओवर में रेड्डी ने इंग्लैंड को दिए दो झटके

लॉर्ड्स (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट गुरुवार को ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में शुरू हुआ। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और लंच तक दो विकेट के नुकसान पर 83 रन बना लिए। ओली पोप 12 और जो रूट 24 रन बनाकर नाबाद हैं।

इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम को पहला झटका 43 के स्कोर पर बेन डकेट के रूप में लगा। वह 23 रन बनाकर आउट हुए। जैक क्रॉले की असफलता का दौर जारी रहा। वह दूसरे विकेट के रूप में 18 रन बनाकर आउट हुए। तब टीम का स्कोर 44 था। इंग्लैंड को दोनों झटके पारी के 14वें ओवर में नितीश कुमार रेड्डी ने दिए।

इसके बाद ओली पोप और जो रूट ने सावधानी से बल्लेबाजी की और लंच तक टीम को कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दोनों के बीच 39 रन की साझेदारी हो चुकी है। पोप 34 गेंद में 12 और रूट 34 गेंद में 24 रन बनाकर खेल रहे हैं।

ये दोनों बल्लेबाज दूसरे सेशन में कैसा प्रदर्शन करते हैं, इस पर इंग्लैंड की पारी काफी हद तक निर्भर करेगी। अगर इनका विकेट गिरता है, तो भारतीय टीम का पलड़ा भारी होगा। अगर ये आउट नहीं हुए, तो इंग्लैंड बड़ा स्कोर बना सकती है। दोनों टीमें मैच में बड़े बदलाव के साथ उतरी हैं। भारत ने प्रसिद्ध कृष्णा की जगह तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टीम में जगह दी है। उन्हें पिछले टेस्ट में वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया था।

हालांकि बुमराह पहले सेशन में अपना प्रभाव छोड़ने में सफल नहीं रहे हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने उन्हें सावधानी से खेला और कोई भी विकेट उन्हें नहीं दिया है। इंग्लैंड टीम ने भी एक बदलाव किया है। चार साल बाद जोफ्रा आर्चर टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। उन्हें जोश यंग की जगह टीम में मौका दिया गया है।

एमसीसी संग्रहालय में सचिन की तस्वीर का अनावरण हुआ

लंदन (ईएमएस)। यहां लॉर्ड्स स्थित एमसीसी संग्रहालय में भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की नई तस्वीर का अनावरण हुआ। ब्रिटिश कलाकार स्टुअर्ट पियर्सन राइट द्वारा बनाई गई इस तस्वीर में तेंदुलकर की विशाल छवि को दिखाय गया है और यह इस वर्ष के अंत में मंडप में स्थानांतरित किए जाने से पहले संग्रहालय में रहेगी। इसी को लेकर एमसीसी की संग्रह एवं कार्यक्रम प्रबंधक चार्लोट गुडह्यू ने कहा, सचिन तेंदुलकर जैसे व्यक्तित्व की तस्वीर को संग्रहालय में शामिल करना विशेष बात है। एमसीसी की संग्रहित तस्वीर में यह किसी भारतीय खिलाड़ी की पांचवीं और पियर्सन राइट द्वारा बनायी चौथी तस्वीर है। यहां तेंदुलकर से पहले कपिल देव, बिशन सिंह बेदी और दिलीप वेंगसरकर की तस्वीरें उन्होंने बनायी हैं। कपिल देव, बिशन बेदी और दिलीप वेंगसरकर की आदमकद तस्वीरों के विपरीत सचिन की तस्वीर सिर्फ उनकी छाती तक है। यह पेंटिंग 18 साल पहले मुंबई में तेंदुलकर के घर पर ली गई एक तस्वीर पर आधारित है।

ऋषभ बन सकते हैं टेस्ट में सबसे अधिक छक्के मारने वाले बल्लेबाज

लॉर्ड्स। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में सबसे अधिक छक्के मारने का रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। ऋषभ ने पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाये थे, जबकि दूसरे मैच में भी उन्होंने एक अर्धशतक लगाया था, इस दौरान उन्होंने काफी छक्के लगाये थे। ऐस में अब उन्हें भारतीय टीम की ओर से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के लिए केवल पांच छक्के चाहिये। अगर वह सीरीज के बाकी बचे तीन मैचों में पांच छक्के लगाने में सफल होते हैं तो इस प्रारुप में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। अभी वह टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। सबसे अधिक छक्के लगाने में ऋषभ पंत से पहले रोहित शर्मा और पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग हैं। सहवाग ने अपने करियर में 90 छक्के लगाये हैं जबकि रोहित के नाम 88 छक्के हैं जबकि ऋषभ पंत के नाम केवल 45 मैचों में ही 86 छक्के हैं। अगर वे 5 छक्के और लगा देते हैं तो भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। विश्व के के सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले शीर्ष 5 बल्लेबाजों में शामिल होने के लिए ऋषभ को केवल 13 छक्के ही चाहिये। इस सीरीज में इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अब तक चार पारियों में 13 छक्के लगाये हैं।

फीफा रैंकिंग में भारत 133वें स्थान पर, नौ साल में सबसे खराब रैंकिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम जून में मिली दो हार से गुरुवार को जारी फीफा रैंकिंग में छह पायदान की गिरावट से 133वें स्थान पर खिसक गई। भारत चार जून को एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में थाईलैंड (0-2) से हार गया और फिर एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के मैच में उसे निचली रैंकिंग वाली हांगकांग (0-1) से भी पराजय झेलनी पड़ी।

इसके बाद मुख्य कोच मनोलो मारकेज ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) से नाता तोड़ लिया। इससे पहले पिछली बार भारतीय टीम की सबसे खराब रैंकिंग दिसंबर 2016 में थी जब वह 135वें स्थान पर थी। भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग फरवरी 1996 में 94 थी। भारतीय टीम के अभी 1113.22 रेटिंग अंक हैं जबकि पहले उसके 1132.03 अंक थे। वह 46 एशियाई देशों में 24वें स्थान पर है जिसमें जापान (17वीं रैंकिंग) सबसे आगे है।

भारतीय पुरुष टीम के लिए कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। हांगकांग के खिलाफ हार ने टीम की 2027 एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने की मुहिम को मुश्किल में डाल दिया है। मारकेज के मार्गदर्शन में टीम ने अपने पिछले आठ में से सिर्फ एक मैच में जीत दर्ज की और उसे यह जीत मार्च में मालदीव के खिलाफ मिली थी। इस सल भारत ने अभी तक चार मैच खेले हैं जिसमें से उसे एक में जीत मिली है जबकि दो मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मैच ड्रॉ रहा।

इन खराब नतीजों के कारण पूर्व कप्तान और स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री की टीम में संन्यास से वापसी हुई लेकिन इससे टीम की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ। भारत का अगला अंतरराष्ट्रीय मैच अक्टूबर में सिंगापुर के खिलाफ है जो एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर का मुकाबला है। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना 210 देशों की सूची में सबसे आगे है। इसके बाद शीर्ष 10 में स्पेन, फ्रांस, इंग्लैंड, ब्राजील, पुर्तगाल, नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी और क्रोएशिया शामिल हैं।

नोवाक जोकोविच 14वीं बार विंबलडन सेमीफाइनल में, विश्व नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से होगा मुकाबला

लंदन। नोवाक जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके पुरुष एकल में रिकॉर्ड 14वीं बार विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में उनका सामना विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से होगा। अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में विश्व के 22वें नंबर के खिलाड़ी फ्लेवियो कोबोली को 6-7(6), 6-2, 7-5, 6-4 से हराया। सात बार के विंबलडन चैंपियन ने 23 साल के कोबोली के खिलाफ अपने अनुभव का अच?छा प्रदर्शन किया। पहले गेम में शिकस्त झेलने के बावजूद जोकोविक ने हिम्?मत नहीं हारी और कोर्ट पर अपनी शैली का प्रदर्शन करते हुए युवा खिलाड़ी को मात दी। इससे पहले तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर ने शानदार सर्विस और तेज फोरहैंड का इस्तेमाल करते हुए 10वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को 7-6(2), 6-4, 6-4 से हराया। जोकोविच को सिनर से पिछले चार मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा लेकिन विंबलडन में उन्होंने इटली के इस खिलाड़ी के खिलाफ जो दो मैच खेले हैं उनमें उन्होंने जीत हासिल की है। जोकोविच ने कहा, ''मैं इस बात को अच्छी तरह से जानता हूं कि इस समय यानिक को हराने के लिए मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।' इस बीच महिला एकल में इगा स्वियाटेक ने 19वीं वरीयता प्राप्त लियुडमिला सैमसोनोवा पर 6-2, 7-5 से जीत के साथ पहली बार विंबलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। स्वियाटेक फाइनल में जगह बनाने के लिए गैर-वरीयता प्राप्त बेलिंडा बेनसिच से भिड़ेंगी जिन्होंने सातवीं वरीय मीरा एंड्रीवा को 7-6(3), 7-6(2) से हराया।

अगले माह श्रीलंकाई दौरे में खेलते नजर आ सकते हैं विराट और रोहित

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली अगले माह एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज खेलते हुए नजर आ सकते हैं। भारतीय टीम के अगले माह श्रीलंका दौरे पर जाने की संभावना है। इसी दौर पर विराट और रोहित को खेलते हुए प्रशंसक देख सकते है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसीआई) से एक छोटी ही सीमित ओवरों की सीरीज खेलने का अनुरोध किया है। जिसपर बीसीसीआई विचार कर रहा है। भारतीय टीम को अगले महीने अगस्त में बांग्लादेश का दौरा करना था पर वहां के हालात ठीक नहीं होने से ये दौरा रद्द कर दिया गया था। जिसके बाद श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई से उसके वहां दौरे की पेशकश की थी। वहीं बीसीसीआई ने अब तक इस पर प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है प अगर ये सीरीज होती है तो प्रशंसक रोहित और विराट को खेलते हुए देख सकते हैं। दोनों ने ही टी-20 और टेस्ट फॉर्मेट से सन्यास ले लिया है और केवल एकदिवसीय क्रिकेट ही खेलते हैं। श्रीलंका ने तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 मैचों का कार्यक्रम बनाकर बीसीसीआई को भेजा है। भारतीय टीम इसी दौरान तीन मैच बांग्लादेश जाकर खेलने वाली थी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरे की संभावना काफी हद तक एशिया कप पर लिए जाने वाले फैसले पर आधारित रहेगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया इस सप्ताह लंदन में लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान उपस्थित रहेंगे और वहीं खिलाड़ियों, मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर से बात करने के बाद ही कोई फैसला लेंगे। एशिया कप को लेकर फैसला अगले दो-तीन दिनों में आने की संभावना है।

श्रेयंका और साधु ऑस्ट्रेलिया दौर के लिए भारत ए टीम में, राधा करेंगी टीम की अगुआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल और तेज गेंदबाज टिटास साधु को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए बृहस्पतिवार को भारत ए महिला टीम में चुना गया। चोटों से वापसी करने वाली इन दोनों खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलियाई दौरे की टीम में शामिल किया गया जो सात से 24 अगस्त के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय, इतने ही वनडे और चार दिवसीय एक मैच खेलेगी।

श्रेयंका पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में हुए महिला टी20 विश्व कप के बाद से चोट के कारण नहीं खेल पा रही थीं। उन्हें सितंबर में महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) में खेलने के लिए गत चैंपियन बारबाडोस रॉयल्स ने पहले ही चुन लिया है। वहीं साधु श्रीलंका में त्रिकोणीय श्रृंखला में नहीं खेली थीं और चोट के कारण अप्रैल में इंग्लैंड के मौजूदा सफेद गेंद के दौरे के लिए भी टीम में नहीं थीं।

श्रेयंका का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में खेलना बीसीसीआई 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' से मंजूरी मिलने पर निर्भर करेगा जबकि साधु को मंजूरी मिल गई है। बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव टी20 अंतरराष्ट्रीय, एकदिवसीय और चार दिवसीय मुकाबले में टीम की कप्तानी करेंगी। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को भी सभी टीमों में शामिल किया गया है। इस आक्रामक सलामी बल्लेबाज का इंग्लैंड दौरा काफी निराशाजनक रहा है क्योंकि उन्होंने अब तक चार मैच में केवल 101 रन बनाए हैं और उनका उच्चतम स्कोर 47 रन है।

भारत की टी20 टीम

राधा यादव (कप्तान), मीनू मणि (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, डी वृंदा, सजना सजीवन, उमा छेत्री (विकेटकीपर), राघवी बिष्ट, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, जोशिता वीजे, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, टिटास साधु।

वनडे और चार दिवसीय टीम

राधा यादव (कप्तान), मीनू मणि (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, तेजल हसबनिस, राघवी बिष्ट, तनुश्री सरकार, उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), धारा गुज्जर, जोशिता वीजे, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, टिटास साधु।

भारत ए बनाम ऑस्ट्रेलिया कार्यक्रम

पहला टी20 मैच: 7 अगस्त (मैके)
दूसरा टी20 मैच: 9 अगस्त (मैके)
तीसरा टी20 मैच: 10 अगस्त (मैके)
पहला वनडे मैच : 13 अगस्त (ब्रिसबेन)
दूसरा वनडे मैच: 15 अगस्त (ब्रिसबेन)
तीसरा वनडे मैच : 17 अगस्त (ब्रिसबेन)
चार दिवसीय मैच : 21-24 अगस्त (एलन बॉर्डर फील्ड)

शाहीन ने बुमराह को वर्तमान समय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताया

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने भारत के जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी विश्व के शीर्ष गेंदबाज हैं। शाहीन का एक वीडियो भी आया है जिससें उन्होंने बुमराह को 10 में से 10 नंबर दिये। जब उनसे पूछा जाता है कि बुमराह को 10 में से कितने अंक देंगे तो उनका जवाब था 10 नंबर। साथ ही कहा, वह वर्तमान समय के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। स्विंग, सटीकता, अनुभव के मामले में वह सबसे आगे हैं। इस गेंदबाज ने तीनों ही प्रारुपों में अबतक जबरदस्त प्रदर्शन किया है। उन्होंने 46 टेस्ट मैच में 210 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने 14 बार 5 विकेट लिए हैं। वहीं 89 एकदिवसीय में उनके नाम 149 विकेट हैं। बुमराह ने 70 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 89 विकेट लिए हैं। बुमराह ने हैडिंग्ले के पहले टेस्ट मैच में 5 विकेट लिए थे। साल 2024-25 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सभी 5 टेस्ट मैच खेले थे। इस दौरान उन्होंने 32 विकेट लिए थे। साल 2024 में उन्होंने अंतरराष्ट्री क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लिए थे। उन्हें पिछले साल आईसीसी ने क्रिकेटर ऑफ द ईयर और टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया है हालांकि बार-बार चोटिल होने के कारण वह लगातार नहीं खेल पाते हैं।

मणिपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बड़ी संख्या में हथियार किए बरामद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस की संयुक्त टीमों ने अलग-अलग अभियानों के दौरान महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। हाल ही में बिष्णुपुर जिले के मोइरांग पुलिस स्टेशन के अंतर्गत उयुंगमाखोंग क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए। इस दौरान एक खाली मैगजीन के साथ एके-56 राइफल, एक .303 राइफल, एक डबल बैरल बंदूक और जिंदा गोलियां बरामद हुई हैं। इसी दिन फौगाकचाओ पुलिस स्टेशन क्षेत्र के दोपकोन और नगानुकोन गांवों के बीच तलाशी अभियान में एक 303 लाइट मशीन गन, दो सिंगल बैरल बंदूकें, एक खाली मैगजीन, सात जिंदा 12 बोर कारतूस और करीब 3.9 किलोग्राम वजन के चार आईईडी (विस्फोटक सामग्री) बरामद किए गए। इसके अलावा, मणिपुर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने तुपुल पुल के पास चुराचांदपुर से कांगपोकपी की ओर जा रहे एक वाहन को रोककर तलाशी ली। तलाशी में 2.193 किलोग्राम हेरोइन और ब्राउन शुगर की 196 साबुन के डिब्बों में छुपाई गई खेप मिली। इस मामले में दो संदिग्ध गिनमिनलेन हाओकिप और होलमिनलेन खोंगसाई को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई मणिपुर में नशा तस्करी और हथियारों की अवैध बिक्री को रोकने की दिशा में अहम कदम है। इसके अलावा, 4 जुलाई को मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स, भारतीय सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की संयुक्त टीमों ने चार पहाड़ी जिलों में व्यापक तलाशी अभियान चलाकर और भी कई हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद बरामद किए थे। इन अभियानों से क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी करने और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिली है। आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रखने का पुलिस ने संकल्प व्यक्त किया है।

मुंबई पुलिस ने दो बड़े ड्रग रैकेट्स का किया भंडाफोड़

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शहर में सक्रिय दो बड़े ड्रग रैकेट्स का पर्दाफाश करते हुए कुल 2.5 करोड़ रुपये मूल्य की नशीली दवाएं बरामद की हैं। इस सफलता में एक इंजीनियर समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पहली कार्रवाई में एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) की आजाद मैदान यूनिट ने अंधेरी के लोखंडवाला इलाके में इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियर एस खान (40) को गिरफ्तार किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि खान अपने फ्लैट से ड्रग्स बेच रहा है। छापेमारी में उसके फ्लैट से 1.25 करोड़ रुपये की एमडी ड्रग्स, चरस और 18 लाख रुपये नकद बरामद हुए। जांच में पता चला कि खान पिछले चार वर्षों से अपने फ्लैट को ड्रग तस्करी के लिए इस्तेमाल कर रहा था। पुलिस अब यह पता लगाने में लगी है कि ये नशीली दवाएं कहां से आ रही थीं और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। दूसरे अभियान में, एएनसी की कांदिवली यूनिट ने अंधेरी वर्सोवा जेट्टी इलाके में फैजान इरफान गौड़ (31) को गिरफ्तार किया। उसके पास से 306 ग्राम हेरोइन बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1.22 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने उसका मोबाइल फोन जब्त कर उसकी कॉल डिटेल्स और सोशल मीडिया चैट्स की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में यह संकेत मिले हैं कि वह एक अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क से जुड़ा हुआ है।

रेलवे फाटक पर फंसी थी यात्रियों से भरी बस, तभी आ गई ट्रेन, मची चीख-पुकार

गिरिडीह (एजेंसी)। रांची से गिरिडीह जा रही एक निजी बस अचानक रेलवे ट्रैक पर बंद हो गई। काफी प्रयास के बाद भी बस आगे नहीं बढ़ी। इसी दौरान एक माल गाड़ी आ गई। जिसे देखते ही बस में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। यात्री में चीख-पुकार मच गई और बस से उतरकर भागने लगे। बताया जा रहा है कि पम्मी नामक यात्री बस रांची से गिरिडीह की ओर जा रही थी। जैसे ही बस रेलवे फाटक पार कर रही थी, अचानक उसमें तकनीकी खराबी आ गई और वह ट्रैक के बीचोबीच बंद हो गई। इस दौरान फाटक बंद हो चुका था और ट्रेनों की आवाजाही पर असर पड़ने लगा। हालांकि समय रहते माल गाड़ी को रोक दिया गया। रेलवे फाटक के पास होम सिग्नल पर मालगाड़ी खड़ी हो गई। जिसे ग्रीन सिग्नल नहीं मिल पा रहा था। इस वजह से रेल यातायात करीब 20 मिनट तक बाधित रहा। वहीं, हजारीबाग रोड स्टेशन पर धनबाद-गया एएमयू सवारी गाड़ी को भी एहतियातन रोक दिया गया। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और हजारीबाग रोड आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंच गई। रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य में लगी क्रेन की मदद से बस को ट्रैक से हटाया गया। करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद रेल ट्रैफिक सामान्य हुआ। गनीमत रही कि समय रहते ट्रेनों को रोका गया और कोई जानमाल की हानि नहीं हुई। घटना के बाद आरपीएफ ने बस चालक और परिचालक से पूछताछ शुरू कर दी है और विभागीय जांच की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरिया फाटक पर पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, इसलिए यहां यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किए जाने की आवश्यकता है।

सुरक्षा के नए आदेश : देश सभी रेलवे फाटकों पर लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे बैकअप भी रहेगा

चेन्नई (एजेंसी)। अब देश के हर रेलवे क्रॉसिंग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे हर गतिविधि की रीयल-टाइम निगरानी हो सके। इन कैमरों के साथ सोलर पैनल, यूपीएस और बैटरी बैकअप भी होगा, जिससे बिजली जाने पर भी रिकॉर्डिंग चालू रहे। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ था, जिसमें एक स्कूल वैन की ट्रेन से टक्कर हो गई थी। इस दर्दनाक हादसे में तीन बच्चों की मौत हो गई थी और 6 बच्चे घायल हो गए थे। यह हादसा रेलवे क्रॉसिंग पर हुआ था। इस हादसे के एक दिन बाद रेलवे ने तत्काल प्रभाव से 11 बड़े सुरक्षा उपायों की घोषणा की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद कड़े कदम लेने के फैसले लिए गए हैं।

निमिषा प्रिया को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर....केंद्र से हस्तक्षेप की अपील

-फांसी की तारीख 16 जुलाई तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में दी जाने वाली फांसी की सजा को टालने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दायर हुई है। यह याचिका सेव निमिशा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल नामक संगठन द्वारा दायर की गई है, इसमें केंद्र से अपील की गई है कि वह तत्काल राजनयिक हस्तक्षेप करे और 'ब्लड मनी' के द्वारा निमिषा की जान बचाने की कोशिश करे।

दरअसल निमिषा को 2017 में यमनी नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। अब निमिषा की फांसी की तारीख 16 जुलाई तय की गई है। उनके परिवार और समर्थकों को अब भी ब्लड मनी के द्वारा माफी की उम्मीद है, लेकिन तलाल के परिवार की सहमति और यमन की जटिल राजनीतिक स्थिति इसमें बाधा है। 'ब्लड मनी' इस्लामी शरीया कानून के तहत एक कानूनी प्रावधान है, जिसके तहत पीड़ित के परिजन आरोपी को माफ कर सकते हैं, यदि उन्हें आर्थिक मुआवजा (ब्लड मनी) दिया जाए।

वरिष्ठ अधिवक्ता रजेंथ बसंत ने मामले का उल्लेख सुप्रीम कोर्ट की पीठ के समक्ष किया, जिसमें न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची शामिल थे। उन्होंने कहा कि निमिषा की अपील यमन की पहली अपीलीय अदालत द्वारा खारिज की गई है, लेकिन ब्लड मनी के द्वारा समझौते की संभावना अभी भी खुली है। अधिवक्ता ने दलील दी कि कम समय बचा है, और अगर केंद्र तुरंत हस्तक्षेप करे, तब निमिषा की जान बचाई जा सकती है। जब बेंच ने याचिका को मंगलवार (15 जुलाई) को सुनने का सुझाव दिया, तब वकील ने अनुरोध किया कि डिप्लोमैटिक प्रक्रिया में लगने वाले समय को देखकर सुनवाई पहले की जाए। पीठ ने सहमति जताकर मामले को 14 जुलाई (सोमवार) के लिए सूचीबद्ध किया है। याचिकाकर्ता संगठन ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह यमन सरकार और पीड़ित परिवार से वार्ता शुरू करे और ब्लड मनी के जरिए निमिषा को फांसी से बचाने के प्रयास करे।

क्या है मामला

निमिषा 2008 में नर्स के रूप में काम करने के लिए यमन गई थीं। 2011 में उन्होंने भारतीय नागरिक टॉमी थॉमस से शादी की और उनकी एक बेटी हुई। 2014 में उनके पति और बेटी भारत लौट आए, लेकिन निमिषा यमन में रहीं। निमिषा ने यमन में एक क्लीनिक खोलने के लिए महदी के साथ साझेदारी की, क्योंकि यमनी कानून के तहत विदेशियों को लोकल साझेदार की जरूरत होती है। लेकिन बाद में तलाल के साथ विवाद शुरू हुआ। निमिषा ने आरोप लगाया कि तलाल ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए शादी का दावा किया, उनका यौन और मानसिक शोषण किया, उनके पैसे छीनकर पासपोर्ट जब्त किया। 2017 में, निमिषा ने अपना पासपोर्ट वापस लेने के लिए तलाल को बेहोशी का इंजेक्शन दिया, लेकिन डोज अधिक होने से तलाल की मौत हो गई। इसके बाद, निमिषा ने अपनी सहयोगी हनान की मदद से तलाल के शव के टुकड़े कर पानी की टंकी में फेंक दिया। निमिषा को हत्या का दोषी पाया

गया, जबकि हनान को आजीवन कारावास की सजा मिली।

वहीं निमिषा के परिवार ने तलाल के परिवार को 1.52 करोड़ रुपये (5 करोड़ यमनी रियाल) की पेशकश की, लेकिन तलाल का परिवार सहमत नहीं हुआ। भारतीय विदेश मंत्रालय ने निमिषा को बचाने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। भारत सरकार यमनी अधिकारियों और हूती प्रशासन के साथ संपर्क में है, लेकिन यमन में गृहयुद्ध और हूती विद्रोहियों के नियंत्रण के कारण कूटनीतिक प्रयास जटिल हैं।

नौसेना को मिला निस्तार युद्धपोत, गहरे समुद्र में चलाए जाएंगे बचाव अभियान

नई दिल्ली । पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा पर बने हुए तनावपूर्ण हालात के बीच हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) ने विशाखापत्तनम में आयोजित किए गए एक समारोह में नौसेना को गहरे समुद्र में गोताखोरी अभियान में बेहद मददगार पहला युद्धपोत 'निस्तार' सौंपा है। जिसका डिजाइन और निर्माण स्वदेश में किया गया है। वर्तमान में ऐसे युद्धपोत दुनिया के चंद देशों की नौसेनाओं के पास ही हैं। अब निस्तार के साथ ही भारतीय नौसेना भी विश्व के उन विशिष्ट देशों के समूह में शामिल हो गई है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि इस युद्धपोत का नाम निस्तार संस्कृत भाषा से लिया गया है। जिसका अर्थ मुक्ति, बचाव या मोक्ष होता है। इसकी लंबाई 118 मीटर और कुल वजन 10 हजार टन है। निस्तार गोताखोरी के अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है। साथ ही यह समुद्र में 300 मीटर की गहराई तक गोताखोरी करने में भी पूरी तरह से सक्षम है और इसमें 75 मीटर की गहराई तक गोताखोरी करने के लिए एक साइड डाइविंग स्टेज भी मौजूद है। निस्तार गहरे जलमग्न बचाव पोत (डीएसआरवी) के लिए मदर शिप के रूप में भी काम करेगा। जिससे पानी के नीचे किसी पनडुब्बी में आपात स्थिति में कर्मचारियों को बचाया और निकाला जा सके। एचएसएल ने इस युद्धपोत को को एक हजार मीटर की गहराई तक गोताखोरी निगरानी और बचाव कार्यों को अंजाम देने के लिए दूर से संचालित वाहनों के संयोजन से सुसज्जित किया है। मंत्रालय ने कहा कि इसमें लगी हुई 75 फीसदी सामग्री स्वदेशी है। नौसेना के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जिसमें केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियान के दृष्टिकोण पर प्रमुखता से ध्यान केंद्रित किया गया है।

राहुल गांधी खुद एक डमी हैं, संविधान की रक्षा तो पीएम मोदी कर रहे हैं: गिरिराज

बेगूसराय (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा संविधान की किताब दिखाए जाने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी खुद एक डमी हैं। उनके पास संविधान की एक डमी किताब है। पीएम मोदी संविधान की रक्षा कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। हमारा उद्देश्य ऐसे डमी लोगों से छुटकारा दिलाना है।

गिरिराज सिंह ने कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार और पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की गाड़ी पर चढ़ने से रोके जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि सामाजिक जीवन में इससे बड़ा अपमान और कुछ नहीं हो सकता। अब तक सामाजिक मान्यता यही थी कि ये लोग राज्य के बड़े नेता हैं, लेकिन राहुल गांधी और तेजस्वी ने इन दोनों नेताओं का अपमान किया है।

बता दें राहुल गांधी बुधवार को बिहार के दौरे पर थे। इस दौरान राहुल गांधी ने महागठबंधन की ओर से आयोजित विरोध रैली में शिरकत की। 'बिहार बंद' के दौरान पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव और कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार को राहुल गांधी की गाड़ी पर चढ़ने से रोक दिया गया। इस मामले के तूल पकड़ने के बाद सांसद पप्पू यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हमें वाहन पर चढ़ने नहीं दिया गया, अंदर सभी लोग कांग्रेस से थे। यह मेरी जिंदगी की लड़ाई है, मेरे समाज की लड़ाई है। यह संविधान की रक्षा और अल्पसंख्यकों के दर्जे की लड़ाई है। इसमें सम्मान और अपमान की क्या बात है? कहीं कोई अपमान की बात नहीं है, हम लोगों का संबंध सीधे मतदाताओं से है।

पीएम मोदी की विदेश यात्रा पर कांग्रेस ने उठाए सवाल कहा- कभी मणिपुर भी हो आइए...

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी पांच देशों की विदेश यात्रा को लेकर कांग्रेस जमकर निशाना साधा है। वह लगातार सरकार पर सवालों की बरसात कर रही है। कांग्रेस ने कहा है कि अब वह चाहें तो मानसून सत्र का एजेंडा तय करने के लिए सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने के साथ हिंसा प्रभावित मणिपुर जाने, पहलगाम के आतंकवादियों को अब तक न्याय के कठघरे में क्यों नहीं लाया गया है, इसकी समीक्षा करने और अपने गृह राज्य में लगातार गिरते-ढहते, नाकाम होते बुनियादी ढांचे पर विचार करने के लिए समय निकाल सकते हैं।

पीएम मोदी ने ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के अलावा पांच देशों -घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील

और नामीबिया का दौरा किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारत अपने 'सुपर प्रीमियम फ्रीक्वेंट फ्लायर' प्रधानमंत्री का स्वागत करता है, जो शायद अगली विदेश यात्रा से पहले तीन हफ्तों के लिए देश में रहेंगे। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि अब जब वे देश में हैं, तो शायद उन्हें मणिपुर जाने का समय मिल जाए, जहां लोग दो साल से अधिक समय से उनकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता का कहना है, 'वह यह भी समीक्षा कर सकते हैं कि पहलगाम में हुए आतंकी हमलों के दोषियों को अब तक न्याय के कठघरे में क्यों नहीं लाया गया, अपने गृह राज्य में लगातार गिरते-ढहते, नाकाम होते बुनियादी ढांचे पर ध्यान दे सकते हैं, और बाढ़ से तबाह हिमाचल प्रदेश के लिए सहायता राशि मंजूर कर सकते हैं। रमेश ने कहा, वह चाहें तो जीएसटी में व्यापक सुधार पर भी ध्यान दे सकते हैं, जिससे आम उपभोग को प्रोत्साहन मिल सके और कुछ खास बड़े कॉरपोरेट समूहों के अलावा बाकी निजी कंपनियों को भी निवेश के लिए प्रेरित किया जा सके। उन्होंने कहा कि बदलाव के तौर पर वह मानसून सत्र के लिए एजेंडा तय करने के उद्देश्य से सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता भी कर सकते हैं। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है।

हासन में 40 दिनों में हार्ट अटैक से 23 लोगों की मौत, घबराए लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे अस्पताल, मचा हड़कंप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के हासन जिले में बीते 40 दिनों में हार्ट अटैक से 23 लोगों की मौत से हड़कंप मचा हुआ है। इसमें 6 पीड़ितों की उम्र 19 से 25 वर्ष के बीच थी, जबकि 8 मृतक 25 से 45 वर्ष की उम्र के थे। अचानक बढ़े इन मामलों ने क्षेत्र के लोगों में चिंता पैदा कर दी है। राज्य के प्रमुख अस्पतालों में शामिल बेंगलुरु और मैसुरु के जयदेव अस्पतालों में हृदय रोगियों की संख्या में 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अब हर दिन हजारों की संख्या में लोग हार्ट की जांच करवाने अस्पताल पहुंच रहे हैं, विशेषकर हासन और आसपास के जिलों से हृदय रोगियों का रैला आ रहा है। वहीं जयदेव अस्पताल, मैसूर के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. के.एस. सदानंद ने लोगों से घबराने के बजाय सतर्कता और समझदारी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा, एक बार जांच कराने से समस्या खत्म नहीं होगी। जरूरी है कि लोग अपनी जीवनशैली में सुधार करें, संतुलित आहार लें, धूम्रपान-शराब से बचें और नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।' वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनियाभर में हर साल 6 करोड़ लोगों की मौत होती है, जिसमें से करीब 32 प्रतिशत मौतों की वजह कार्डियोवस्कुलर डिजीज (सीवीडी) होती है। यानी हर साल लगभग 1.75 करोड़ लोग हार्ट से जुड़ी बीमारियों के कारण जान गंवा रहे हैं। पहले यह बीमारी बुजुर्गों तक सीमित मानी जाती थी, लेकिन अब 30 वर्ष से कम उम्र के लोग भी बड़े पैमाने पर शिकार हो रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड-19 महामारी के बाद से हृदय संबंधी बीमारियों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है। हासन में हुई इन मौतों ने कर्नाटक सरकार और स्वास्थ्य महकमे को अलर्ट कर दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार अब समय आ गया है जब हर व्यक्ति को अपनी स्वास्थ्य-शैली पर गंभीर ध्यान देना होगा। हृदय की जांच के साथ ही, लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलनपूर्ण जीवनशैली जरूरी है।

आप 75 साल के हो गए तो रुक जाना चाहिए, संघ प्रमुख ने फिर छेड़ी बहस

- शिवसेना सांसद राउत का दावा- भागवत यह संदेश पीएम मोदी को दे रहे हैं

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने एक बार फिर राजनीति से 75 साल में रिटायर होने की बहस छेड़ दी है। भागवत के इस बयान को लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा है कि संघ प्रमुख यह संदेश पीएम नरेंद्र मोदी को दे रहे हैं। खास बात है कि पीएम मोदी और भागवत दोनों ही इस साल सितंबर में 75 साल के होने वाले हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को नागपुर के एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा जब आपको कोई 75 साल का होने पर बधाई देता है, तो इसका मतलब होता है कि अब आपको रुक जाना चाहिए और दूसरों को काम

करने देना चाहिए। इस पर संजय राउत ने कहा कि संघ प्रमुख भागवत पीएम मोदी को यह संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, जसवंत सिंह आदि जैसे नेताओं को जबरन रिटायरमेंट दिला दिया, क्योंकि वह 75 साल के हो गए थे। अब देखते हैं कि क्या मोदी इसका पालन खुद भी करेंगे।

इससे पहले भी मार्च में संजय राउत पीएम मोदी के रिटायरमेंट को लेकर दावा कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी अपने रिटायरमेंट का ऐलान करने के लिए आरएसएस के नागपुर मुख्यालय गए थे। राउत ने कहा था कि पीएम मोदी बीते 10-11 सालों में आरएसएस मुख्यालय नहीं गए और वह दौरा उनके राजनीतिक भविष्य के लिहाज से अहम था। बीते साल मई में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि पीएम मोदी 75 साल का होने के बाद भी सक्रिय राजनीति से रिटायर नहीं होंगे। उन्होंने कहा था कि मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि बीजेपी के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है और मोदीजी 2029 तक देश की अगुवाई करेंगे और मोदीजी आने वाले चुनावों में भी नेतृत्व करेंगे। इंडी अलायंस के लिए कोई खुशखबरी नहीं है...। वह झूठ फैलाकर चुनाव नहीं जीत सकते।

सीएम खांडू ने ड्रैगन को चेताया कहा- अरुणाचल की सीमा तिब्बत से लगती है, न कि चीन से

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन द्वारा दलाई लामा के उत्तराधिकारी को लेकर दखल की कोशिशों पर अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चीन को करारा जवाब देते हुए कहा कि उनका राज्य चीन नहीं, तिब्बत से 1,200 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। उन्होंने चीन की बार-बार अरुणाचल पर दावा जताने की निंदा करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक और भौगोलिक रूप से गलत और भ्रामक है। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए खांडू ने यारलुंग त्सांगपो (भारत में ब्रह्मपुत्र) नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी बांध परियोजना के रूप में एक पानी बम करार दिया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने भी हाल ही में कहा था कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी का चयन बौद्ध परंपराओं के अनुसार दलाई लामा ही तय करेंगे, कोई सरकार नहीं, खासकर चीन जैसा कम्युनिस्ट शासन नहीं।

पेमा खांडू ने कहा, हां, आधिकारिक रूप से अब तिब्बत चीन के अधीन है, लेकिन मूल रूप से अरुणाचल प्रदेश की सीमा तिब्बत से लगती है, न कि चीन से। उन्होंने इंटरव्यू के दौरान तुरंत हस्तक्षेप करते हुए कहा कि भारत के किसी भी राज्य की सीधा सीमा चीन से नहीं लगती, बल्कि तिब्बत से लगती थी जिसे 1950 में चीन ने बलपूर्वक कब्जा कर लिया। पेमा खांडू ने चीन द्वारा यारलुंग त्सांगपो नदी पर बनाए जा रहे दुनिया के सबसे बड़े डैम प्रोजेक्ट को पानी का बम बताते हुए गंभीर चेतावनी दी। उन्होंने कहा, चीन किसी अंतरराष्ट्रीय जल संधि का हिस्सा नहीं है और उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। यदि उन्होंने अचानक डैम का पानी छोड़ा, तो अरुणाचल की सियांग घाटी पूरी तरह तबाह हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आदि

जनजाति और अन्य समुदायों पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार के साथ विचार-विमर्श के बाद अरुणाचल ने सियांग अपर मल्टीपर्पस प्रोजेक्ट की रूपरेखा बनाई है। इसका उद्देश्य चीन की गतिविधियों के खिलाफ सुरक्षात्मक तैयारी करना है। उन्होंने कहा, चूंकि चीन को समझाना मुश्किल है इसलिए हमें अपने रक्षा तंत्र को मजबूत करना होगा।

मुस्लिम बहुल जिलों में चौंकाने वाले आंकड़े- जहां 100 लोग हैं वहां 120 बना डाले आधार कार्ड

पटना (एजेंसी)। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इसको लेकर मतदाता सूची अपडेट की जा रहीं है और राजनैतिक दलों की चुनावी तैयारियां चल रहीं हैं। इसी बीच आधार कार्ड सैचुरेशन के आंकड़ों ने सियासी और सामाजिक हलकों में एक नई बहस छेड़ दी है। जहां राज्य का औसत आधार सैचुरेशन 94 प्रतिशत है, वहीं मुस्लिम बहुल जिलों में यह आंकड़ा हैरान करने वाला है। किशनगंज में 68 फीसदी मुस्लिम आबादी है। यहां आधार सैचुरेशन 126 फीसदी है। इसी तरह कटिहार (44 प्रतिशत) में 123 प्रतिशत, अररिया (43 प्रतिशत) में 123 प्रतिशत, और पूर्णिया (38 प्रतिशत) में 121 प्रतिशत आधार सैचुरेशन दर्ज किया गया है। यानी, हर 100 लोगों पर 120 से अधिक आधार कार्ड! यह सवाल उठता है कि ये अतिरिक्त आधार कार्ड किसके लिए बनाए गए हैं। इस मुद्दे ने न केवल बिहार बल्कि पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में भी चर्चा को तेज कर दिया है, जहां ममता बनर्जी की सरकार पहले से ही आधार कार्ड डिएक्टिवेशन जैसे मुद्दों पर केंद्र से उलझी हुई है। क्या यह विपक्ष और वामपंथी लॉबी द्वारा आधार को नागरिकता का सबूत बनाने की कोशिश का हिस्सा है?

विपक्ष खासकर राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस ने आधार कार्ड को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए जोर दिया है, लेकिन इसे नागरिकता का सबूत मानने के खिलाफ भी आवाज उठाई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ बिहार बंद का आह्वान किया, जिसमें आधार को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार न करने की बात कही गई। दूसरी ओर कुछ लोग तर्क देते हैं कि विपक्ष आधार को नागरिकता का सबूत बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि अवैध आप्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। यह आरोप विशेष रूप से बीजेपी और उसके समर्थकों द्वारा लगाया जा रहा है जो कहते हैं कि सीमांचल में अधिक आधार सैचुरेशन चुनावी खेल का हिस्सा है।

बिहार के सीमांचल क्षेत्र-किशनगंज, कटिहार, अररिया और पूर्णिया में मुस्लिम आबादी 38 फीसदी से 68 फीसदी तक है। इन जिलों में आधार सैचुरेशन का 100 फीसदी से अधिक होना कई सवाल खड़े करता है। सामान्य तौर पर आधार कार्ड एक व्यक्ति-एक कार्ड की नीति पर आधारित है। लेकिन जब आंकड़े बताते हैं कि जनसंख्या से अधिक आधार कार्ड मौजूद हैं, तो यह संकेत देता है कि या तो डुप्लिकेट आधार कार्ड बनाए गए हैं या फिर गैर-नागरिकों को भी आधार कार्ड जारी किए गए हैं।

सीमांचल क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति इसे और संवेदनशील बनाती है। ये जिले पश्चिम बंगाल और नेपाल की सीमा से सटे हैं और बांग्लादेश भी ज्यादा दूर नहीं है। इस क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों का मुद्दा लंबे समय से चर्चा में रहा है। कुछ

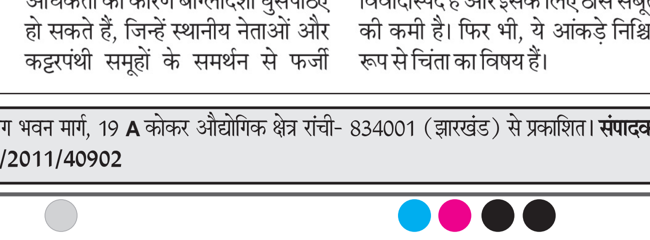

सोशल मीडिया पोस्ट्स में दावा किया गया है कि इन जिलों में आधार कार्ड की अधिकता का कारण बांग्लादेशी घुसपैठिए हो सकते हैं, जिन्हें स्थानीय नेताओं और कट्टरपंथी समूहों के समर्थन से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आधार कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं। हालांकि, यह दावा विवादास्पद है और इसके लिए ठोस सबूतों की कमी है। फिर भी, ये आंकड़े निश्चित रूप से चिंता का विषय हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**